जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

रांची, औरंगाबाद एवं आरा से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.sonvarshavani.com

रांची • वर्ष -04 • अंक - 230 • बुधवार 02 अक्टूबर 2024 • रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 • पृष्ठ -12 • मूल्य : 2 रुपये

मणिपुर में फिर 6 महीने के लिए बढ़ाया गया अफ्सपा

19 पुलिस थाना क्षेत्रों में रहेगी छूट, नोटिफिकेशन जारी

इंफाल (एजेंसी)। सरकार ने मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफ्सपा) को अगले 6 महीने के लिए सोमवार को बढ़ा दिया। हालांकि, इंफाल घाटी के अंतर्गत आने वाले 19 थाना क्षेत्रों और असम की सीमा से लगे एक क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया है। राज्य सरकार के गृह विभाग ने नोटिफिकेशन में बताया कि यह विस्तार 1 अक्टूबर से लागू होगा। इसमें कहा गया, 'राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की यह राय बनी है। फिलहाल जमीनी स्तर पर विस्तृत आंकलन करना उचित नहीं है, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां कानून व व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं। नोटिफिकेशन में बताया गया कि अशांत क्षेत्र घोषित करने का मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अगर उचित निर्णय नहीं लिया गया तो यह आलोचना और प्रतिरोध का कारण बन सकता है। गृह आयुक्त एन. अशोक कुमार की ओर से हस्ताक्षरित अधिसूचना जारी हुई है। इसके मुताबिक, मणिपुर के राज्यपाल 19 थाना क्षेत्रों में आने वाले इलाकों को छोड़कर पूरे मणिपुर को 1 अक्टूबर से अगले छह महीने की अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित करने की मंजूरी देते हैं। जिन थाना क्षेत्रों में अफस्पा नहीं लगाया गया है उनमें इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लामसांग, पटसोई, वांगोई, पोरोमपत, हेइंगंग, लामलाई, इरिबंग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नाम्बोल, मोइरंग, काकचिंग और जिरीबाम शामिल हैं। जिन क्षेत्रों को अफ्सपा के दायरे से बाहर रखा गया है, वे बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के हैं। अशांत क्षेत्र का दर्जा सबसे पहले 2004 में इंफाल नगर पालिका क्षेत्र और अप्रैल 2022 में 6 जिलों के 15 थानों से हटा दिया गया था। अफ्सपा कानून अशांत क्षेत्रों में कार्यरत सशस्त्र बलों को जरूरी लगने पर तलाशी लेने, गिरफ्तारी करने और गोली चलाने का अधिकार देता है।

हमारे पास विकल्प नहीं

पश्चिम बंगाल में डॉक्टरों ने फिर बंद किया काम

- ममता सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे जूनियर डॉक्टर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को फिर से काम बंद करने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कैंपस में सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर दबाव बनाने के लिए यह फैसला लिया गया। इससे पहले जूनियर डॉक्टर्स काम रोककर 42 दिनों तक विरोध प्रदर्शन करते रहे और 21 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी पर लौटे थे। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ऑन-ड्यूटी ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। इसके विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन हुए और कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने सुरक्षा की मांग को लेकर काम रोक दिया। आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों में से एक अनिकेत महतो ने कहाकि सुरक्षा से जुड़ी हमारी मांगों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। आज विरोध प्रदर्शन का 52वां दिन है। हमारे ऊपर अभी तक हमले हो रहे हैं। आंदोलन के दौरान किए गए अन्य वादों को पूरा करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठक के बाद, हमारे पास आज से पूर्ण काम बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य सरकार इन मांगों पर स्पष्ट कार्रवाई नहीं करती, तब तक काम पूरी तरह बंद रहेगा। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से भी बयान जारी किया गया। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने सोमवार को कहाकि सरकार अस्पतालों में चिकित्सकों की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए काम कर रही है और इसके परिणाम जल्द ही सामने आएंगे। कोलकाता के सरकारी आर.जी. कर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर पंत ने कहा कि आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों को अधीर नहीं होना चाहिए।

महाराष्ट्र की सियासत में बड़े बदलाव के आसार!

- आधी रात को नड्डा से मिले संजय राउत और फडणवीस से उद्धव
- वंचित बहुजन अघाड़ी पार्टी का बड़ा दावा- पालाबदल का है प्लान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना नेताओं के बीच मुलाकात की अटकलें हैं। वंचित बहुजन अघाड़ी ने दावा किया है कि उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे की मीटिंग हुई है। साथ ही पार्टी ने यह भी दावा किया है कि राज्यसभा सांसद संजय राउत भी दिल्ली में भाजपा चीफ जगत प्रकाश नड्डा से मिले थे। हालांकि, इसे लेकर दोनों ही दलों ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। वीबीए के मुख्य प्रवक्ता सिद्धार्थ मोकले की तरफ से एक वीडियो मैसेज जारी किया गया है। मोकले का दावा है कि राउत ने 25 जुलाई को रात 2 बजे नड्डा से 7 डी मोतीलाल मार्ग पर मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, इसके बाद 5 अगस्त रात 12 बजे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मातोश्री बंगले पर गए थे। वह अकेले ही गए थे। दोनों के बीच 2 घंटे तक बैठक चली। उन्होंने कहा,इसके बाद 6 अगस्त को ठाकरे दिल्ली गए। मोकले का कहना है कि ठाकरे को साफ करना चाहिए कि दिल्ली के दौरे पर उनके साथ कौन था और वहां उन्होंने किससे मुलाकात की। वीबीए प्रवक्ता का कहना है,हमें जो जानकारी मिली है, उसे हम जनता के सामने रख रहे हैं। इसके पीछे कारण है कि राज्य में जो आरक्षणवादी मतदाता है, वो जानते हैं कि भाजपा और उसके सहयोगी आरक्षण के विरोधी हैं।

एलएसी पर हालात ठीक नहीं किसी भी ऑपरेशन को तैयार

सीमा पर चीन से विवाद के बीच आर्मी चीफ ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सीमा (एलएसी) पर हालात स्थिर जरूर हैं लेकिन सामान्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कहा कि एलएसी पर अब भी स्थिति संवेदनशील है। इंडियन आर्मी की तरफ से थिंक टैंक सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज के सहयोग से आयोजित चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2024 के दौरान उन्होंने यह बात कही। आर्मी चीफ ने कहा कि भारत और चीन के इस तनाव के बीच सबसे ज्यादा 'विश्वास' का नुकसान हुआ है। आर्मी चीफ ने कहा कि रणीतिक स्तर पर दोनों ही तरफ से सकारात्मक संकेत मिलते हैं लेकिन जब तक दोनों देश के कमांडर्स नहीं चाहते तब तक इसे जमीन पर उतारना मुश्किल है। उन्होंने कहा, हमें समझन चाहिए कि बीतचीत के स्तर पर हम एक दूसरे को संभावनाएं और विकल्प दिए जाते हैं। लेकिन जमीन पर क्या हातो हा, यह सब सेना के कमांडरों पर निर्भर है। उन्हें ही फैसला लेना होता है। इसलिए आज की स्थिति स्थिर तो है लेकिन सामान्य नहीं कही जा सकती। हालात संवेदनशील हैं। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच तनाव को बढ़े हुए पांचवां साल है। अब तक सभी मुद्दों का हल निकलने का रास्ता नजर नहीं आ रहा है।

अठारह साल बाद लेबनान में घुसी इजराइली सेना

ग्राउंड ऑपरेशन शुरू, बदले में हिजबुल्लाह ने मोसाद हेडक्वार्टर के पास दागीं मिसाइलें

यरूशलम/बेरूत (एजेंसी)। इजराइल की सेना लेबनान में दाखिल हो गई है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने मंगलवार सुबह यह जानकारी दी। आईडीएफ ने कहा कि सोमवार रात दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकाने और बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए सीमा से लगे गांवों में लिमिटेड ग्राउंड ऑपरेशन शुरू किया गया। इजराइली सेना ने कहा कि वे सीमा के नजदीकी गांवों को निशाना बना रहे हैं। यहीं से हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमला करता है। आईडीएफ ने कहा कि इस हमले के लिए उनके सैनिकों ने हाल ही में ट्रेनिंग ली थी। इजराइली एयरफोर्स भी इसमें शामिल है। इजराइली हमलों के जवाब में हिजबुल्लाह ने सेंट्रल इजराइल पर हवाई हमले किए हैं। इसमें 2 लोग घायल हुए हैं। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने फादी-4 मिसाइलों से हर्जलिया में आईडीएफ के ग्लीलॉट बेस को निशाना बनाया।

यहीं पर इजराइली सेना की यूनिट 8200 का ठिकाना और मोसाद का हेडक्वार्टर मौजूद है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, साल 2006 के बाद यह पहली बार है, जब इजराइली सेना लेबनान में घुसी है। तब इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 33 दिनों तक जंग चली थी। इसमें 1100 से ज्यादा लेबनानी मारे गए थे। वहीं, इजराइल के 165 लोगों की मौत हुई थी। तुर्किये के विदेश मंत्री ने कहा है कि इजराइल की जमीनी कार्रवाई लेबनान की संप्रभुता का उल्लंघन है।

इजराइल लेबनान पर कब्जे की कोशिश कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को तुरंत इस मामले में अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कार्रवाई करनी चाहिए। यह हमला जल्द से जल्द खत्म होना चाहिए। इजराइल और लेबनान में जारी तनाव के बीच लुफ्थांसा एयरलाइंस ने भी इजराइल के लिए अपनी फ्लाइट्स रद्द कर दी हैं।

मंदिर हो या दरगाह बीच सड़क से हटाना ही होगा

बुलडोजर ऐक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शीर्ष न्यायालय का कहना है कि जनता की सुरक्षा सबसे पहले है और सड़कों पर किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना जरूरी है। अदालत में मंगलवार को अपराध के आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सुनवाई की। अदालत का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि चाहे वह मंदिर हो या दरगाह हो सड़क, जलमार्ग या रेल ट्रेक को अवरोध कर रहे किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना जरूरी है। साथ ही अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया है कि भारत सेक्युलर देश हैं और बुलडोजर एक्शन को लेकर उसका आदेश सभी नागरिकों के लिए होगा, फिर चाहे वे किसी भी धर्म के हों। बेंच ने कहा, हम सेक्युलर देश हैं। और हमारे निर्देश सभी के लिए होंगे। फिर चाहे वह किसी भी धर्म या समुदाय का हो। मंदिर या दरगाह या गुरुद्वारा, अगर सड़क के बीच कोई धार्मिक ढांचा है तो यह जनता के लिए बाधा नहीं बन सकती। जस्टिस गवई ने कहा, अनधिकृत निर्माणों के लिए एक कानून होना चाहिए।

तिरुपति लड्डू विवाद पर रोकी गई एसआईटी जांच

- आंध्र पुलिस बोली-सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक जांच आगे बढ़ाएंगे

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) में प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले में विशेष जांच दल जांच रोक दी गई है। राज्य के डीजीपी द्वारका तिरुमाला राव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी, इसलिए तब तक एसआईटी जांच नहीं की जाएगी। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, ये तय किया जाएगा कि एसआईटी जांच को आगे बढ़ाना है या नहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिन में एसआईटी ने लड्डुओं की खरीद और सैंपलिंग प्रक्रिया की जांच की और यह समझने की कोशिश की कि लड्डुओं में मिलावट कैसे की जा सकती है।

राव ने बताया कि एसआईटी पहले इस प्रक्रिया को समझना और इससे जुड़ी सारी जानकारी इकट्ठा करना चाहती थी, लेकिन इस बीच सुप्रीम कोर्ट का आदेश आ गया। कल सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- एसआईटी को जांच सौंपने के बाद सीएम मीडिया में क्यों गए इस मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट पर छा रहे संकट के बादल!

बुलेट ट्रेन की डेडलाइन करीब लेकिन जापान ने फंसा दिया है पेच

कई मुद्दों पर गतिरोध, बढ़ती लागत पर भी नहीं बन पा रही सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट खटाई में पड़ता दिख रहा है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच बन रहे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर जापान और भारत में कई चीजों पर गतिरोध बना हुआ है। द हिंदू की एक रिपोर्ट के मुताबिक रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अगुवाई में अधिकारियों की एक टीम हाल में जापान के तीन दिन के दौरे पर गई थी। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। जापान चाहता है कि इस प्रोजेक्ट के लिए ट्रेन सेट्स और सिग्नेलिंग सिस्टम की खरीदारी उसकी कंपनियों से की जाए। साथ ही प्रोजेक्ट का कॉस्ट और इसे पूरा करने की टाइमिंग को लेकर भी दोनों पक्षों में एक राय नहीं है। सरकार ने 2027 में मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का लक्ष्य रखा है। सूत्रों की मानें तो वैष्णव के साथ रेलवे बोर्ड के मेंबर (इन्फ्रास्ट्रक्चर) अनिल कुमार खंडेलवाल, और नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी विवेक कुमार गुप्ता भी जापान गए थे। प्रधानमंत्री मोदी इस साल के आखिर में सालाना शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए टोक्यो जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि 508 किमी लंबे बुलेट प्रोजेक्ट के लिए गुजरात और महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। 215 किमी वायडक्ट का काम भी पूरी हो चुका है लेकिन रोलिंग स्टॉक यानी ट्रेन सेट और सिग्नल सिस्टम सप्लाई करने की कॉस्ट को लेकर भारत और जापान के बीच गतिरोध बना हुआ है।

स्वच्छता केवल सफाई का कार्य नहीं, यह एक स्वस्थ और समृद्ध समाज की नींव है : राज्यपाल

संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई का कार्य नहीं, बल्कि यह एक स्वस्थ और समृद्ध समाज की नींव है। उन्होंने सभी से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। राज्यपाल मंगलवार को रांची के आर्यभट्ट सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के जरिये आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के समापन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जीवन स्वच्छता और सादगी का प्रतीक था। उनका जीवन हमें सिखाता है कि स्वच्छता केवल एक बाहरी सफाई नहीं है, बल्कि यह हमारे आंतरिक मन और समाज का भी प्रतिबिंब है। उन्होंने स्वच्छता को एक स्वस्थ समाज के लिए अनिवार्य माना। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान बापू की इसी विचारधारा पर आधारित है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। राज्यपाल ने 'स्वच्छ भारत अभियान' की 10वीं वर्षगांठ का भी उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री के जरिये प्रारम्भ 'स्वच्छ भारत अभियान' आज एक जन आंदोलन बन चुका है और लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करता है। राज्यपाल ने एनएसएस स्वयंसेवकों का इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज में स्वच्छता का सकारात्मक संदेश पहुंचाना भावी पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा का कार्य करेगा। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, एनएसएस रांची के समन्वयक डॉ. ब्रजेश कुमार, एनएसएस के स्वयंसेवक, विश्वविद्यालय के पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

वृंदावन कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति काल्पनिक मंदिर का कर रहा निर्माण

संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में चारो और सिर्फ दुर्गा पूजा के पंडाल का निर्माण हो रहा है। लगभग 80 प्रतिशत तक पंडालों का निर्माण पूरा हो गया है। तृतीय (शनिवार) से ही पंडालों के पट खुलने लगेंगे। सभी पंडालों में 24 घंटे निर्माण कार्य चल रहा है। इसी क्रम में रांची के चिरौंदी स्थित वृंदावन कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष काल्पनिक मंदिर का प्रारूप बना रही है। इस भव्य पंडाल की ऊंचाई 71 फीट, लंबाई 50 फीट और चौड़ाई 60 फीट है। बंगाल के 20 कारीगर कई दिनों से निर्माण कार्य में जुटे हैं। पंडाल के अंदर रामायण के पात्र और घटनाओं को दर्शाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राठौर ने मंगलवार को बताया कि इको-फ्रेंडली पंडाल बनाया जा रहा है। कपड़े के लैस उपयोग में लाए जा रहे हैं। पंडाल का पट षष्टी से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। प्रतिदिन गीत-संगीत, नाट्य प्रस्तुति और डांडिया के कार्यक्रम होंगे। प्रसाद वितरण का अलग काउंटर होगा। सुरक्षा, सुगम दर्शन आदि पर समिति का विशेष ध्यान है। वहीं लाइटिंग भी खास होगी। उन्होंने बताया कि समिति के सदस्य दिन-रात पूजा आयोजन में लगे हुए हैं।

दुर्गा पूजा के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय ने एसपी से मांगी रिपोर्ट

संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी एसपी से रिपोर्ट मांगी है। मुख्यालय से मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार दुर्गा पूजा के दौरान झारखंड में किसी प्रकार की विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न ना हो, इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जिले के एसपी से जबरन चंदा वसूली सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी है।

इन बिंदुओं पर मांगी है रिपोर्ट-दुर्गा पूजा के अवसर पर पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कहां-कहां किये जायेंगे और कितनी भीड़ होने की संभावना है, इससे संबंधित विवरण।

क्षेत्र में लाइसेंसी और गैर लाईसेंसी पूजा पंडालों की संख्या।

दशहरा के नाम पर किन-किन स्थानों पर जबरन चंदा वसूली की जाती है और इसके रोकथाम के क्या उपाय हैं

दशहरा के अवसर पर पूर्व से संवेदनशील पूजा पंडाल किन-किन स्थानों पर है, जहां निगरानी रखे जाने की आवश्यकता है।

पूजा पंडालों में आग लगने की स्थिति में अग्निशामक की व्यवस्था है या नहीं।

दशहरा के अवसर पर पूर्व में हुए विवाद और घटना की सूची की विवरणी।

बीते पांच सालों (2019-2023 तक) में दशहरा पर घटित सांप्रदायिक घटनाओं की संक्षिप्त विवरणी।

वैसे सामाजिक तत्वों जो पूर्व में दंगा व सांप्रदायिक कांडों में संलिप्त व आरोपित रहे हो और विधि-विरुद्ध कार्य कर या अफवाह फैलाकर सांप्रदायिक तनाव और विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं, उसकी सूची।

वैसे व्हाट्सएप, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया ग्रुप जो किसी विशेष सांप्रदाय, धर्म और जाति की भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणियां करते हैं और नफरत और अफवाह फैलाते हैं, उनके एडमिन के नाम और मोबाइल नंबर।

अवैध पशु तस्करों और वधशाला की सूची।

अवैध शराब कारोबारियों की सूची।

शांति समिति की बैठक से संबंधित सूचना और विवरणी।

ऐसे शांतिप्रिय और गणमान्य व्यक्तियों (नाम, पता, फोन नंबर) की विवरणी जो आपातकालीन स्थिति में प्रशासन को सहयोग कर सकते हैं।

ांति और विधि-व्यवस्था बनाये रखने के अन्य महत्वपूर्ण तथ्य और सुझाव।

विसर्जन जुलूस के दौरान किन-किन धार्मिक स्थानों, रास्तों और विवादास्पद स्थलों पर निगरानी रखे जाने की आवश्यकता है।

नदी और जलाशयों में प्रतिमा विसर्जन के दौरान संभावित दुर्घटना से बचाव के लिए किन-किन स्थानों पर गोताखोरों और नावों की व्यवस्था की गयी है।

किन-किन स्थानों और पंडालों में विशिष्ट और अति विशिष्ट महानुभावों के शामिल होने की संभावना है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखा पत्र

संवाददाता

रांची। झारखंड में फसलों की निगरानी के लिए सैटेलाइट डाटा का प्रयोग हो, इसे लेकर रक्षा राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद संजय सेठ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। मंगलवार को लिखे पत्र में सेठ ने मुख्यमंत्री को बताया है कि मध्य प्रदेश की सरकार फसलों की निगरानी के लिए सैटेलाइट डाटा का प्रयोग कर रही है। इसके उपयोग से खेती युक्त स्थानों में प्राकृतिक आपदा या अन्य किसी परिस्थिति में फसलों की निगरानी आसान हो रही है। इसके साथ ही फसल बीमा दावा और उसके भुगतान में भी गड़बड़ी नहीं होती है। पूरी कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता बरती जाती है। सेठ ने पत्र के जरिये कहा कि इस तर्ज पर अब राजस्थान की सरकार में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे किसानों को फसलों की निगरानी और उसके बीमा संबंधी भुगतान के लिए कई बार बहुत समस्या का सामना करना पड़ता है। कई बार किसान अपने ही भुगतान के लिए बहुत परेशान हो जाते हैं। ऐसे में सैटेलाइट से फसलों की निगरानी की यह व्यवस्था न सिर्फ किसानों के लिए बल्कि सरकार के लिए भी बहुत राहत देने वाली साबित होगी। इससे फसलों के उत्पादन और उसके भुगतान में भी पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा है कि किसान और राज्य हित में इस दिशा में कार्य किया जाए।

झारखंडी खोरठा व नागपुरी कलाकारों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

बोकारो जिले के तुपकाडीह स्थित श्रमिक हाई स्कूल के मैदान में रविवार को अंबेडकर क्लब, पैंथर क्लब व जय हिंद कला मंच के द्वारा संयुक्त रूप से झारखंडी कलाकार-साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन आयोजन समिति के स्वागतकर्ता तीर्थनाथ आकाश व अन्य अतिथियों ने किया। इस दौरान खोरठा के प्रखर विद्वान व धरा-गगन सिद्धांत के प्रणेता दिवंगत डॉ एके झा समेत अन्य दिवंगत कलाकारों व साहित्यकारों की तस्वीर पर माल्यार्पणकर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी गई। इस दौरान राज्य के लगभग 200 कलाकारों व साहित्यकारों को आयोजन समिति के द्वारा शॉल, प्रशस्ति पत्र व पौधे देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर तीर्थनाथ आकाश ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के निर्माण में खोरठा भाषा के कलाकारों का भी अहम योगदान रहा है। गीतकार विनय तिवारी ने कहा कि खोरठा के सभी कलाकारों, साहित्यकारों को एक मंच पर आकर खोरठा के उन्नयन के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन श्याम केवट 'चित्रकार' ने किया।

कार्यक्रम में मनोज देहाती, गौतम कुमार महतो, कैलाश देहाती, अमन राठौर, कैलाश जैक्शन, सतीश दास, रॉबिन दास, राकेश दास, पायल राजवंशी, आनंद केरवार, धनुषधारी गोस्वामी, रमेश दास, आशा कुमारी, गुंजा कुमारी, दीपक दीवाना उर्फ ढुलकु, विनोद महतो रसलीन, प्रेमचंद कालिंदी, हबीब नाज, अशोक महतो, शिवानी जैक्सन, राजेश दीवाना, रवीना महतो, वर्षा ऋतु, हनी चंद्रवंशी, पिंकी सिंह, सीमा महतो, चांदनी महतो, मिथुन झारखंडी, मुकेश साव, उमेंद्र कुमार,निमाय महतो, मुकेश साव, विश्वनाथ गोस्वामी समेत खोरठा, नागपुरी व अन्य झारखंडी भाषाओं के लगभग 150 कलाकार सम्मानित हुए। कार्यक्रम के दौरान विनय तिवारी, महेंद्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर', गिरिधारी गोस्वामी आकाशखूंटी, डॉ नागेश्वर महतो, दीपक सवाल, डॉ मुकुंद रविदास, अनिता महतो, डॉ कृष्णा गोप, प्यारे हुसैन प्यारे, अशोक पारस, कामेश गोस्वामी, घनश्याम महतो, विजय दास, शेखर शरदेंदु, मणिलाल मणि, समेत लगभग 50 साहित्यकार सम्मानित हुए। मौके पर स्थानीय मुखिया शांति देवी, खूंटरी मुखिया लीलावती देवी, कनारी मुखिया राज महतो, अरविंद सिंह राजपूत समेत आयोजन समिति के अनिल दिगार, राजू महतो, संजय अग्रवाल, नितेश, आशीष, प्रेम, सोनू, अप्पू, राहुल, उमेश, सुशांत आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तीन हजार से अधिक जवान रहेंगे तैनात

संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो अक्टूबर को झारखंड के एक दिवसीय दौरे पर आएंगे। उनके दौरे को लेकर रांची एयरपोर्ट से लेकर हजारीबाग तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हजारीबाग में तीन हजार से अधिक जवान तैनात रहेंगे। साथ ही सात एसपी, 45 डीएसपी, 100 इंस्पेक्टर और 400 सब इंस्पेक्टर भी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा रैप की दो कंपनी को भी लगाया गया है। एडीजी अभियान लगातार सुरक्षा का जायजा ले रहे हैं। साथ ही एसपीजी के अधिकारी सुरक्षा की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम

1:10 बजे विशेष विमान से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लैंडिंग।

1:30 बजे हजारीबाग के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना।

1:55 बजे हजारीबाग में जेपीए हेलीपैड पर लैंडिंग।

2:00 बजे विनोवा भावे विवि में सरकारी कार्यक्रम।

2:45 बजे मटवारी कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना।

5:05 बजे हेलीपैड से रांची के लिए रवाना।

5:30 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर आगमन।

5:45 बजे विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री हजारीबाग में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ करेंगे। इसका बजट 79,150 करोड़ रुपये से अधिक है। यह अभियान 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों और 2,740 ब्लॉकों में 5 करोड़ से अधिक जनजातीय लोगों को लाभान्वित करेगा। साथ ही प्रधानमंत्री 40 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन करेंगे और 2,800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 25 ईएमआरएस की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा पीएम-जनमन के तहत 1360 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

रांची के नए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने पदभार संभाला

संवाददाता

रांची। रांची के नये उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर पूर्व उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने उन्हें शुभकामनाएं दी। पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि त्योहार के सीजन की शुरुआत हो रही है। जिला प्रशासन की प्राथमिकता शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार संपन्न कराना है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पंचायत स्तर पर बेहतर तरीके से पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। आगामी विधानसभा चुनाव से संबंधित तैयारियों पर उपायुक्त ने कहा कि पूर्व से ही तैयारियां की गई हैं, उसे आगे बढ़ाया जाएगा। सभी पदाधिकारी अनुभवी हैं। हम टीमवर्क के साथ सभी चुनौतियों का सामना करेंगे। मंजूनाथ भजंत्री 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

धोखाधड़ी कर 22 लाख रुपये हड़पने की आरोपित महिला बैंककर्मी अंततः हो गई गिरफ्तार

संवाददाता

धोखाधड़ी कर 22 लाख रुपये हड़पने की आरोपित बैंककर्मी अंजना सिन्हा

अपने सीसीएलकर्मी पति आर शिवशंकर के साथ भुक्तभोगी सतीला देवी।

मामला दर्ज होने के लगभग सवा साल बाद अंततः धोखाधड़ी कर 22 लाख रुपये हड़पने की आरोपित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक फुसरो शाखा की महिला कर्मी अंजना सिन्हा गिरफ्तार हो गईं। वहीं, उक्त कांड के अन्य आरोपित अजय सिन्हा, राजेश देव एवं वरुण कुमार फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। उन तीनों को पुलिस काफी सरगर्मी से तलाश कर रही है। उम्मीद है कि उक्त तीनों को भी शीघ्र ही पुलिस गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा देगी। कोर्ट से वारंट निर्गत होने के बाद बोकारो थर्मल थाना के अवर निरीक्षक अजीत कुमार एवं सहायक अवर निरीक्षक बैजुन मरांडी ने बेरमो महिला थाना के सहयोग से झारखंड ग्रामीण बैंक की फुसरो शाखा से बीते 27 सितंबर को अंजना सिन्हा को गिरफ्तार कर चास जेल भेज दिया। उनके विरुद्ध बोकारो थर्मल थाना अंतर्गत कथारा तीन नंबर कॉलोनी निवासी सीसीएलकर्मी आर शिवशंकर की पत्नी सतीला देवी ने 26 मई-2023 को तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में केस किया था। उस केस के आलोक में कोर्ट के आदेश पर बोकारो सेक्टर-4 थाना में कांड संख्या 31/2023 के तहत एससी-एसटी एक्ट एवं बैंक से लोन पास कराकर राशि हड़पने का मामला 9 जुलाई-2023 को दर्ज किया गया था। सतीला देवी ने कथारा तीन नंबर कॉलोनी निवासी अंजना सिन्हा एवं उनके पति अजय सिन्हा सहित फुसरो स्थित राजेंद्र कॉलोनी निवासी राजेश देव उर्फ राजेश ठाकुर और पटेलनगर के वरुण कुमार व अन्य के खिलाफ बैंक से लोन पास करवाकर लगभग 22 लाख रुपये धोखाधड़ी कर हड़प लेने का मामला दर्ज कराया था।

तेनुघाट कोर्ट में भी दायर किया गया था शिकायत वाद : सीसीएल कथारा एरिया के आरआर शॉप में कार्यरत आर शिवशंकर की पत्नी सतीला देवी ने अपने पड़ोस में रहने वाली अंजना सिन्हा एवं उनके पति अजय सिन्हा सहित फुसरो निवासी राजेश देव और वरुण कुमार व अन्य पर 10 लाख 29 हजार रुपये की ठगी करने और जाति सूचक शब्द का प्रयोग कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए तेनुघाट कोर्ट के अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में शिकायत वाद दाखिल करने के साथ ही बोकारो सेक्टर-4 थाना में एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था। भुक्तभोगी सतीला देवी ने कोर्ट एवं थाना में दिए आवेदन में लिखा है कि उनके पति शराब के सेवन के कारण अक्सर बीमार रहते हैं। पड़ोस में रहने वाली ग्रामीण बैंक फुसरो में कार्यरत अंजना सिन्हा ने मुझे ऋण लेकर जमीन खरीदने की सलाह दी। सतीला देवी ने सहमति जताई, तब अंजना सिन्हा एवं उनके पति अजय सिन्हा उसे ऋण दिलाने के लिए झारखंड ग्रामीण बैंक फुसरो ले गए, जहां कई कागजातों पर उन दोनों ने हस्ताक्षर कराया और भारतीय स्टट बैंक फुसरो शाखा से 6 अगस्त-2022 को 12 लाख 50 हजार रुपये बतौर लोन दिला दिया। लोन के लिए आवेदन करवाते वक्त ही अंजना सिन्हा ने उसका बैंक पासबुक और बैंक से लिंक्ड मोबाइल फोन अपने पास रख लिया था। साथ ही लोन दिलाने के एवज एक लाख 10 हजार का चेक भी उन्होंने उससे लिया था। उसके बाद 13 सितंबर-2022 को सतीला देवी एवं उसके पति के संयुक्त बैंक खाते में 10 लाख 29 हजार 101 रुपये आइसीआइसीआइ बैंक धनबाद शाखा से आया, जिसकी जानकारी उसे और उसके पति को बाद में हुई। वर्ष-2023 में अपने बैंक एसबीआइ फुसरो से स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि ऋण की राशि लगभग 11 लाख सहित आइसीआइसीआइ बैंक से आए रुपये के अलावा जमा किए गए रुपयों में से लगभग 22 लाख रुपये की निकासी आरोपितों द्वारा समय-समय पर नेट बैंकिंग के माध्यम से की जा चुकी थी। इस संबंध में पूछताछ करने पर वे लोग उसे जाति सूचक शब्द का प्रयोग कर तरह-तरह की धमकी देने लगे थे।

बैंक से लिंक्ड मोबाइल फोन रख लिया था अपने पास : इस मामले में केस दर्ज कराने में सतीला देवी को सहयोग करने वाले भीम आर्मी के बोकारो जिलाध्यक्ष गोवर्धन रविदास ने बताया कि 13 सितंबर-2022 को अचानक सतीला देवी एवं उसके पति के संयुक्त बैंक खाते में जब अचानक 10 लाख 29 हजार 101 रुपये आया था, तब उन दोनों को उस बारे में तत्काल जानकारी इसलिए नहीं मिल पाई थी, क्योंकि उससे पहले ही अंजना सिन्हा एवं उनके पति अजय सिन्हा ने उसके बैंक खाता में गड़बड़ी उत्पन्न हो जाने व उसे दुरुस्त करने का झांसा देकर बैंक से लिंक्ड उसका मोबाइल फोन अपने पास रख लिया था। फोन मांगने पर बार-बार बहाना किया जाता था।

रामगढ़ उपायुक्त ने दुर्गा पूजा के मद्देनजर जिला शांति समिति की बैठक में दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता

रामगढ़। जिले में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयादशमी का त्यौहार शांतिपूर्ण माहौल में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पूरे जिले में 140 दुर्गा पूजा समिति और मुख्य चार रावण दहन समिति कार्यक्रम स्थल और पूजा पंडाल में मुस्तैद रहेंगे। जिला प्रशासन और पुलिस का पूरा सहयोग उन्हें मिलेगा। यह बातें मंगलवार को जिला शांति सह निगरानी समिति की बैठक में डीसी चंदन कुमार ने कही। डीसी ने कहा कि इस बार का त्योहार चुनौती पूर्ण होने वाला है। चुनावी वर्ष है और आदर्श आचार संहिता कभी भी लागू हो सकता है। ऐसे में पूजा समिति के सदस्य मानसिक तौर पर तैयार रहें। पूजा के दौरान यदि आचार संहिता लगता है तो पूजा समितियों को राजनीतिक माहौल से खुद को दूर कर लेना होगा। पंडालों के पास वॉलिंटियर्स को एक रंग के ड्रेस में रहने का भी सुझाव डीसी ने दिया है ताकि वहां आने वाले श्रद्धालुओं और वॉलिंटियर्स के बीच फर्क साफ नजर आए। इस दौरान डीसी ने प्रखंडवार पूजा समिति के सदस्यों से उनके क्षेत्र की समस्याओं का जायजा लिया। समिति के सदस्यों को रोड से जगह छोड़कर पंडाल बनाने का निर्देश दिया। वही उन्होंने सभी पूजा समितियों को अपने अपने वोलेंटियर चिन्हित कर अपने थाना को सूचित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने पूजा समिति के सदस्यों को आगजनी की समस्याओं से निपटने के लिए पूजा पंडाल के पास उचित मात्रा में बालू, पानी इत्यादि का प्रबंध रखने का निर्देश दिया। डीसी ने लाइटिंग की व्यवस्था सुदृढ़ रखने एवं अतिरिक्त जनरेटर की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मेले के दौरान भीड़-भाड़ पर कब रखने हेतु सभी पूजा समितियों को पंडाल से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर पार्किंग स्थल चिन्हित करने का निर्देश भी दिया। साथ ही पंडाल में प्रवेश एवं निकासी हेतु महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग प्रवेश एवं निकासी द्वारा बनाने का निर्देश दिया। डीसी ने हाई कोर्ट के निर्देश पर डीजे बैन के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने भड़काऊ या अश्लील गाने न बजाने हेतु शख्त निर्देश दिए। सुरक्षा दृष्टि के मद्देनजर सभी पूजा समिति के सदस्यों को पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने एवं आने वाले लोगों को उनके बच्चों के पॉकेट में अभिभावक के संबंधित पते व फोन नंबर डालने के प्रति जागरूक करने सहित अन्य उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी संप्रदाय के लोग त्योहार में सहयोग करें, जिससे समाज की गरिमा बनी रहे। सुरक्षा के मद्देनजर पूजा पंडालों का होगा निरीक्षण बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी ने कहा कि पूजा पंडालों में सुरक्षा के मद्देनजर बीडीओ और सीओ स्थल निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा वहां लगे सीसीटीवी, रोशनी की व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था पर नजर डालेंगे। उन्होंने पर्व के दौरान किसी भी हालत में आपत्तिजनक गाने नहीं बजाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर कोई संदेह होता है या कोई घटना घटती है, तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस से साझा करें। बैठक में डीसी और सपा के अलावा डीसी रोबिन टोप्पो, एसी कुमारी गीतांजलि, रामगढ़ एसटीपीओ परमेश्वर प्रसाद, सभी अंचल अधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी थानों के प्रभारी, सभी विभागों के पदाधिकारी, पूजा समिति के सदस्य और शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

दुर्गा पूजा की पवित्रता बनाए रखने में करें सहयोग- बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाये जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा की पवित्रता बनाए रखने में सहयोग करें। शांति समिति के सभी सदस्यों एवं विभिन्न पूजा समिति के सदस्यों से सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी प्रकार की अफवाह सामने आने पर प्रथम दृष्टया किसी भी हाल में उस पर विश्वास नहीं करने एवं तुरंत इसकी जानकारी नजदीकी थाना व जिला प्रशासन को देने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को पर्व के दौरान सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान रखने एवं किसी भी प्रकार से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने अथवा अफवाह फैलाने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही पर्व के दौरान भीड़ भाड़ की स्थिति में बच्चों के भटकने के

नक्सलियों ने कोल वाहन में लगाई आग, क्षेत्र में दहशत

संवाददाता

हजारीबाग। जिले के केरेडारी में एक बार फिर से नक्सलियों ने आगजनी व गोली बारी की बड़ी घटना को अंजाम दिया है। नक्सलियों ने एनटीपीसी के केरेडारी व चट्टीबरियातू कोल परियोजना से कोयला ढुलाई में लगे पांच हाइवा वाहन चालकों के साथ मारपीट पीट करते हुए वाहनों में आग लगा दी। आगजानी की घटना में पांच वाहन का केबिन वा इंजन जल कर राख हो गया। इसके अलावे नक्सलियों ने भय उत्पन्न करने के लिए एक वाहन में दो राउंड व तीन राउंड हवाई फायरिंग किया। एक वाहन केरेडारी के पेटो पंचायत समिति सदस्य अरविंद का हैं जबकि चार अन्य वाहन हजारीबाग का बताया जा रहा हैं। घटना बीते सोमवार देर रात की हैं। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पांच वाहन कोयला लोड लेने के लिए माइंस जाने के स्टाफ होटल के पास खड़ा था। इसी दौरान नक्सलियों ने दहशत फैलाने के लिए खड़े पांच वाहनों में आग लगा दिया। घटना की सूचना मिलते ही केरेडारी थाना प्रभारी अजीत कुमार दल बल के साथ घटना स्थल पहुंच घटना का जायजा लिया। थाना प्रभारी की सूचना पर हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह, डीएसपी कुलदीप कुमार, इंस्पेक्टर अनिल कुमार घटनास्थल पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए। घटनास्थल से खोखा काफी मात्रा में बरामद किया गया है।

प्रतिज्ञा सम्मेलन के साथ प्रतिज्ञा यात्रा का समापन पलामू का कर्ज नहीं उतार पाया तो राजनीति से ले लूंगा संन्यासः त्रिपाठी

संवाददाता

पलामू। डालटनगंज के शिवाजी मैदान में प्रतिज्ञा सम्मेलन के साथ पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी की प्रतिज्ञा यात्रा का समापन मंगलवार को हो गया। इस कार्यक्रम में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। लोग पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। नेतृत्व पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने किया। उल्लेखनीय है कि 10 सितंबर से प्रतिज्ञा यात्रा की शुरूआत की गयी थी। 21 दिनों तक चले इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के द्वारा डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र में घूम घूमकर लोगों से संवाद स्थापित किया गया और पांच प्रतिज्ञा पूरी करने को लेकर एक बार फिर से प्रतिनिधित्व देने की अपील की गयी। समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के नेतृत्व में चियांकी हवाई अड्डा से बाइक रैली निकाली गयी। रैली के माध्यम से पूरे शहर का भ्रमण किया गया। बाद में शिवाजी मैदान में पहुंचकर रैली सभा में तब्दील हो गयी। दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। मौके पर पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र समेत पूरे पलामू जिले में संसाधनों का घोर अभाव है। कई वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कोई ऐसा कार्य नहीं किया, जिससे जनसरोकार की समस्याओं का निदान हो सके। पेयजल, नौकरी, खासमहाल भूमि, सिंचाई, बहनों के लिए रोजगार, आकाल-सुखाड़ का स्थायी समाधान को लेकर कोई पहल नहीं की गयी। खासमहाल जमीन से हमें अंग्रेजों की गुलामी याद आती है। अंग्रेजों ने कुछ खास लोगों को बसाने के लिए यह तरीका अपनाया था। आजाद भारत के 75 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी खासमहाल समस्या का निदान नहीं किया गया। नतीजा उपरोक्त समस्याएं विकराल हो चुकी हैं। अगर उन्हें नेतृत्व मिलता है तो पेयजल की स्थायी व्यवस्था कर खुशहाली लाना है। युवा की उर्जा बर्बाद हो रही है। उसका भला कैसे हो, इस पर कार्य किया जायेगा। जबतक अपनी प्रतिज्ञा पूरी न कर लूं तबतक चैन की सांस नहीं लेंगे। त्रिपाठी ने कहा कि मिट्टी का कर्ज चुकाना है, इसके लिए नेतृत्व देना होगा। विकास के लिए संकल्पित हैं। अगर कर्ज नहीं उतार पाउंगा तो राजनीति से सन्यास ले लेंगे। **क्या है उनकी प्रतिज्ञा**?-केएन त्रिपाठी की प्रतिज्ञा प्रत्येक बूथ से 10 युवाओं को नौकरी देना, झारखंड आजीविका मिशन के तहत महिलाओं के व्यवसाय हेतु 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता, सिंचाई की उचित व्यवस्था के लिए कोयल, औरंगा, अमानत और सुकरी नदी को जलाशयों से जोड़ना, पलामू जिले में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण, शहर और ग्रामीण इलाकों में पेयजल की समस्या का समाधान, खासमहल की जमीन पर मालिकाना हक और पंचायतों में मुफ्त बालू की व्यवस्था शामिल है। इंटक के प्रदेश सचिव विवेकानंद त्रिपाठी ने कहा कि डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र की तरक्की के लिए पूर्व मंत्री के.एन त्रिपाठी को नेतृत्व देना जरूरी है। भारी बहुमत से इन्हें जीताकर विधानसभा में भेजे, ताकि वे अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर पलामू का भला कर सकें।

पशुपालन सह गव्य निदेशक ने किया खूंटी का दौरा, अधिकारियों को दिये निर्देश

संवाददाता

खूंटी। पशुपालन सह गव्य निदेशक किरण पासी ने मंगलवार को जिला अनुश्रवण दल के वरीय पदाधिकारी के रूप में खूंटी जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने खूंटी जिले में कृषि, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य, भूमि संरक्षण इत्यादि प्रभागों में हो रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अगले पांच वर्षों के लिए स्थानीय विशेष उपयोगी एंव गुणवत्ता वाले उत्पाद को जिला स्तर पर प्रचारित करते हुए विस्तार करने का निर्देश दिया गया। साथ हीं प्रस्ताव विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया। सभी विभागों को बिरसा मुण्डा की जन्म स्थली-ग्राम-उलीहातु को विभागीय योजना से अच्छादित करने का निर्देश दिया गया। बैठक के उपरान्त विभिन्न योजनाओं का स्थल निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ0 अभिमन्यु प्रसाद, जिला कृषि पदाधिकारी संतोष लकड़ा, सहायक निबंधक सहकारिता प्रभाग कुमार दीप एक्का, भूमि संरक्षण पदाधिकारी लोकेश कुमार, मत्सय पदाधिकारी ओडिलकान्ति एक्का एंव अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

लातेहार में एके-47 के साथ दो नक्सली गिरफ्तार

संवाददाता

लातेहार। झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) नक्सली संगठन के दो सब जोनल कमांडर को पुलिस ने अत्याधुनिक हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार नक्सलियों में सब जोनल कमांडर खुर्शीद अंसारी, पोचरा, लातेहार और फेंकू भुईयां बालूमाथ शामिल हैं। नक्सलियों के पास से पुलिस ने एक एके-47 स्वचालित राइफल और आठ जिंदा गोली बरामद की है। एसपी कुमार गौरव ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सदर थाना क्षेत्र के नारायणपुर जंगल के पास दो नक्सली हथियार के साथ घूम रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस की एक टीम बनाई गई और नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। पुलिस जैसे ही जंगल में पहुंची तो पुलिस को देखकर नक्सली भागने लगे लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों नक्सलियों को पकड़ लिया। इनके पास से एक एके-47 राइफल और गोलियां भी बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि ये नक्सली संगठन जेजेएमपी के कमांडर हैं। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों नक्सलियों पर लातेहार के अलावा आसपास के दूसरे जिलों में भी उग्रवादी कांड से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। पुलिस को उनकी कई दिनों से तलाश थी। एसपी ने छापेमारी अभियान में थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा के अलावा सब इंस्पेक्टर रंजन कुमार पासवान, देवेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार महतो, मनोज कुमार, भागीरथ पासवान, रमाकांत गुप्ता, कुबेर प्रसाद देव, नागेश्वर महतो, उमापद महतो समेत अन्य पुलिस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

पीएम मोदी हजारीबाग में खास कार पर सवार होकर लोगों का करेंगे अभिवादन

संवाददाता

हजारीबाग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो अक्टूबर को हजारीबाग में रहेंगे। यहां वे विनोबा भावे विश्व विद्यालय से कई योजनाओं की सौगात देंगे। इसके बाद वे मटवारी मैदान के लिए रवाना होंगे और भाजपा की परिवर्तन रैली को संबोधित करेंगे। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से हजारीबाग के लिए रवाना होंगे। इसके बाद एक खास कार से विवि जाएंगे। यह वाहन बुलेटप्रुफ होगा। प्रधानमंत्री के काफिले में तीन स्पेशल गाड़ियां होगी। एक वाहन पर प्रधानमंत्री मोदी सवार होंगे। इसी वाहन से हेलीपैड से विभावि सभा स्थल जायेंगे। जिला प्रशासन ने रांची से रोड शो के लिए एक सुजकी कंपनी का स्पेशल वाहन मंगाया है। पीएम इसी गाड़ी से मटवारी गांधी मैदान सभा स्थल का चक्कर लगा लोगों का अभिवादन करेंगे। यह वाहन पांच सीटों का है। मोदी के कार्यक्रम के मद्देनजर जिला परिषद चौक से मटवारी गांधी मैदान चौक तक बैरिकेडिंग की जा रही है। दो अक्टूबर को विशेष ट्रैफिक व्यवस्था शहर में रहेगी। दो अक्टूबर की सुबह से ही शहर के प्रवेश मार्गों पर ट्रैफिक के कड़े इंतजाम रहेंगे। शहर की सड़कों पर छोटी और बड़ी सवारी वाहनों पर रोक रहेगी। रांची की ओर से आने वाले सवारी वाहन भारत माता चौक फोर लेन बाइपास से निकलेंगे। पटना से आनेवाले वाहन नगंवा टोल प्लाजा से बाइपास होते हुए गुजरेंगे। इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी के आगमन रूट से अतिक्रमण हटाया गया। मटवारी गांधी मैदान के दोनों ओर डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, पीटीसी, नया समाहरणालय सहित कई क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाया गया।

गिरिडीह में पीरटांड़ थाना प्रभारी समेत पांच पुलिसकर्मी निलम्बित

संवाददाता

गिरिडीह। सेवा में लापरवाही करने एवं ग्रामीण से रकम वसूली के आरोप में गिरिडीह के एसपी डॉ. विमल कुमार ने पीरटांड़ थाना प्रभारी गौतम कुमार समेत पांच पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। सोमवार की देर रात हुई कार्रवाई के बाद मंगलवार को एसपी डॉक्टर विमल कुमार ने दीपेश कुमार को पीरटाड़ का नया प्रभारी नियुक्त किया है। जानकारी के अनुसार, पूर्व थाना प्रभारी गौतम कुमार पर बालू लोड गाड़ी को जब्त करने के बाद पैसे लेकर छोड़ने का आरोप है। थाना प्रभारी गौतम कुमार ने जब्त बालू लोड गाड़ी के साथ बालू लोड गाड़ी के चालक को भी छोड़ दिया। थाना प्रभारी के नाम पर थाने के कुछ सिपाहियों पर वसूली के आरोप लगे। मामला सामने आने के बाद एसपी ने थाना प्रभारी को कसूरवार मानते हुए थाना प्रभारी समेत पांच पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया। बताया गया कि रकम वसूली मामले की पूरी कार्रवाई की जांच एसपी ने एसडीपीओ सुमीत कमार से करवाई थी। जांच में आरोप सही पाये जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। जिन चार अन्य पर निलम्बन की कार्रवाई हुई है उनमें सहायक अवर निरीक्षक कुशल सिंह, हवलदार शिवनंदन सिंह, आरक्षी पंकज कुमार, प्रदीप मंडल और कैलाश प्रसाद हैं।

अवैध संबंध के कारण पति ने ही सुपारी देकर कराई थी पत्नी के प्रेमी की हत्या, तीन गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी। जिले के सायको थाना कुदा ग्राम निवासी भोंज मुंडा नामक युवक की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अनुसंधान में इस बात का खुलासा हुआ कि अवैध संबंध के कारण सादिर उर्फ सुकरा मुंडा ने ही अपनी पत्नी के प्रेमी भोंज मुंडा की हत्या सुपारी देकर कराई थी। यह जानकारी खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरूण रजक ने मंगलवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि दो माह पूर्व हुए हत्याकांड में शामिल तीनों आरोपितों अड़की थानांतर्गत ग्राम बगड़ी निवासी फगुआ मुंडा उर्फ चुन्नू उर्फ मांगा उर्फ लंबू उर्फ पंकज मुंडा (28 वर्ष), एतवा पूर्ति उर्फ टुनू उर्फ दीपक (22 वर्ष) तथा अड़की के तिनतिला गांव निवासी एसी सगुन दास (20 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार(लोहे की दउली), एक चाकू और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। एसडीपीओ ने बताया कि दो माह पूर्व 26 जुलाई की देर शाम जिऊरी गांव स्थित फुटबॉल मैदान के समीप एक खेत में भोंज मुंडा की गला काट कर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध सायको थाने में मामला दर्ज कर पुलिस ने जब अनुसंधान शुरू किया, तो पता चला कि कुदा गांव के सांदिर उर्फ सुकरा मुंडा की पत्नी के साथ मृतक भोंज मुंडा का अवैध संबंध था। इस पर पुलिस ने संदेही आरोपित सुकरा मुंडा को पकड़ने का प्रयास किया, तो सुकरा मुंडा ने एक अगस्त को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। बाद में सुकरा मुंडा से पूछताछ की गई, तो उसने पत्नी से अवैध संबंध के कारण भोंज मुंडा की हत्या के लिए पूर्व नक्सली फगुआ मुंडा और एतवा पूर्ति उर्फ दीपक को 70 हजार रुपये की सुपारी देने की बात स्वीकार करते हुए बताया कि इसके लिए आरोपितों को 40 हजार रुपये का भुगतान भी कर दिया था। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित फगुआ मुंडा पूर्व में नक्सली संगठन पीएलएफआई से जुड़ा था। उसके विरुद्ध 11 वर्ष पूर्व सायको बाजार में खूंटी के व्यवसायी बनवारी लाल साव और उनके जवान पुत्र विनय कुमार गुप्ता सहित चार लोगों की गोली मारकर की गई हत्या और ओतोंगगोड़ा ग्रामप्रधान पौलुस मुंडा की चार वर्ष पूर्व उसके घर में ही गोली मारकर की गई हत्या के मामले में मुरहू और सायको थाने में दो मामले दर्ज हैं, जबकि पूर्व माओवादी एतवा पूर्ति उर्फ दीपक के विरुद्ध भी सायको थाने में दो अलग-अलग हत्या के मामले दर्ज हैं। उक्त मामलों में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। एसडीपीओ ने बताया कि भोंज मुडा हत्याकांड के उद्भेदन के लिए खूंटी एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित छापामार टीम में खूंटी अंचल के पुलिस निरीक्षक किशुन दास, एसएसबी उलिहातू के इंस्पेक्टर विकास कुमार, सायको थाना के एसआई वीरेंद्र कुमार, एसआई मनीष कुमार सहित सशस्त्र बल और एसएसबी के जवान शामिल थे।

लोहरदगा में दुर्गा पूजा के मद्देनजर प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक

संवाददाता

लोहरदगा। दुर्गा पूजा को लेकर आज सभी दुर्गा पूजा समितियों के अध्यक्ष, सचिवों व स्वयंसेवकों के साथ आवश्यक बैठक का आयोजन नगर भवन, लोहरदगा में किया गया। बैठक में अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा ने कहा कि बीते वर्षों की तरह ही इस वर्ष भी दुर्गा पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से पूरी चौकसी इस दौरान रहेगी और लोगों की असुविधाओं को दूर किया जाएगा। जिला में लगभग प्रत्येक गांव में देवी मां की पूजा सदियों से होती रही है और लोग उसमें सम्मिलित होते रहे हैं। अपर समाहर्ता ने कहा कि पूजा पण्डालों में तैनात स्वयंसेवक अपनी जिम्मेवारी तत्परता से कार्य करें। स्वयंसेवक निःस्वार्थ भावना से कार्य करते रहे हैं। उनकी तत्परता और सेवा की भावना से ही पूजा संपन्न हो पाती है। जिला में नियंत्रण कक्ष स्थापित है जो पूजा के दौरान भी सक्रिय रहेगा। पण्डालों में दण्डाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी भी अपनी ड्यूटी निभाएंगे और पूजा समितियों के संपर्क में रहेंगे। असामाजिक तत्वों की पहचान स्वयंसेवक करेंगे। प्रशासनिक शिथिलता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूजा के दौरान विघ्न डालने वालों को नहीं बख्शा जाएगा। पूजा पण्डालों में आग लगने या शॉर्ट सर्किट की घटना से बचाव के लिए आवश्यक उपकरण अवश्य रखें। बालू से भरी बाल्टी का उपयोग भी ऐसे समय में किया जा सकता है। बड़े पण्डालों का ऑडिट भी कराया जाएगा। डीएसपी मुख्यालय ने कहा कि पूजा पण्डालों में सभी समितियों श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार की व्यवस्था रखेंगे। महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग पंक्तियां होंगी। भीड़-भाड़ वाले स्थान के लिए सीसीटीवी अतिरिक्त लगवाना सुनिश्चित करेंगे। स्वयंसेवकों की व्यवस्था उचित संख्या में हो।

उपायुक्त मनीष कुमार ने किया पाकुड़ जिले के 32 वें उपायुक्त के रूप में योगदान

सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना प्राथमिकता...

पाकुड़: पाकुड़ के नये उपायुक्त मनीष कुमार ने मंगलवार को कार्यभार संभाल लिया। पाकुड़ आने के बाद उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल से समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में प्रभार ग्रहण किया। उपायुक्त मनीष कुमार पाकुड़ जिले के 32 वें उपायुक्त के रूप में योगदान किया। इस मौके पर मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने उन्हें शुभकामनाएं दी। मनीष कुमार, भारतीय प्रशासनिक सेवा 2018 बैच के अधिकारी हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद नव पदस्थापित उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि त्योहार के सीजन की शुरुआत हो रही है, जिला प्रशासन की प्राथमिकता शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार संपन्न कराना है।

टीम वर्क के साथ सभी चुनौतियों का सामना करेंगे:- उपायुक्त: आगामी विधानसभा आम चुनाव 2024 से संबंधित तैयारी पर उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पूर्व से ही तैयारियां की गई हैं, उसे आगे बढ़ाया जाएगा। सभी पदाधिकारी अनुभवी हैं, हम टीमवर्क के साथ सभी चुनौतियों का सामना करेंगे। मौके पर डीडीसी महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी ,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बाबूधन मुर्मू ने मुर्गा डांगा देवपुर में क्षेत्र में जन समस्याओं को लेकर किया भ्रमण

हिरणपुर : प्रखंड के मुर्गा दंगा देवपुर गांव के ग्रामीण जानते से आपस में मिलजुल एवं गांव में सभी ग्रामीणों कै साथ बैठक की बैठक में सभी ग्रामीणों ने बहुत ही नाराजगी जाते कि हम सभी मुर्गाडांगा देवपुर के ग्रामीण वासी को सरकारी लाभ से बहुत ही दूर पड़े सरकारी लाभ नहीं के बराबर मिला है यहां बिजली पानी नाली आवास की समस्या से बहुत कठिनाइयों का सामना हम सभी ग्रामीण करते आ रहे हैं बाबूधन मुर्मू ग्रामीणों के सभी समस्याओं से रूबरू हुए और काफी दुख प्रकट करते हुए समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिए साथ-साथ संबंधित पदाधिकारी से भी बात को रखने का बात कहे और आने वाले विधानसभा को देखते हुए सभी ग्रामीणों से कह की इस बार भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी को एक साथ मिलकर बोट देकर जीतने का प्रयास करें ताकि हम चाहू मुखी विकास गांव में कर सके मेरा विश्वास है की विधानसभा में कमल खिलाने के बाद इस गांव में तो क्या पूरे लिटिल पड़ा विधानसभा के सभी गांव में सिर्फ विकास की विकास नजर आएंगे यह बाबुधन मुर्मू का वादा है सभी ग्रामीणों को पूरा भरोसा दिया इस मौके पर रामेश्वर पुरी सज्ञातवास की मुनीम मुर्मू सॉन्ग किसको किरण मंडल मिथुन मंडल तुर्की हसदा और सभी ग्रामीण मौजूद थे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत समाहरणालय में किया गया श्रमदान

पाकुड़ : डीएमएफटी के सौजन्य से समाहरणालय परिसर में मंगलवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक साथ एक घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन एवं समाहरणालय के कर्मी शामिल हुए। मौके पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने स्वच्छ भारत मिशन का संदेश देते हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत समाहरणालय परिसर की साफ- सफाई किया गया। स्वच्छता अभियान के तहत आसपास फैले कूड़े कचरे को इकट्ठा किया गया और उसे सफाई कर्मियों की मदद से उसका निस्तारण किया गया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के साथ गंदगी से भी लोगों को आजादी मिले, इसी सोच के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी और आज इस कड़ी में हम सब मिलकर साफ-सफाई कर रहे हैं, ताकि हम स्वच्छ रहेंगे तो देश और राज्य स्वच्छ होगा। कार्यक्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार भारती, डीपीओ यूआईडी रितेश कुमार, फिल्ड मैनेजर आदित्य कुमार समेत अन्य कर्मी शामिल थे।

पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक की पीएसपीसीएल एवं एमडीओ डीबीएल ने निकाली स्वच्छता रैली

पाकुड़ : स्वच्छता ही सेवा के तहत संपूर्ण भारत को स्वच्छ बनाना है कार्यक्रम के तहत पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक की आवंटी पीएसपीसीएल एवं एमडीओ कोल कंपनी डीबीएल ने मंगलवार को अमड़ापाड़ा प्रखंड के अमीरजोला स्थित प्रशासनिक कार्यालय के पास से सार्वजनिक वैष्णवी दुर्गा मंदिर तक स्वच्छता रैली निकाली गई। इस दौरान स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया, और इस अभियान से जोड़ने का आग्रह किया गया। इसके पूर्व भी डीबीएल एवं पीएसपीसीएल द्वारा अपने कोयला उत्खनन क्षेत्र आलूबेड़ा स्थित कार्यालय एवं आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया वहीं पौधारोपण कार्यक्रम भी किया गया। इस स्वच्छता रैली का नेतृत्व पीएसपीसीएल के एजेंट राकेश कुमार सिंह ने किया। पीएसपीसीएल के एजेंट राकेश कुमार सिंह ने बताया की इस दौरान उपस्थित कोल कंपनी के कर्मियों के द्वारा गांधी जी के सपनों का भारत बनाएंगे चारों तरफ स्वच्छता फैलाएंगे, चलाओ जोरो से स्वच्छता अभियान तभी तो बनेगा हमारा भारत महान, हम सबका यही सपना स्वच्छ भारत हो अपना आदि के नारे लगाए गए। इस दौरान पीएसपीसीएल के एजेंट राकेश सिंह ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत पीएसपीसीएल एवं डीबीएल संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता के प्रति पैदल मार्च कर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के माध्यम से लोगों में जन सूचना देना है कि स्वच्छता ही सरवोपरि है। उक्त रैली में पीएसपीसीएल के मैनेजर केके सिंह, डीबीएल के मैनेजर राजकुमार डोंडा, भावेश दिवाकर, संजय दास, निपेंद्र कुमार सिंह, अमन कुमार, राजू महतो, अनूप सानडा, आर के मुखर्जी एवं इस स्वच्छता अभियान से जुड़े कमेटी के सभी सदस्य मौजूद थे। उक्त रैली आमीरजोला स्थित डीबीएल कार्यालय से निकलकर मुख्य मार्ग होते हुए दुर्गा मंदिर तक गई। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया.

ग्रामीणों ने अफवाह आवास की सूची में छेड़छाड़ को लेकर, उपायुक्त से किया शिकायत

पाकुड़ : अबुआ आवास की सूची में छेड़छाड़ करने व घर देने के नाम पर अवैध तरीके से पैसा वसूली किए जाने की शिकायत को लेकर मंगलवार को नरोत्तमपुर पंचायत के दर्जनों लाभुक समाहरणालय पहुंचे। समाहरणालय पहुंचकर उपायुक्त के नाम एक आवेदन सौंपा। दिए आवेदन में लाभुकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायत के मुखिया, मुखिया पति, वार्ड सदस्य, पंचायत सचिव व ब्लॉक कॉडिनेटर द्वारा जरूरतमंद लोगों का नाम सूची से हटा दिया है। योग्य लाभुकों को अबुआ आवास नहीं देकर अयोग्य को दे रहे है। लाभुकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुखिया पति द्वारा आवास देने के नाम पर 10 से 20 हजार रुपए करके पैसा मांगा गया था। जिन लोगों ने पैसा दिया है उसका ही घर बनाया है। कहा कि हमलोग काफी गरीब है मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण पोषण कर घर चलाते हैं, मुखिया, वार्ड सदस्य व पीगांव के बिचौलियों को पैसा नहीं दे सके हैं, इसलिए हमलोगों का नाम सूची से हटा दिया गया है। दिए आवेदन में लाभुक सलाम शेख, जनातुन बीबी,जयबन बीबी, आसफाक शेख, मैमुल शेख,सेलीम शेख, हजारे खातुन ने बताया कि आवास देने के नाम पर गरीबों को लुटने का काम कर रहा है। घर वैसे लाभुकों को दिया जा रहा है जिसका पहले से पक्का का घर बना हुआ है। जिले के डीसी सर से अनुरोध है कि नरोत्तमपुर पंचायत में आवास योजना में हो रही धंधली को लेकर एक टीम का गठन किया जाय। टीम द्वारा पंचायत में जाकर जिन लोगों को अबुआ आवास से जोड़ा गया है। उनके घरों का जांच करें ताकि पता चल पाएगा कि पंचायत के मुखिया व बिचौलिया के साठगाठ से किस तरह घर दिया जा रहा है। हमलोग मुखिया से पहले मिलकर आवास देने की बात भी कहें हैं, लेकिन मुखिया पंचायत के एक नामचिन्हि बिचौलिया के साथ मिलकर जरूरतमंद लोगों का आवास नहीं होने दे रहे हैं।

हत्यारोपी को आजीवन सश्रम कारावास की सजा

पाकुड़ : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह की अदालत ने हत्या के एक मामले में एक व्यक्ति को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनायी है। जानकारी के अनुसार मृतक सुशील इंदी की पत्नी अंगुरा देवी ने हिरणपुर थाने में अभियुक्त स्वपन इंदी व वंदना देवी सहित अन्य तीन के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज कराया था। थाने को दी गयी जानकारी में उल्लेख किया था कि 28 मई 2022 की सुबह उसका पति घरेलू काम में व्यस्त था। इसी क्रम में स्वपन इंदी व वंदना देवी आये और कुदाली से उसके पति के सिर पर वार कर दिया। जिससे उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया और कोमा में चला गया। बाद में उसकी मौत हो गयी। इस मामले में कुल 14 गवाहों का प्रतिपरीक्षण हुआ। सबूतों व गवाहों के बयान के बाद न्यायालय ने स्वपन इंदी को दोषी करार ठहराते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनायी। वहीं 20 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनायी है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी। अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक महेंद्र दास ने जिरह किया।

अंचलाधिकारी औसफ अहमद और थाना प्रभारी अनूप कुमार भांगरे के द्वारा दुर्गा पूजा पंडाल का किया निरीक्षण

भानुमित्र संवाददाता –लॉरेंस बेसरा

अमड़ापाड़ा : अंचलाधिकारी थाना क्षेत्र के दुर्गा पूजा पंडाल एवं उनकी विधि व्यवस्था की जानकारी लेने के लिए अंचलाधिकारी औसफ अहमद खान और पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनूप कुमार भेंगरा ने अमड़ापाड़ा स्थित वैष्णवी दुर्गा मंदिर का निरीक्षण किया गया वही पूजा में होने वाली भक्तों की भीड़ सहित पूजा समिति के सदस्य द्वारा तैयारियों का जानकारी भी ली और मां दुर्गा की विसर्जन स्थल बासलोई नदी का भी निरीक्षण किया गया सीढ़ी और गार्डवाल को जल्द बनवाने की बात मंदिर कमिटी के सदस्य श्याम भगत,राजा भारती को कही ।ताकि भक्तों को किसी तरह का दिक्कत का सामना नही करना पड़े। वही सदस्य ने पूजा आरंभ से पहले मरम्मती हो जाने की बात कही। इसके पश्चात पूजा कार्यक्रम में नगर भर्मण की रूट की जानकारी भी लिए। मेले में लग रहे दुकानों का जायजा लिया । इसके बाद बासमती दुर्गा मंदिर पहुँचे पूजा पंडाल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश कमिटी के सदस्यों को दिया गया मौके पर शुभम भगत, नितेश बिष्नु भगत गुड्डू भगत, शाहिद ग्रामीण उपस्थित थे।

उपायुक्त ने पदभार ग्रहण करते ही जिले के सभी पदाधिकारियों के साथ कर बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया

पाकुड़ : जिला के नये उपायुक्त मनीष कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद समाहरणालय स्थित सभागार में जिला के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने जिले में चल रही सरकार की सभी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और उपस्थित अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जिलांतर्गत चल रही विकास योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराना है ताकि योजनाओं का लाभ आम लोगों को ससमय मिल सके। उन्होंने कहा कि पारदर्शी एवं जवाबदेही के साथ जनता के कार्यों को पूरा करना ही प्रशासन की पहली प्राथमिकता होगी। साथ ही विधानसभा आम चुनाव 2024 की तैयारियों के बारे में उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बातचीत की तथा कहा कि आगामी विधानसभा आम चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराना हमारी प्राथमिकता में है।

डीसी ने शिक्षा विभाग के सभी प्रधानाध्यापक के साथ बैठक की: इसके बाद उपायुक्त मनीष कुमार ने शिक्षा विभाग के सभी प्रधानाध्यापक के साथ बैठक की।उपायुक्त ने सभी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास बनाने, विद्यालय में नोटिस बोर्ड लगाने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया। विद्यालय के शिक्षकों की प्रतिदिन की उपस्थिति ब्लैक बोर्ड पर बनाने का निर्देश दिया। प्रत्येक विद्यालय में बाल सांसद गतिशील रखने तथा प्रोजेक्ट बोर्ड रखने का निर्देश दिया। विधानसभा आम चुनाव को लेकर ईएलसी का गठन करने का निर्देश दिया।

साथ ही उपायुक्त ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, जिला का बुकलेट, त्रैमासिक बुकलेट, शिक्षक- अभिभावक, छात्र-छात्राओं तथा 18 वर्ष से ऊपर सभी वोटरों का वोटर आईडी कार्ड बना हुआ मिले, इसे संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें।

नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में एक कमजोर पीएम हैं, खत्म हो जाएगी नीतीश की पार्टी: प्रशांत किशोर

बिहार में बीजेपी का कोई भविष्य नहीं

पटना,एजेंसी। राजनीतिक सलाहकार और जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर 2 अक्टूबर को राजनीतिक पार्टी लॉन्च कर रहे हैं। इससे पहले वो लगातार कई तरह के दावे कर रहे हैं। वो जेडीयू, आरजेडी समेत बीजेपी पर हमलावर हैं।

सोमवार को न्यूज एजेंसी एएनआईको दिए इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में एक कमजोर पीएम हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ताकत और लोकप्रियता गिरी है।

प्रशांत किशोर बोले कि मैंने चुनाव से पहले ही कहा था, वो जितनी भी सीटें ले आएं, अपने तीसरे कार्यकाल में वो कमजोर साबित होंगे, क्योंकि 10 साल में लोगों ने उनके काम देखे हैं। पीके ने वहीं एक बार फिर से बिहार के सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी पर निशाना साधा है। पीके ने कहा है कि जब जेडीयू दल ही नहीं रहेगा तब जेडीयू का उत्तराधिकारी कौन होगा मैं नीतीश कुमार के दल में रहा हूं उनके साथ मैंने काम भी किया है।

उस दल की पूरी पूंजी नीतीश कुमार हैं जब वही खत्म हो गई हो तो ब्याज से कैसे चलेगा उस दल का कोई भविष्य नहीं है। बिहार में अधिकारियों का जंगलराज है। नीतीश कुमार ने पिछले कुछ सालों में पूरी व्यवस्था अपने 2-4 सलाहकारों के हाथ में कर दी है। बिहार को नीतीश कुमार ने अधिकारियों के हवाले कर दिया है। नीतीश कुमार ने पिछले 4 महीने में कोई बयान तक नहीं दिया। उनके चार सलाहकार उन्हें घेर कर ले जाते हैं और लेकर चले आते हैं। पब्लिक डोमेन में कोई बयान तक नहीं आता।

शराबबंदी, जमीन सर्वे और स्मार्ट मीटर

पीके ने कहा कि बिहार में शराबबंदी, स्मार्ट मीटर और फिर जमीन सर्वे। ये तीन स- नीतीश सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होंगे। शराबबंदी के बाद 20 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है। जबकि सच्चाई है कि शराब की होम डिलीवरी हो रही है। स्मार्ट मीटर से गांव के लोग परेशान हैं। वहीं लोगों से जबरन जमीन सर्वे कराने को कहा जा रहा है। इन मसलों पर किसी से राय नहीं ली गई।

बिहार में बीजेपी का कोई चेहरा नहीं

जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि आने वाले 2-2.5 साल में जो 9 राज्यों के चुनाव हैं उसके परिणाम अगर भाजपा के खिलाफ हुए तो निश्चित तौर पर सरकार(केंद्र) की स्थिरता को लेकर सवाल उठेंगे, अगर इन राज्यों में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया तो उनकी सरकार बनी रहेगी।

बिहार में भाजपा का न कोई प्रयास है, न चेहरा है। उन लोगों ने अपना नेतृत्व नीतीश कुमार के हवाले छोड़ दिया है जबकि भाजपा का अपना कार्यकर्ता मान रहा है कि नीतीश कुमार के नाम पर चुनाव लड़कर जीत नहीं सकते। भाजपा की मजबूरी है कि वे नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटा नहीं सकते क्योंकि उन्हें केंद्र सरकार चलानी है और उन्हें यह भी पता है कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते वे बिहार में चुनाव जीत नहीं सकते।

सीएम का बेटा होने के बाद भी तेजस्वी 9वीं पास नहीं कर पाए

तेजस्वी यादव के हमलों पर प्रशांत किशोर कहते हैं, उन्होंने क्या विश्वसनीयता स्थापित की है, जो मैं सवाल उठाने की कोशिश कर रहा हूं मैंने कहा था कि उनकी (तेजस्वी यादव) की इसके अलावा कोई पहचान नहीं है। लालू यादव का बेटा होने के नाते मैंने कहा कि वह 9वीं फेल है। यह सच है, बहुत से लोग कहते हैं कि कम पढ़े-लिखे लोग भी बुद्धिमान होते हैं, लेकिन अगर आप पढ़े-लिखे नहीं हैं तो बताएं समाज में आपका क्या योगदान है।

पीके ने कहा कि क्षमता का शिक्षा से कोई सीधा संबंध नहीं है, लेकिन अगर आप एक मुख्यमंत्री के बेटे होने के बावजूद 9वीं कक्षा पास नहीं कर पाते हैं, तो यह शिक्षा के प्रति आपकी मानसिकता को दर्शाता है जो यह सोचता है कि उसे पढ़ने की जरूरत नहीं है, वह राज्य की शिक्षा व्यवस्था के लिए क्या करेगा।

राहुल को नेता बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है

राहुल गांधी पर प्रशांत किशोर कहते हैं, कांग्रेस की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। राहुल गांधी ने पिछले 1.5-2 सालों में प्रयास किए हैं और उन्हें इसका फायदा भी मिला है। कांग्रेस में उनका नेतृत्व पूरी तरह से स्थापित हो चुका है, लेकिन अब वह देश के नहीं, बल्कि कांग्रेस के नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। उनकी दादी इंदिरा गांधी को 1977 में अपने जीवन की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। मुझे लगता है कि कांग्रेस ने उस समय 154 सीटें जीती थीं। इसे राहुल गांधी के जीवन की सबसे बड़ी जीत करार दिया जा रहा है और कांग्रेस ने 99 सीटें जीती हैं, तो यह दर्शाता है कि राहुल गांधी को अभी भी नेता बनने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना है राष्ट्र।

बिहार को सुधारने का संकल्प

जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा, मेरा प्रयास 2025 से नहीं जुड़ा है। अभी दल बन रहा है। फरवरी मार्च के महीने में दल का एजेंडा, बिहार के विकास का ब्लू प्रिंट और विजन डॉक्यूमेंट जारी होगा। 2025 के अक्टूबर में चुनाव होगा। ये एक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं लेकिन यहां पहुंचना सपना नहीं है। सपना है कि एक ऐसा बिहार बने जहां हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात और अन्य राज्यों से लोग आकर रोजगार करें। उतना उन्नत उतना विकसित बिहार बने वो सपना है और उसके लिए प्रयास जारी है।

जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा, मेरा जो बिहार को सुधारने का संकल्प है वो जन सुराज के चुनावी सफलता और विफलता से नहीं जुड़ा है। अगर जन सुराज को चुनावी सफलता मिल भी जाए उससे बिहार सुधर जाएगा ये जरूरी नहीं है। चुनाव जीतना कठिन है लेकिन अच्छे लोगों के साथ चुनाव जीतना ज्यादा कठिन है। मेरी भूमिका है कि जन सुराज ऐसी व्यवस्था बने जो अच्छे लोगों की सही लोगों की व्यवस्था हो। जो जीतकर आए तो सिर्फ विधायक और सांसद बनाने वाली मशीन ना बने, बिहार के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने वाली व्यवस्था बने।

1 करोड़ से ज्यादा लोग जन सुराज की नींव रखेंगे

जनसुराज अभियान के शुरुआत में ही कहा गया था कि बिहार में पिछले 20-25 सालों से विकल्प के अभाव में लोग भाजपा के डर में लालू और लालू के डर से भाजपा को देते रहे हैं, इसके लिए जरूरी है कि बिहार के लोग मिलकर एक बेहतरीन विकल्प बनाएं। 2 अक्टूबर को 1 करोड़ से ज्यादा लोग मिलकर इस दल की नींव रख रहे हैं। 2 तारीख को दल के नाम, संविधान, प्रावधान और नेतृत्व की औपचारिक घोषणा होगी। दल का नेता उसे बनाया जाएगा जिसे समाज ने चुना है। हमारी भूमिका इससे जुड़ी है कि सबसे बड़ी चुनौती क्या है। सबसे बड़ी चुनौती है समाज को बताना, समझाना कि आपने अनाज, मंदिर-मस्जिद के लिए वोट दिया, मोदी, लालू, नीतीश के लिए वोट दिया, अभी तक आपने अपने बच्चों के पढ़ाई और रोजगार के लिए वोट नहीं दिया। उन्हें यह समझाना कि आप अपने बच्चों के लिए वोट दें चाहे किसी को भी दें। यह यात्रा तब तक चलती रहेगी जब तक बिहार के लोग इसे समझ न जाए, इस परिकल्पना से जुड़ न जाएं। मैं जो काम पिछले 2 सालों से कर रहा हूं, वही काम आगे करूंगा।

संक्षिप्त समाचार

मनियारी में विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

मुजफ्फरपुर,एजेंसी। मनियारी थाना क्षेत्र के जमहरुआ गांव में प्रभात रंजन की पत्नी मिंकी कुमारी (26) की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। मामले को लेकर मिंकी के पिता मोतीपुर सेंदुआरी गंज सिंह निवासी मिश्रीलाल ठाकुर ने थाना में आवेदन दिया है, जिसमें दामाद प्रभात रंजन, सास उमा देवी, ससुर संजय ठाकुर, देवर सुभाष रंजन, ननद अनु कुमारी एवं प्रीति कुमारी को नामजद किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि पुत्री की शादी 26 अप्रैल 2023 को संजय ठाकुर के पुत्र प्रभात रंजन से कराई थी। शादी के दो महीने बाद बोलेरो की मांग करने लगे। असमर्थता जताने पर बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। सूचना पर ग्रामीणों के संग बेटी की सुसराल गए। वहां समझा-बुझा कर मामले को शांत कराने की कोशिश की गई, लेकिन वे लोग मानने को तैयार नहीं हुए। सोमवार सुबह करीब छह बजे सूचना मिली मिंकी कुमारी ने गले में फंदा लगा लिया है। थानाध्यक्ष देवव्रत कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

एमयू कुलपति से मिले पीएचडी के छात्र

गया,एजेंसी। प्री-पीएचडी 2021 का लिखित परीक्षा पास करने वाले छात्र जिनका कोर्स वर्क में नामांकन से अबतक नहीं हो सका है। सोमवार को कुलपति प्रो. एसपी शाही से मुलाकात कर नामांकन के लिए गुहार लगाया है। कुलपति ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि जल्द छात्रों की सूची जारी की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में राजेश कुमार, मिथिलेश कुमार, अजीत कुमार सिंह, चंद्रकांत कुमार, सौरभ कुमार व अन्य शामिल रहे।

डीसीएलआर ने की समीक्षा बैठक

हाजीपुर,एजेंसी। महनार डीसीएलआर कार्यालय में बैठक कर डीसीएलआर ने राजस्व विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा की। महनार अनुमंडल क्षेत्र के तीनों प्रखंडों के सीओ, अंचल निरीक्षक आदि के साथ अनुमंडल कार्यालय परिसर में स्थित डीसीएलआर कार्यालय में बैठक कर डीसीएलआर मेघा कश्यप ने अधिकारियों के साथ दाखिल खारिज, परिमार्जन, जमीन के खाता को आधार से लिंक करने पर एवं अभियान बसेरा दो के प्रगति की समीक्षा किया। इस दौरान डीसीएलआर ने अधिकारियों से कहा कि दाखिल खारिज के मामलों का त्वरित्य निष्पादन किया जाए। साथ ही परिमार्जन का भी जो मामला है। उसे सभी पर गंभीरता से कार्य किया जाए।

1000 रुपये में राशन कार्ड बनाने का फर्जीवाड़ा, अहियापुर में एफआईआर

मुजफ्फरपुर,एजेंसी। फर्जी ढंग से जिले में राशन कार्ड बनाने का गोरखधंधा चल रहा है। 1000 रुपये लेकर जिले में किसी भी प्रखंड का राशन कार्ड बना दिया जा रहा है। ऐसी ही एक शिकायत मिलने पर कांटी आपूर्ति निरीक्षक कुमार दीपक ने फर्जीवाड़े में शामिल शातिर का स्टिंग ऑपरेशन किया। उससे राशन कार्ड बनवाने के लिए कुमार दीपक मिले और उसकी ऑडियो व वीडियो रिकॉर्डिंग की। जिसके आधार पर अहियापुर थाने में राशन कार्ड बनाने के फर्जीवाड़ा से जुड़े मुस्ताफापुर गांव के मुन्ना कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। कुमार दीपक ने पुलिस को बताया है कि सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी कमलेश कुमार को फेसबुक पर मुस्ताफापुर का मुन्ना कुमार ने किसी भी प्रखंड में 1000 रुपये में राशन कार्ड बनाने का दावा करते हुए अपना प्रचार डाला था। उसने अपना मोबाइल नंबर भी दिया था। सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने इसका स्क्रीन शॉट भेजा और उक्त मोबाइल नंबर पर संपर्क कर हकीकत जानने का निर्देश दिया। इसके बाद उपभोक्ता बनकर राशन कार्ड बनवाने के लिए कॉल किया गया। उसने कार्ड बनाने या कार्ड में नाम जोड़ने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद प्रखंड आपूर्ति निरीक्षक मुस्ताफापुर में उसकी पूजा स्टेशनरी एवं जनरल स्टोर पर पहुंचे। यहां भी उन्होंने मोबाइल को रिकॉर्डिंग मोड में डालकर उससे बात की। इसके बाद उन्होंने अहियापुर पुलिस को मामले की सूचना दी और थाना में उसके खिलाफ राशन कार्ड फर्जीवाड़े को लेकर एफआईआर दर्ज कराई है।

युवक ने ऑनलाइन गेम की लत में किया सुसाइड 7 लाख रुपए गेम में हारा, 3 लाख का था कर्ज

नालंदा ,एजेंसी। नालंदा में रविवार को एक युवक ने ऑनलाइन जुआ और ब्राउन शुगर की लत में सुसाइड कर लिया। युवक पर 3 लाख रुपए का कर्ज था। 7 लाख रुपए वो ऑनलाइन जुआ में हार चुका था। इसी टेंशन और गेम की लत में उसने आत्महत्या कर ली। इस मामले में परिजन का कहना है कि अगर शराबबंदी नहीं होती तो उसे ब्राउन शुगर की लत नहीं लगती। परिजनों ने थाने में इसकी जानकारी नहीं दी है। मृतक की पहचान स्वर्ण व्यवसायी संतोष कुमार के बेटे गौरव कुमार(25) के रूप में की गई है।5 साल पहले गौरव ने पटना की लड़की से लव मैरिज की थी। इसे लेकर वो दिल्ली चला गया था। वहां, 3.5 साल तक पत्नी के साथ रहा। इसके बाद 1.5 साल पहले वो घर नालंदा लौटा। वहीं, पत्नी पटना में रहने लगी। स्थानीयों का कहना है कि गौरव के परिजन लड़की को पसंद नहीं करते थे, इसी वजह से वो पटना में रह रही थी।

दादा ने दुकान खोलने के लिए दी थी 6 लाख की पूंजी : गौरव के दादा देवेंद्र प्रसाद ने बताया कि दिल्ली से जब वो वापस नालंदा आया तो काम ढूंढने लगा। हमें इसकी जानकारी मिली तो हमने उसकी मदद की। उसे 6 लाख रुपए की पूंजी देकर लालगंज चण्डी के पास गणेश ज्वेलर्स नाम से शॉप खुलवाया। इसमें वो अपने पिता के साथ हर दिन जाया करता था। 1 साल तक सब कुछ ठीक रहा। अचानक उसकी दोस्ती गलत लोगों के साथ हो गई। इसकी वजह से वो ऑनलाइन जुआ खेलना सीख गया। इस कारण धीरे-धीरे वो शॉप बहुत कम जाने लगा। 3 महीने पहले उसे जुआ के साथ-साथ ब्राउन शुगर की भी लत लग गई। इसकी वजह से अक्सर वो अपने कमरे में बंद रहने लगा था। हमलोग शॉप जाने का कहते तो लड़ने लगता था। वो हर समय अपने मोबाइल में ऑनलाइन जुआ और ब्राउन शुगर लेने लगा था। जुआ में अब तक वो 7 लाख रुपए हार चुका था। करीब 3 लाख का उस पर कर्ज था। इसी सब की वजह से उसने अपना जीवन बर्बाद कर दिया।

शराबबंदी के कारण ब्राउन शुगर का बढ़ा कारोबार : गौरव के पिता संतोष कुमार ने बताया कि जब से शराबबंदी हुई है, तब से ब्राउन शुगर समेत अन्य नशे का कारोबार बढ़ गया है। 3 महीने पहले गौरव ने ब्राउन शुगर का सेवन करना शुरू किया था। जब भी वह नशे की हालत में घर आता था, तो उसका एक अलग ही रूप देखने को मिलता था। नशे की हालत में झगड़ा करना उसका हर दिन का काम हो गया था।

पत्नी नहीं रहती थी साथ : लव मैरिज शादी करने के बाद गौरव अपनी पत्नी को लेकर कभी घर नहीं आया था। हालांकि, इस बात की चर्चा है कि घर वाले गौरव की पत्नी को रखना नहीं चाह रहे थे। यही वजह थी कि गौरव जब दिल्ली से वापस आया था तो अक्सर वो अपनी पत्नी से फोन पर ही बात करता था। कभी-कभी पटना मिलने आ जाया करता था।

थाना से 100 मीटर दूर लगता है नशेड़ियों का जमावड़ा

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि थाना से 100 मीटर की दूरी पर खेल परिसर है। वहां पर बने सीढ़ियों के नीचे नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। हाल के दिनों में चण्डी क्षेत्र में ब्राउन शुगर और सुलेशन सूंघने वालों की संख्या बढ़ी है।

क्या बोले थाना अध्यक्ष

चण्डी थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि अभी तक परिजनों ने आवेदन नहीं दिया है। प्रथम दृष्ट्या जांच में यह बात सामने आई है कि युवक ने लव मैरिज शादी की थी। वह अपनी पत्नी के साथ नहीं रह रहा था। जहां तक खेल मैदान के अंदर नशीले पदार्थों के रैपर मिलने का मामला है, तो उन्हें इस बात का पता नहीं है। पुलिस लगातार नशा के खिलाफ अभियान चला रही है। आवेदन मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

चिराग बोले, पप्पू यादव ने दल से उठकर राजनीत की:दिवंगत पिता को दी श्रद्धांजलि

पूर्णिया,एजेंसी। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के पिता का 17 सितंबर को निधन हो गया था। शहर के रंगभूमि मैदान में 29 सितंबर को प्रार्थना सभा हुआ था। इसमें झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन समेत कई बड़े राजनीतिक चेहरे शरीक हुए। वहीं, सोमवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सांसद पप्पू यादव से मिलने पूर्णिया पहुंचे। सांसद पप्पू यादव से गले मिलकर उन्हें सांत्वना दी। सांसद के पिता को श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और सांसद पप्पू यादव के बीच करीब 45 मिनट तक बातचीत हुई। इस दौरान पप्पू यादव ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से पिता से जुड़ी बचपन की यादें साझा की। सांसद से मुलाकात के बाद चिराग पासवान ने कहा कि जिस तरीके से सांसद पप्पू यादव के यह दुखद घटना घटी। इससे मैं बेहद मर्माहत हूं। पप्पू यादव के साथ मेरे पुराने और पारिवारिक संबंध रहे हैं। पप्पू यादव ऐसे नेताओं में रहे हैं, जिन्होंने हमेशा से दलगत राजनीत से ऊपर उठकर राजनीति की।

पप्पू यादव ने हमेशा से व्यक्तिगत रिश्तों को निभाया : चिराग ने कहा कि पप्पू यादव ने हमेशा से व्यक्तिगत रिश्तों को निभाने का काम किया है। मैं उनकी भावना को बेहतर समझ सकता हूं। पिता का साया जब सिर से उठता है, तो हमेशा के लिए खालीपन रह जाता है। ऐसे में आज पूर्णिया आना और गले मिलना न सिर्फ उस अहसास का आदान-प्रदान है। बल्कि गले मिलकर दोनों ने एक दूसरे के दूखों को बांटा है। मुझे कल ही आना था, लेकिन थोड़ी सी कंफ्यूजन के कारण मैं नहीं आ सका। आज लंबी दूरी तय कर में पटना से पूर्णिया आया हूं। यहां मैं अपनों के बीच अपनों का दुख बांटने आया हूं। बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को लेकर उन्होंने कहा कि हमेशा से फूड प्रोसेसिंग का जिक्र किया है। अक्सर ऐसे मुद्दे उठाते रहे। उसी की का नतीजा रहा कि मुझे इसी से संबंधित विभाग का कार्य करने के लिए दिया गया है। सीमांचल ही नहीं पूरे बिहार के लिए कोई ऐसी बड़ी योजनाएं हैं जिन्हें जल्द धरातल पर उतरते देखा जा सकेगा।

एआईएसएफ के सम्मेलन में कमेटी का हुआ चुनाव

हाजीपुर,एजेंसी। प्रखंड के चांद सराय गांव स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में एआईएसएफ के अंचल परिषद के छात्र सेमिनार सह सम्मेलन का आयोजन किया गया। अध्यक्षता दर्शन कुमार व संचालन कमेटी के सचिव विकास कुशवाहा ने किया। सम्मेलन के प्रारंभ में शहीद-ए-आज़म वीर भगत सिंह के जयंती पर उनके चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर वक्ताओं ने संगठन का गौरवशाली इतिहास पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि एआईएसएफ भारत का पहला छात्र संगठन है। जिस आजादी के आंदोलन में भाग लेने का गौरव प्राप्त है। सम्मेलन के प्रतिनिधि सत्र में सर्वसम्मति से विद्यानंद कुशवाहा को सचिव दर्शन कुमार को अध्यक्ष निशा कुमारी एवं शिशु कुमारी को उपाध्यक्ष सोनाली कुमारी एवं सूरज कुमार को संयुक्त सचिव एवं भरत कुमार को कोषाध्यक्ष बनाया गया। मौके पर एआईएसएफ के राज्य उपाध्यक्ष मोहित पासवान, जिलाध्यक्ष प्रकाश कुमार, उत्तम ठाकुर, प्रो अमीय कुमार सिंह, आनंद कुमार चौधरी, प्रमोद कुमार चौधरी, राजकिशोर कुमार आदि उपस्थित थे।

कट्टा लेकर स्कूल पहुंच गया 9वीं का छात्र, पकड़े जाने पर पुलिस को चमका देकर फरार, अब हो रही तलाश

गया,एजेंसी। गया जिले के शेरघाटी के चेरकीडीह हाई स्कूल में सोमवार को नौंवीं कक्षा का एक छात्र स्कूल में देसी कट्टा लेकर पहुंच गया। इस दौरान छात्र से कट्टा छीनकर क्लास के दूसरे बच्चों और स्थानीय लोगों ने पुलिस के सुपुर्द कर दिया था। हालांकि छात्र पुलिस व ग्रामीणों को चकमा देकर भागने में सफल रहा। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शेरघाटी के थानेदार अजीत कुमार ने बताया कि चेरकीडीह हाईस्कूल में नौंवी कक्षा के एक छात्र के पास से देसी कट्टा मिलने की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने हथियार और आवेदन पुलिस को दिया है। पुलिस के पहुंचने के पूर्व बच्चा वहां से भाग गया था। विद्यालय के वर्ग शिक्षक प्रभाकर कुमार ने बताया कि जब वह बच्चों को क्लासरूम में पढ़ा रहे थे, उसी समय गांव के कुछ लड़के हल्ला करते हुए क्लास रूम में घुस गए और बच्चे को उसके बैग के साथ लेकर बाहर चले गए। बाद में स्कूल के बाहर बताया गया कि बच्चे के बैग में कट्टा रखा था। ग्रामीणों ने खुद पुलिस को फोन कर बताया और उसे उनके हवाले कर दिया। विद्यालय के हेडमास्टर ट्रेनिंग के लिए पटना गए हुए थे। इधर शेरघाटी के बीआरपी अभय कुमार ने बताया कि चेरकीडीह हाइ स्कूल में ही सीआरसी केंद्र भी है। वहां छात्रों की परीक्षा का मूल्यांकन चल रहा था। जब वह विद्यालय पहुंचे तो ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी और पुलिस भी मौजूद थी। यह पता नहीं चला कि बच्चे के बैग से देसी कट्टा क्लास रूम के भीतर या स्कूल के बाहर मिला। बता दें कि बिहार में पिछले दो महीने के भीतर छोटे बच्चे द्वारा स्कूल में हथियार लेकर आने की यह दूसरी घटना है। इससे पूर्व गत 31 जुलाई को सुपौल के त्रिवेणीगंज के एक स्कूल में छह साल के बच्चे के पास मौजूद पिस्तौल से गोली चलने के कारण तीसरी कक्षा का एक छात्र घायल हो गया था।

गया में 8 देशों से पहुंचा विदेशी पिंडदानियों का समूह, बेदियों पर पिंड चढ़ाकर की पूर्वजों की मुक्ति की प्रार्थना

वाराणसी होते पहुंचे अलग-अलग देशों के 12 तीर्थयात्री

गया,एजेंसी। पितरों के महाकुंभ में पूर्वजों का पिंडदान करने के लिए 8 देशों से विदेशी पिंडदानियों का एक समूह सोमवार की सुबह श्री विष्णुपद स्थित देवघाट के फल्गु तट पर पहुंचा। करीब 12 की संख्या में विदेशी पिंडदानियों ने एक दिनी (फल्गु, विष्णुपद व अक्षयवट वेदी) का श्राद्ध किया। कर्मकांड पूरा करने के बाद पिंड को संबंधित बेदियों पर चढ़ा कर पूर्वजों की मुक्ति के लिए प्रार्थना की। विदेशी तीर्थयात्री भगवान शिव की नगरी वाराणसी से होते हुए भगवान विष्णु की नगरी मोक्ष धाम गयाजी में आए हैं। विदेश से कुल 12 की संख्या में तीर्थ यात्री गयाजी आए हैं।

डीएम ने विदेशी श्रद्धालु का किया स्वागत

विदेशी तीर्थ यात्रियों के समूह में रूस, रसिया, उज्बेकिस्तान, नाइजेरिया, जर्मनी, घाना और अफ्रीका के लोग हैं। सभी ने अपने पुरखों का पिंडदान किया। खास बात यह भी कि सभी विदेशी श्रद्धालु का स्वागत डीएम डॉ. त्यागराजन ने संवाद सदन कार्यालय में किया। इस मौके पर जिला प्रशासन की ओर से उन्हें गंगा जल भेंट किया।

अलग-अलग देशों से आ रहे विदेशी

दास ने बताया कि इस बार 8 देशों से विदेशी पिंडदानी पूर्वजों का श्राद्ध के लिए गयाजी आए है। देवघाट पर ही इन सभी ने तीनों प्रमुख वेदियों पर श्राद्ध किया, साथ ही मोक्षदायिनी फल्गु में तर्पण कर पितरों के मोक्ष की कामना की। उन्होंने बताया कि सभी विदेशी अलग-अलग देशों के रहने वाले है। इसमें रसिया, यूक्रेन, उज्जबेकिस्तान, नाइजेरिया, जर्मनी, धाना और अफ्रीका शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश के साथ-साथ विदेशों में भी पितृपक्ष मेला प्रसिद्ध है। कई विदेशों सनातन संस्कृति से जुड़े है।

बुनकर संघ पिंडदानियों को उचित दर पर उपलब्ध करा रहा वस्त्र

पितृपक्ष महासंगम-2024 के अवसर पर सीताकुंड में पूर्वजों के मोक्ष की कामना लेकर तर्पण और पिंडदान करने बड़ी संख्या में पिंडदानी पहुंच रहे हैं। तीर्थयात्रियों के लिए बुनकर संघ लागत मूल्य पर जय श्री विष्णु गया जी धाम टी-शर्ट, विष्णुधाम प्रिंटेड लेडीज स्टॉल, खादी गमछा, लुंगी, चादर उपलब्ध करा रहा है। तीर्थयात्री और स्थानीय नागरिक बुनकर संघ के स्टॉल से खरीदारी कर रहे हैं। बुनकर संघ के शिविर की सराहना कर रहे हैं। विभिन्न राज्यों से आने वाले पिंडदानियों और गयावासियों ने टी-शर्ट को बेहतर बताया है। अतिथि देवो भव: के तर्ज पर बुनकर संघ ने उचित दर पर स्थानीय स्वदेशी वस्त्र उपलब्ध कराने का सेवा कार्य जारी है। बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ के अध्यक्ष गोपाल प्रसाद पटवा, शिविर प्रभारी प्रकाश राम पटवा, मनोज कुमार और रमेश कुमार सुबह से ही से ही पिंडदानियों को वस्त्र उपलब्ध कराने में जुटे हैं।

विचार-मंथन

संपादकीय

भारत का समर्थन

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के प्रति समर्थन का भाव फिर उभरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां के बाद अब ब्रिटिश प्रधानमंत्री केर स्टार्मर ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया है। ध्यान रहे, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 70वें सत्र को संबोधित करते हुए स्टार्मर ने विस्तार का पक्ष लिया। फिलहाल सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य हैं- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस। इसके अलावा दस गैर-स्थायी सदस्य दो-दो साल के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं। गैर-स्थायी सदस्य कोई भी देश बन सकता है, उसकी तय प्रक्रिया है, पर किसी देश को स्थायी सदस्य बनाने की कोई तय पद्धति नहीं है। वीटो शक्ति प्राप्त देश दूसरे देशों से मजबूत स्थिति में होते हैं। हालांकि, वीटो की शक्ति ने दुनिया का फायदा कम और नुकसान ही ज्यादा किया है। आज के समय में वीटो किसी भी बड़े निर्णय में बाधक के रूप में सामने आता है। खासकर, अगर वीटो ताकत वाला कोई देश मनमानी पर उतर आए, तो वह संयुक्त राष्ट्र को पंगु बना सकता है। आज दुनिया देख रही है कि संयुक्त राष्ट्र की कारगरता सिमटती चली जा रही है, क्योंकि वीटो प्राप्त कुछ देशों में साम्राज्यवादी मानसिकता का ज्वार आया हुआ है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में उचित ही कहा है कि हम परिषद में अफ्रीका, ब्राजील, भारत, जापान और जर्मनी को स्थायी सदस्य के रूप में देखना चाहते हैं। हालांकि, यह एक बड़ा सवाल है कि ऐसा कैसे होगा? भारत की सदस्यता को वीटो शक्ति प्राप्त पांच में से चार देशों का समर्थन समय-समय पर मिला है, लेकिन यहां चीन कूटनीतिक चुप्पी साध लेता है। एशिया में अकेले उसके पास ही वीटो शक्ति है और वह नहीं चाहता कि भारत या जापान जैसे प्रतिकूल रुख रखने वाले देश बराबरी पर आ खड़े हों। वैसे भी, चीन जब पड़ोसी देशों पर साम्राज्यवादी निगाह रखे हुए है, तब उसे समझाना कठिन है। इस कठिन कार्य को अंजाम तक पहुंचाने के लिए अंततः वीटो शक्ति संपन्न देशों को ही आगे आना होगा। अगर ये देश संयुक्त राष्ट्र में सुधार के लिए पहल नहीं करेंगे, तो दुनिया की यह सिरमौर संस्था अपनी आभा खोती चली जाएगी। यह आज के समय में एक दुखद तथ्य है कि जहां चीन चुप्पी साधे हुए है।

दिल्ली में बच्चों की सुरक्षा पर संकट

राजधानी दिल्ली में एक नाबालिग किशोर के साथ हुई बर्बरता यही दर्शाती है कि कम उम्र के बच्चों के लिए खतरा और बढ़ता जा रहा है। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में रहने वाले चार लोगों ने बंदूक की नोक पर सत्रह वर्ष के एक बच्चे को न केवल बुरी तरह मारा-पीटा, घसीटा, जूते चाटने पर मजबूर किया, बल्कि उसे परेशान और अपमानित करने के लिए उसका यौन उत्पीड़न भी किया और इस सबका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। अंदाजा लगाया जा सकता है कि किशोर से ऐसा बर्ताव करने वाले आरोपी किस कदर घृणा और विकृति से भरे हुए होंगे। आरोपियों के भीतर न केवल कानून का खौफ नहीं था, बल्कि वे इस बात को लेकर भी बेफिक्र थे कि जब कानून के हाथ उन तक पहुंचेंगे तब उन्हें क्या सजा मिल सकती है। सही है कि आपराधिक घटनाएं पहले भी होती रही हैं। मगर आपराधिक मानस वालों के और ज्यादा विकृत होते जाने की क्या वजहें हो सकती हैं और अपराधियों के निशाने पर अब कम उम्र के बच्चे ज्यादा क्यों आने लगे हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय से अपराधों की बदलती प्रकृति और उसमें निशाने पर बच्चों का आना गंभीर चिंता की बात है। आए दिन ऐसी वारदात सामने आ रही हैं, जिसमें या तो किसी बच्चे की हत्या कर दी गई या फिर उसे बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। जो लोग पहले से ही अपराध की दुनिया में होते हैं, उनके लिए कमजोर होने के नाते बच्चे आसान शिकार होते हैं, वहीं आसपास बदलते माहौल, अपराध और अश्लील सामग्री तक बेलगाम पहुंच की वजह से कई बार सहज जीवन जीते कुछ लोग भी विकृति का शिकार होकर बच्चों को निशाना बनाते हैं। हाल ही में हाथरस में एक स्कूल के संचालक ने महज अपने स्कूल की तरक्की के लिए अंधविश्वास में आकर एक बच्चे की बलि देनी चाही और बच्चे के शोर मचा देने पर उसकी गला दबा कर हत्या कर दी। यानी चौतरफा बनती परिस्थितियों में बच्चों के जीवन के सामने खतरा बढ़ रहा है। अगर समय रहते नीतिगत और जमीनी स्तर पर ठोस पहलकदमी नहीं हुई, तो भविष्य के समाज और उसमें बच्चों की स्थिति की बस कल्पना भर की जा सकती है।

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

(प्रह्लाद सबनानी)

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिट्यूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। 'एशिया पावर इंडेक्स 2024' नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है। उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर 'क्वाड' के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हमास युद्ध के समय भी भारत दोनों देशों के साथ युद्ध समाप्त करने की चर्चा करने में अपने आप को सहज एवं सक्षम पाता है। आपस में युद्ध करने वाले दोनों देश भारत की सलाह को गम्भीरता से सुनते नजर आते हैं। भारत ने कभी भी विभिन्न देशों के आंतरिक स्थितियों पर अपनी विपरीत राय व्यक्त नहीं की है और न ही कभी उनके आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप किया है। इस दृष्टि से वैश्विक पटल पर भारत की यह विशिष्ट पहचान एवं स्थिति है।

दक्षिण एशिया के देशों में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है इसलिए भारत का पूरा ध्यान इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम कर अपने प्रभाव को बढ़ाना है। इसी मुख्य कारण से शायद भारत दक्षिण एशिया के देशों पर अधिक ध्यान देता दिखाई दे रहा है। जिसका आशय उक्त प्रतिवेदन में यह लिया गया है कि विश्व के अन्य देशों को सहायता करने की भारत की क्षमता तो अधिक है।

10 साल में मेक इन इंडिया से क्या मिला

(संदीप वेम्पति)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दशक पहले 25 सितंबर 2014 को 'मेक इन इंडिया' को लॉन्च किया था। इस पहल का उद्देश्य था भारत को ग्लोबल डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग हब में बदलना। इसके लिए सरकार ने कई सुधार किए, कई नीतियां और योजनाएं लागू कीं। बिजनेस को आसान बनाने के लिए मंजूरी से जुड़े नियमों को आसान बनाया गया, जीएसटी और आईबीसी जैसे सुधार किए गए। नीतियों के स्तर पर कॉरपोरेट टैक्स की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22प्रतिशत (सरचार्ज और सेस छोड़कर) कर दिया गया। साथ ही, पूंजीगत व्यय को बढ़ाया गया, पीएम गति शक्ति और नैशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी जैसी योजनाएं शुरू की गईं। नई योजनाएं- मार्च 2024 तक सीमित समय के लिए कॉरपोरेट टैक्स रेट को घटाकर 15 प्रतिशत (सरचार्ज और सेस छोड़कर) कर दिया गया था। ऐसा कुछ नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए किया गया था। भारत की निर्माण क्षमता और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए साल 2020 में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) की शुरुआत हुई। साल 2014 के बाद जो मुक्त व्यापार समझौते हुए, उनके प्रमुख उद्देश्यों में से एक मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना है। नए औद्योगिक शहरों के विकास के लिए नैशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर प्रोग्राम लॉन्च किया गया। एमएसएमई पर ध्यान दिया गया। मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा- मेक इन इंडिया पर फोकस से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ा है। साल 2013-14 में जो ग्रास वेल्यू एडेड 17.13 लाख करोड़ रुपये था, वह 2023-24 में 38.19 लाख करोड़ रुपये हो गया। 2013-14 में रोजगार का डेटा 5.49 करोड़ था, जो 2022-23 में 6.31 करोड़ हो गया। एफडीआई और माल निर्यात में भी बढ़ोत्तरी हुई है। 2004 से 2014 के बीच प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 97.7 बिलियन डॉलर था और 2014 से 2024 के बीच यह 165.1 बिलियन डॉलर पहुंच गया। मर्चेनडिस एक्सपोर्ट 2013-14 में 314.4 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 437.06 बिलियन डॉलर हो गया। इसके अलावा, वैश्विक वस्तु निर्यात में भारत की हिस्सेदारी वित्तीय वर्ष 2024 में 1.8 प्रतिशत हो गई, जबकि 2016-20 के दौरान यह औसतन 1.7 प्रतिशत थी। आयातक से निर्यातक-पीएलआई से 1.28 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ। इससे 8.5 लाख लोगों को रोजगार मिला और 10.8 लाख करोड़ का उत्पादन हुआ। देश का निर्यात चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बढ़ा। भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग वित्तीय वर्ष 2017 में 48 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023 में 101 बिलियन डॉलर हो गई। इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात वित्तीय वर्ष 2018 में 6.4 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 29.1 बिलियन डॉलर हो गया। कुल निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक सामानों की हिस्सेदारी 2.13 प्रति. से बढ़कर 6.72 प्रति. हो गई। भारत के रक्षा उत्पादन में 217 प्रति. से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली। वित्तीय वर्ष 2014 में 0.4 लाख करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में यह 1.27 लाख करोड़ हो गया। रक्षा क्षेत्र में भारत अब आयातक से निर्यातक बन गया है और 90 से ज्यादा देशों को अपने रक्षा उत्पाद एक्सपोर्ट कर रहा है। सेमीकंडक्टर पर फोकस- खिलौनों, वैक्सीन और रेल कोच का निर्यात भी बढ़ा है। आगे अब देश का सेमीकंडक्टर मिशन भारत में बनी चिप के निर्यात का रास्ता खोलेगा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में यह ग्रोथ इसलिए खास है, क्योंकि दुनिया कम आर्थिक विकास और युद्ध जैसे मसलों से जूझ रही। यह कहना होगा कि मेक इन इंडिया के तहत जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं, उनके बारे में एक दशक पहले तक सोचा भी नहीं जा सकता था। अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने इस पर और ध्यान दिया है। 2024 के बजट में एफडीआई को आसान बनाने और विदेशी कंपनियों पर कॉरपोरेट टैक्स रेट को कम करने की घोषणा हुई है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5509

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5508

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5509

संकेत: बाएं से दाएं
1. महाराजा जयसिंह द्वितीय ने इस शहर की स्थापना 1727 के दिन की (4)
4. जो, अगर (2)
6. कमरा (अंग्रेजी)(2)
7. फिल्म बरसात से अपना सरगमी सफर शुरू करने वाली संगीतकार जोड़ी में से एक (निधन 12 सितंबर 1971)(5)
10. दस्तावेज लिखित, तहरीरी (3)
12. वर्जित, निषिद्ध, जो रोका गया हो (2)
13. प्राचीनकाल में मगध देश का राजा जो दो खंडों में उत्पन्न हुआ था (4)
16. अंकुशी (3)
17. घोड़े कीपीठ पर रखने की गद्दी (2)
18. गीत, तराना (उर्दू) (3)
19. प्रस्थिति, प्रेषिति (3)
20. रिक्त, खाली (2)
22. जल, आब, नीर (2)
23. स्वतंत्र, आजाद, उन्मुक्त (2)
24. नैन, चक्षु, आंख (3)

ऊपर से नीचे
1. आवश्यकता, इच्छा (4)
2. एक अर्थालंकार जिसमें एक हीशब्द अनेक बार आकर उसके भिन्न-भिन्न अर्थ देता है (3)
3. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
5. सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक का समय, दिवस (2)
8. जुड़वा, अश्विनी कुमार (3)
9. तट, तीर, साहिल (3)
11. ट्रेजिडी क्वीन कहलाने वाली इस अभिनेत्री की अंतिम फिल्मों में से एक पाकीजा थी (5)
14. लक्ष्मण को जीवित करने के लिए हनुमान इस औषधि को लेकर आए थे, जीवन मूरी (4)
15. धन की इच्छा या कामना, राजा कृतवीर्य के पिता का नाम (3)
16. शरीर का अवयव, पक्ष (2)
18. प्रांत प्रशासक (उर्दू) (3)
19. कहा जाता है इस देश के साम्राज्य की स्थापना 6603 ई.पू.में सम्राट जिम्मू ने की थी (3)
21. संगीत में स्वरों का कलापूर्ण विस्तार (2)

वर्ग पहेली 5508 का हल

शै	ता	फा	रि	या		क	ल
ड	ल		स	म	का	लि	क
र		ला	वा		ल		क
	अ	प	ना		का	र	ल
ग	ज	र		मौ		वि	
र		वा	द	न		शं	का
ज	वा	ह	र			क	म
ना	त		मा		ता	र	ना

आज का राशिफल

मेष
आज आर्थिक मामलों में तकदीर आपका साथ देगी। स्थापित कारोबार का विस्तार होगा। त्रिपक्षीय साझेदारी करने की स्थिति बनेगी, लेकिन निजी संबंधों के मामले में त्रिपक्षीय रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित होगा आपको संसाधन जुटाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सशक्त करना चाहिए तभी रुतबा बरकरार रख सकेंगे।

वृष
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा। लोगों की भावनाएं भी जागृत होंगी। दोपहर तक आर्थिक संकोच भी खत्म होंगे परन्तु कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। हर बात का दोहरा अर्थ निकलता है, सावधान रहें। ऑफिस में किसी से ऐसी बात न करें जो कि आपके खिलाफ जाएं।

मिथुन
आज कारोबार की स्थिति भी सुधरती जा रही है। किसी बड़े अधिकारी के वरदहस्त होने से नौकरी में भी आपकी स्थिति मजबूत है। विरोधियों और आलोचना करने वालों के दिल में अभी गुबार भरा हुआ है। आपकी योजनाएं सफल होंगी और रुके कार्य पूर्ण होने से आपको खुशी होगी।

तुला
आज लाभ का दिन है। अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और यह याद रखें कि कुछ कर दिखाने के लिए ज्यादा तामझाम की जरूरत नहीं होती। आज न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ता है जो औरों के लिए असुविधाजनक होता है। आपके सुख समृद्धि में वृद्धि होगी और योजनाएं सफल होंगी। आपके सुख में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
आज दिन सम्मान से भरा होगा। अपने चहेतों का भला करने में पीछे नहीं रहते हैं। इसका लाभ वे चापलूस भी उठा लेते हैं जो वास्तव में पीछे जाकर आपकी बुराई करते हैं। ऐसे ही लोगों में आज आपका समय व्यतीत होगा। मित्रों से चर्चा होगी और आपकी सुख समृद्धि में वृद्धि होगी। आपके रुके कार्य पूर्ण होने से आपके धन में वृद्धि होने से खुशी होगी।

धनु
आज दिन काफी सावधानी से भरा होगा। सुबह से ही कुछ प्रतिकूल समय आपके लिए चल रहा है। आज ही आपको सेहत से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं। दिन के पहले हिस्से में डॉक्टर आदि से मिलना बेहतर रहेगा उसके बाद आप अपने रूटीन काम करें। आपके सुख में वृद्धि होगी। आपकी सुख समृद्धि में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क
आज लाभ होगा और आपकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी। आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपका दिन तरक्की से भरा होगा। अच्छे गणमान्यजनों से मेल मुलाकात होगी और किसी बड़े लाभ की आशा में दिन सार्थक नजर आएगा। प्रियजनों की तरफ से भी अच्छी खबरें मिलेंगी और किसी धार्मिक कार्य के लिए योजना बनाते वक्त आपकी सलाह ली जाएगी।

सिंह
आज कार्यक्षेत्र में लाभ होगा और आपका दिन प्रसन्नता में बीतेगा। कार्यक्षेत्र में आने जाने और सभी कार्यों को समय पर निबटाने का दौर चल रहा है। इस बीच कुछ अपने ही लोग आपकी चिन्ता भी बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी प्रेम प्रणय के जाल में उलझे हैं तो उसका फैसला भी जल्दी करें। आपका दिन लाभ से भरा होगा और आपकी रुकी हुई योजनाएं सफल होंगी।

कन्या
आज दिन काफी भागदौड़ वाला रहेगा। दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ आपके सामने लटके रहेंगे। जहां तक हो सके इनमें महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर लेना। दोपहर बाद फिर समय ठीक नहीं है। बनते काम में रुकावटें आ सकती हैं।

मकर
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई अनुबंध और पढ़ाई करने के बारे में सोच सकते हैं। दिन के समय आपको जरूरी कार्य करने के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। बाकी और कामों के लिए भी अपराह्न तक अच्छा गोचर चल रहा है। आपके कारोबार में योजनाएं सफल होंगी।

कुंभ
आज दिन लाभ से भरा होगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण हों जाएंगे। कई दिनों से आप किसी छोटे मोटे काम के बिगड़ जाने से आश्चर्यचकित हैं। हो सकता है आज आपके इस काम में सुधार हो जाए। फिर भी किसी व्यर्थ की डर या आशंका से आपका मन अशांत रह सकता है। दोपहर बाद कुछ भागदौड़ करने से छिटपुट लाभ हो सकते हैं।

मीन
आज करियर के मामले में लाभ होगा। कोई काम आपकी सोच के विपरीत हो जाते हैं। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं वहीं धोखा दे जाता है। कुछ ऐसी ही घटना आज भी होगी। बाकी का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक दिन है। मनसंताप कम होंगे और किसी अच्छे समाचार मिलने से निराशा भी खत्म होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, थाना-रातू, जिला-रांची (झारखंड) में मुद्रित एवं 204, निर्मला इन्कलेव अपार्टमेंट, रानी बागान, बरियातु, रांची (झारखंड) से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी में सियार का आतंक: हमले में दो लोग घायल

ग्रामीणों ने लाठी-डंडे से पीटकर सियार को मार डाला

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले के चौबेपुर क्षेत्र के रामपुर (चंद्रावती) गांव में मंगलवार की रात में सियार ने आतंक मचाया। उसने दो लोगों पर हमला कर घायल कर दिया। इस दौरान मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने सियार को लाठी- डंडे से पीट- पीटकर मार डाला।

यह है पूरा मामला

गांव में एक सियार ने घर के पास सो रहे राकेश राम व मुलायम राम पर हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर राकेश राम की पत्नी किरन ने बचाव के लिए आवाज लगाई। इस पर गांव के लोग मौके पर लाठी डंडा लेकर पहुंचे और सियार को पीट पीटकर मार गिराया। घायल की पत्नी किरन की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरपतपुर भेजा गया।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे वन विभाग के कर्मचारी सियार को ले गए। गंगा नदी के किनारे बसे रामपुर गांव में जंगली जानवरों का आना जाना प्राय: लगा रहता है। ऐसे में लोगों में दहशत का माहौल है।

क्या बोले अधिकारी- वन रेंजर संजय कुमार ने बताया कि सियार का पोस्टमार्टम कर उसे दफना दिया गया। वन जीव अधिनियम की तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जो भी लोग दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पापी पिता

सोते समय बड़े बेटे को चाकू से गोदा, खून से लथपथ लाश देख दहल गए लोगों के दिल

कासगंज , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कासगंज में एक पिता अपने ही बेटे का हत्या बन गया। बीती रीत चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इसमें उसके छोटे भाई ने भी पिता का साथ दिया। घटना से घर में रोना बिलखना शुरू हो गया। खबर फैली तो गांव के लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घटना अमांपुर थाना क्षेत्र के नगला भवानी गांव की है। गांव निवासी अजय पाल (30) की पिता रामबाबू से कमरे में सोने को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद बेटा छत पर सोने के लिए चला गया। आधी रात पिता नशे में धुत होकर छत पर पहुंचा। उसने बेटे के पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। चाकू के वार पड़ते ही उसकी चीख निकल गई। पत्नी सरिता ने बताया कि विवाद के बाद वह पति अजय के साथ छत पर सोने चली गई। देर रात पिता छत पर चाकू लेकर आया। उसे गाली-गलौज करने लगा। कहा कि जान से मार देंगे। सास मुन्नी देवी, उन्हें समझकर नीचे ले आई। कुछ देर बाद वह दोबारा देवर रिंकू को साथ लेकर छत पर आ गया। वह शराब के नशे में था, हाथ में चाकू लिए था। ससुर रामबाबू ने चाकू पति अजय के पेट में घोंप दिया। इससे वह खून से लथपथ हो गया। कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया। यह देख उसकी चीख निकल गई। चीख सुनकर परिजन व आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े। लोगों को आता देख दोनों आरोपी मौके से भाग गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जानकारी होने पर फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्षय संकलित किए। सहावर सीओ शाहिदा नसरीन व एएसपी राजेश भारती भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना के बारे में मृतक की पत्नी व ग्रामीणों से बातचीत करके जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक की पत्नी ने थाने में नामजद तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पिता और छोटे बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एएसपी राजेश भारती ने बताया कि कमरे में सोने को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हो गया था। इसको लेकर पिता ने चाकू मारकर बेटे की हत्या कर दी है। मृतक की पत्नी की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी की दर्ज की गई है।

वार्ता विफल, थाने पर डटे किसान

गन्ना समिति चुनाव में धांधली की सीएम से की शिकायत

मेरठ , एजेंसी। मेरठ में मोहिद्दीनपुर गन्ना समिति के चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर भारतीय किसान यूनियन का परतापुर थाने पर धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहा। शाम को डीएम से किसान प्रतिनिधिमंडल की वार्ता विफल रही। दोपहर में भाकियू के युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत ने पहुंचकर किसानों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह अन्याय के विरुद्ध न्याय की लड़ाई है। न्याय मिलने तक लड़ाई जारी रहेगी। आज पांचवे दिन भी भाकियू कार्यकर्ता और किसान परतापुर थाने पर ही डटे हुए हैं। सोमवार को किसानों के बीच पहुंचे गौरव टिकैत ने कहा कि ये किसान का ही चुनाव रहने दिया जाए। इसमें छेड़छाड़ पर आंदोलन होगा। हम किसी प्रत्याशी के न विरोध में हैं और न ही समर्थन में। प्रदेश के मुख्यमंत्री की शानदार छवि है। कुछ लोग छवि को बदनाम करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि किसान की आवाज मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाए। जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने किसानों से इस संघर्ष को अंतिम क्षण तक ले जाने का आह्वान किया। अध्यक्षता मेजर चिंदोड़ी और संचालन हर्ष चहल ने किया। शाम को महिलाएं भी पहुंचीं। शाम को छह सदस्य प्रतिनिधि मंडल एडीएम सिटी के निमंत्रण पर जिलाधिकारी दीपक मीणा से मिलने कार्यालय पर गया। प्रतिनिधि मंडल में मेजर चिंदोड़ी, हर्ष चहल, सनी प्रधान, वीरेंद्र सरूरपुर, मोनू चौधरी, हरेंद्र सिंह शामिल रहे। डीएम ने धरना उठाने को कहा। प्रतिनिधिमंडल ने पर्चे बहाल करने या चुनाव निरस्त हो की मांग रखी, जिस पर डीएम ने इसे शासन से अवगत कराने की बात कही। जिसे किसानों ने नहीं माना।

जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने बताया कि वार्ता विफल रही, धरना जारी रहेगा। उधर, प्रशासन ने धरनास्थल पर पीएसी तैनात कर दी है। सोमवार को एडीएम सिटी बृजेश सिंह, एसडीएम सदर कमल किशोर देश भूषण कंडारकर, एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह, सीओ किठौर प्रमोद कुमार कई थानों की फोर्स के साथ मौजूद रहे।

थाने में ही जल रही भट्ठी

परतापुर थाने में धरनास्थल पर ही किसानों की भट्ठी जल रही है। सुबह का नाश्ता, दोपहर का खाना किसानों ने धरनास्थल पर ही खाया। दोपहर में छोले -चावल और शाम को आलू-पूड़ी बनाई गई।

बाबा विजयपाल घोपला का स्वास्थ्य गिरा : धरनास्थल पर भूख हड़ताल पर बैठे बाबा विजयपाल घोपला के स्वास्थ्य की सोमवार को डॉक्टरों ने जांच की। उनके स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है। चौथे दिन अरुण नरंगपुर ने भी बाबा विजयपाल के साथ भूख हड़ताल की घोषणा कर आमरण अनशन शुरू कर दिया है।

गन्ना विकास समिति के चुनाव में 50 फीसदी नामांकन वापस : जिले की छह सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड के चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सोमवार को सामान्य निकाय गठन के लिए हो रहे डेलीगेट चुनाव में पचास फीसदी नाम वापस हो गए। इसी के साथ अब 50 फीसदी डेलीगेट का निर्विरोध निर्वाचित होना तय माना जा रहा है। बाकी पचास फीसदी सीटों के लिए 3 अक्तूबर को चुनाव होगा। इसके लिए प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए गए हैं। अभी तक छह सहकारी समिति के 1211 डेलीगेट पदों के लिए 1683 वैद्य नामांकन बचे थे। सोमवार को नाम वापसी के दिन जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार करीब 50 फीसदी सीटों पर नामाकंन वापसी हो गई। ऐसे में इन सीटों पर डेलीगेट का निर्विरोध निर्वाचित होना निश्चित हो गया है। बाकी सीटों पर तीन अक्तूबर को चुनाव होगा। अधिकारियों का कहना है कि मलियाना गन्ना समिति में 222 डेलीगेट निर्विरोध हो गए। वहीं मोहिउद्दीनपुर गन्ना समिति में 143 पदों के सापेक्ष केवल चार गांवों में ही 8 पदों के लिए चुनाव होगा। इसमें निर्वाचन क्षेत्र काजमाबाद गून के गांव ढिंढाला में 2 पदों पर चुनाव होना है। यहां 504 वोट हैं, जिनमें चार प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है।

सीएम को भेजी शिकायत : जनपद की गन्ना समिति मोहिउद्दीनपुर के चुनाव में हुई धांधली को लेकर समिति के पूर्व अध्यक्ष अजय नेहरा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायत भेजी है। सीएम और मुख्य सचिव से उच्च स्तरीय जांच करा कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई है।

बड़ा खुलासा: यूपी में 10 हजार बिजली मीटर मिले घटिया

कंपनी का भुगतान रोका, काली सूची में डालने की तैयारी

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में करीब 10952 बिजली मीटर घटिया मिले हैं। मीटर लगाने वाली कंपनी का भुगतान रोक दिया गया है। उसे काली सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नियमानुसार सालभर में एक फीसदी मीटर खराब होने की आशंका रहती है, जबकि यहां 4.86 फीसदी मीटर खराब पाए गए हैं। अब पूरे प्रदेश में नए सिरे से बिजली मीटरों की जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले पश्चिमांचल में घटिया किस्म की केबिल पकड़ी गई थी। उत्तर प्रदेश में करीब 3.45 करोड़ बिजली उपभोक्ता हैं। नया कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं के घरों में मीटर संबंधित विद्युत वितरण निगम द्वारा मीटर लगाया जाता है। वर्ष 2023 में लिंकवेल टेलीसिस्टम प्राइवेट लिमिटेड ने दक्षिणांचल में तीन अनुबंध के जरिए 2.25 लाख और मध्यांचल में एक लाख साधारण मीटर की आपूर्ति की गई। इस दौरान सालभर के अंदर ही दक्षिणांचल में 10952 मीटर खराब मिले। मीटरों में डिस्प्ले न होना, मीटर रीडिंग उपकरणों में गड़बड़ी सहित कई तरह की अनियमितता पाई गई है। ऐसे में दक्षिणांचल ने संबंधित कंपनी का भुगतान रोक दिया है। कंपनी की प्रतिभूति राशि जब्त करने और उसे काली सूची में डालने के लिए अंतिम नोटिस भी जारी कर दी गई है। दूसरी तरफ मध्यांचल सहित पूरे प्रदेश में मीटरों की नए सिरे से जांच शुरू कर दी गई है। जांच शुरू होते ही पूरे प्रदेश में हलचल मची हुई है।

क्या है नियम

किसी भी कंपनी की ओर से लगने वाले मीटर में एक साल के अंतर एक फीसदी की खराबी पर संबंधित कंपनी को मुफ्त में मीटरों को बदलना पड़ता है। तीन साल के अंदर डेढ़ फीसदी की खराबी पर एक साल के लिए कंपनी को काली सूची में डाला जाता है। पांच साल के अंदर दो फीसदी की खराबी पर कंपनी को दो साल के लिए काली सूची में डालने और उसकी जमानत राशि जब्त करने का नियम है। दक्षिणांचल में पकड़ सालभर के अंदर के ही 4.86 फीसदी मीटर गड़बड़ मिले हैं।

काली सूची में डाली जा चुकी हैं कंपनियां

गोवा में स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता को लेकर काली सूची (ब्लैक लिस्टेड) में डाली गई एचपीएल को उत्तर प्रदेश में भी काली सूची में डाल दिया गया है, जबकि जीनस को काली सूची में डालने की तैयारी है। इन दोनों कंपनियों ने प्रदेश के विभिन्न विद्युत वितरण निगमों में स्मार्ट मीटर लगाने का टेंडर हासिल किया है। उत्तर प्रदेश में करीब 27 हजार करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। इसमें पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम ने मेसर्स जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को करीब 7200 करोड़ की लागत से स्मार्ट मीटर लगाने का काम दिया है। इसी तरह दो अन्य कंपनियों ने टेंडर हासिल करके मीटर लगाने का काम (सबलेट) एचपीएल इलेक्ट्रिक पावर लिमिटेड को दिया गया है। इसी तरह पश्चिमांचल में माहभर पहले विभागीय जांच में घटिया केबिल पकड़ी गई थी। इस केबिल के लगने से न सिर्फ शार्ट सर्किट की आशंका बनी रहती बल्कि किसी भी वक्त बड़ा हादसा भी हो सकता था।

भाजपा के सदस्यता अभियान के दौरान मारपीट

ब्लॉक प्रमुख के भांजे की आंख में गहरी चोट

बरेली , एजेंसी। बरेली के बिथरी चैनपुर ब्लॉक परिसर में लगाए गए भाजपा के सदस्यता शिविर में ब्लॉक प्रमुख बृजेश कुमारी के पति हरेंद्र पटेल के सामने उनके भांजे सौरभ पटेल और अहलादपुर के प्रधान के भतीजे में जमकर मारपीट हो गई। दो बार हुए विवाद में सौरभ पटेल की आंख में गहरी चोट आई है। रिपोर्ट लिखकर पुलिस ने प्रधान समेत पांच लोगों को हिरासत में ले लिया। सोमवार दोपहर ब्लॉक कार्यालय में ही एक ओर शिविर लगाकर वहां पहुंच रहे लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई जा रही थी। हरेंद्र पटेल वहीं बैठे थे। तभी ब्लॉक प्रमुख के चचेरे भाई पंकज पटेल ने वहां आए प्रधान सियाराम साहू के भतीजे सोनू साहू से भाजपा की सदस्यता लेने के लिए कहा। इसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई।

गाली देने के विरोध पर हुई मारपीट

पंकज का आरोप है कि सोनू उन्हें गाली देने लगा। मना करने पर मारपीट करने लगा। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस दोनों को प्रमुख के कार्यालय में ले गई। वहां दोनों पक्षों में बहस होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान सोनू के चाचा प्रधान सियाराम, भतीजे अजय पटेल, भांजे सौरभ पटेल, प्यारेलाल व 15 अन्य लोग आ गए और गाली-गलौज करने लगे।

ब्लॉक प्रमुख के भांजे सौरभ पटेल ने विरोध किया तो सभी ने उस पर हमला कर दिया और उसे उठाकर पटक दिया। मुंह पर लात-घूंसे मारे। सौरभ की आंख भी हमले में जख्मी हो गई। जब तक पुलिस व अन्य लोगों ने सौरभ को बचाया, तब तक उसे काफी चोट आ चुकी थी। सूचना पर इंस्पेक्टर आदेश कुमार फोर्स के साथ पहुंच गए। उन्होंने प्रधान सियाराम व सोनू साहू समेत पांच लोगों को हिरासत में ले लिया।

सियाराम बोले- मेरे भतीजे को पीटा, मेरा मोबाइल फोन भी छीन लिया

मारपीट के मामले में अहलादपुर गांव के प्रधान सियाराम साहू ने बताया कि उनका भतीजा सोनू शौचालय संबंधी सूची जमा करने ब्लॉक में गया था। सौरभ पटेल आदि ने उस पर भाजपा की सदस्यता लेने का दबाव बनाया। उसने कहा कि वह सूची जमा करने के बाद सदस्यता ले लेगा। तब इन लोगों ने उसे पीटा। वह उसे बचाने गए तो इन लोगों ने उनसे भी मारपीट की।

घर में न घुस जाए मगरमच्छ...बना दिया पहरेदार

टॉर्च लेकर रातभर पहरा दे रहे ग्रामीण

गोरखपुर , एजेंसी। जगतबेला के टिकरिया गांव के लोग मगरमच्छ को लेकर सोमवार को भी दहशत में रहे। रविवार की रात ग्रामीणों ने जाग कर गुजारी। मगरमच्छ कहीं घर में न घुस जाए, इस डर से वह रातभर टॉर्च और लाठी लेकर पहरा देते रहे। दूसरे दिन भी शाम तक वन विभाग की टीम को मगरमच्छ को रेस्क्यू करने में सफलता नहीं मिली। ग्रामीणों का कहना है कि मगरमच्छ रविवार की रात करीब 10 बजे पानी से बाहर आया था। पोखरे से निकलकर वह सड़क पर आ गया, लेकिन फिर कुछ ही समय में वह दोबारा पानी में चला गया। इसके बाद सोमवार को सुबह पोखरे में देखा गया। सोमवार को सुबह वन विभाग की ओर से टीम में शामिल लोगों की संख्या बढ़ाई गई, ताकि मगरमच्छ को जल्द से जल्द रेस्क्यू किया जा सके। साथ में पुलिस भी मौजूद थी। बच्चों और महिलाओं में दहशत रही। पोखरे के आसपास के घरों में महिलाएं बच्चों को लेकर घर में थीं और दरवाजा बंद था। टिकरिया गांव के पूरब और कौड़िया-कालेसर फोरलेन के सर्विस लेन के बगल में स्थित पोखरे में इस समय पानी भरा है। रविवार को सुबह पांच बजे के करीब पोखरे में मगरमच्छ को देखा गया। इसके बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने डायल 112 और वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद से ही उसको पकड़ने के लिए मशक्कत शुरू हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, मगरमच्छ करीब सात से आठ फीट का है। करीब 48 घंटे बीत जाने के बाद भी मगरमच्छ को रेस्क्यू नहीं किया जा सका। डीएफओ विकास यादव ने बताया कि मगरमच्छ को रेस्क्यू करने के लिए टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही उसे रेस्क्यू कर लिया जाएगा।

रातभर जगे रहे गांव के पुरुष

टिकरिया गांव में मगरमच्छ की दहशत इतनी हो गई है कि रविवार की रात सभी घरों से पुरुष पहरा देते रहे। महिलाओं और बच्चों को घर के अंदर कर दरवाजा बंद कर दिया गया। महिलाएं भी चैन की नींद नहीं सो पाईं। खासतौर पर उन घरों में जो पोखरे के पास में हैं। कुछ तो अपना मकान छोड़कर दूसरे के घर चले गए। सुबह होते ही भारी भीड़ फिर से पोखरे के पास इकट्ठा हो गई।

खतरा भांप हमलावर हो जाते हैं मगरमच्छ..पोखरे से दूरी बनाएं ग्रामीण

चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि मगरमच्छ एक शिकारी जानवर है और इसका स्वभाव बहुत ही खतरनाक और आक्रामक होता है। मगरमच्छ अक्सर एकांत में रहना पसंद करते हैं। यह अपने इलाके, अंडों या बच्चों की रक्षा करने के लिए हमला करता है। भोजन की तलाश में कई बार यह इंसानों को अपना शिकार समझ लेता है। आमतौर पर यह मछली या अन्य जलीय जीवों को खाकर अपना पेट भरते हैं। जब मगरमच्छ को लगता है कि वह खतरे में है या उसे धमकी महसूस होती है तो वह हमलावर हो सकता है। ऐसे में ग्रामीण पोखरे से दूरी बनाकर रखें। इससे उसे रेस्क्यू करने में भी आसानी होगी।

रेस्क्यू में परेशानी बन रही भीड़

गांव में मगरमच्छ की सूचना के बाद से ही पोखरे के पास ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद है। रविवार को सैकड़ों लोग खड़े होकर तमाशा देखते रहे। सोमवार को भी सुबह से ही वहां भीड़ मौजूद थी। मगरमच्छ जब भी दिखाई देता तो भीड़ शोर मचाना शुरू कर देती। शोर सुनकर वह दोबारा पानी में घुस जाता।

छात्र की पिटाई से नाराज ग्रामीणों ने शिक्षक के खिलाफ स्कूल पर किया हंगामा

पुलिस तक पहुंचा केस

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में सेवापुरी/आराजी लाइन विकासखंड के ग्राम पंचायत हरसोस में स्थित कंपोजिट विद्यालय के अध्यापक एक छात्र की पिटाई की। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह विद्यालय पर जमकर हंगामा किया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस से ग्रामीणों का कहना था कि अध्यापक को यहां से स्थानांतरित किया जाए और पिटाई से घायल बच्चे का इलाज कराया जाए।

यह है मामला- लकी गोंड पुत्र राजेश गोंड निवासी हरसोस कंपोजिट विद्यालय में कक्षा 8 का छात्र है। सोमवार को पठन-पाठन के दौरान अध्यापक यशवर्धन त्रिपाठी द्वारा कबड्डी का खेल कराया जा रहा था। छात्र का आरोप है कि खेल के दौरान गुरुजी के सिर की चोटी हमसे छू गई थी, जिससे नाराज होकर गुरुजी ने पिटाई कर दी। छात्र ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। मंगलवार की सुबह स्कूल खुलते ही सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण विद्यालय पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। ग्रामीणों का आरोप था कि अध्यापक यशवर्धन त्रिपाठी का स्थानांतरण किया जाए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को किसी तरह शांत कराया। इस मामले में खंड शिक्षा अधिकारी आराजी लाइन शशिकांत श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में विद्यालय के प्रधानाध्यापक से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के आधार पर जांच कराई जाएगी। यदि दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

प्रियदर्शन ने 14 साल बाद अक्षय के साथ सहयोग को बताया चैलेंजिंग

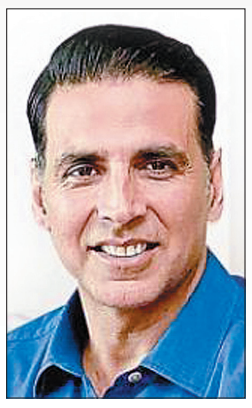

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में 14 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अपने पुनर्मिलन की घोषणा की। अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी ने हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला के लिए टीम बनाई है। उनके सहयोग ने सिनेप्रेमियों को काफी उत्साहित कर दिया है और वे इसका इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अक्षय के साथ हेरा फेरी, भूल भुलैया, भागम भाग, दे दना दन और गरम मसाला जैसी फिल्मों में काम कर चुके प्रियदर्शन ने कहा कि वे 14 साल बाद एक साथ आए हैं और अपनी तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं, लेकिन दर्शकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। आईफा अवार्ड्स 2024 के ग्रीन कार्पेट पर अपनी हालिया उपस्थिति के दौरान, प्रियदर्शन ने 14 साल बाद अक्षय के साथ फिर से जुड़ने के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह दर्शकों की उम्मीदों को प्रबंधित नहीं कर सकते। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने उनके साथ जो भी फिल्म बनाई वह सुपरहिट रही है। लोग कहते हैं कि अक्षय कॉमेडी करते हैं इसका कारण आप हैं, लेकिन मैं उन सब चीजों पर विश्वास नहीं करता। प्रियदर्शन ने आगे कहा, मैंने जो किया वह (स्क्रीन पर) उनकी हास्य की भावना का फायदा उठाना था। हम 14 साल बाद काम कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि चीजें काम करेंगी। यह एक चुनौती है। हम दर्शकों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खा सकते लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं।

अक्षय किस तरह के अभिनेता हैं, इस बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि अमिताभ बच्चन के बाद अक्षय ऐसे अभिनेता हैं जो समर्पित हैं और समय पर काम करते हैं। प्रियदर्शन ने भूल भुलैया के पहले भाग का निर्देशन किया था जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन ने अभिनय किया था। भूल भुलैया 3 की आगामी रिलीज पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रियदर्शन ने कहा कि अनीस बज्मी ने भूल भुलैया के दूसरे भाग के साथ अच्छा काम किया था और उन्हें लगता है कि वह तीसरे भाग के साथ भी ऐसा ही करेंगे। प्रियदर्शन भूल भुलैया के सीक्वल भागों का निर्देशन करने के लिए वापस नहीं लौटे क्योंकि फिल्म निर्माता अपनी फिल्मों के सीक्वल का निर्देशन करने में विश्वास नहीं करते हैं।

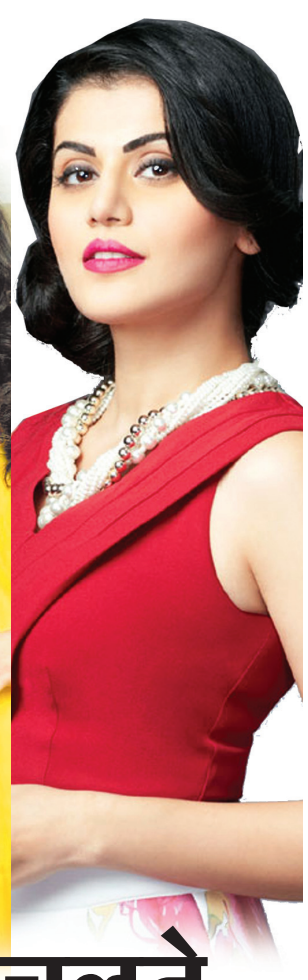

नेपोटिज्म के चलते कई फिल्मों से हाथ धो बैठे ये सितारे

बॉलीवुड इंडस्ट्री में तमाम कलाकारों ने नेपोटिज्म का सामना किया है। दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद इस विषय पर हर उस कलाकार ने बात की थी, जो इसका शिकार हुए हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई खानदान वर्षों से राज करते हुए आए हैं। ऐसे में इंडस्ट्री के बाहर के सितारों को अपनी जगह बनाने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

रकुल प्रीत सिंह

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह का। रकुल ने हाल ही में नेपोटिज्म के बारे में बात की। रकुल ने यह खुलासा किया कि स्टारकिड्स के चलते उनके हाथों से भी कई फिल्में छीन ली गई हैं। हालांकि, रकुल इस बात से उदास नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि भले ही फिल्में नहीं मिलीं, लेकिन इससे उनके मन में कड़वाहट पैदा नहीं होती, बल्कि वह सोचती हैं कि ये फिल्में उनके लिए नहीं थीं।

प्रियंका चोपड़ा

इस लिस्ट में अगला नाम आता है प्रियंका चोपड़ा का। बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय कर चुकी अभिनेत्री नेपोटिज्म और इंडस्ट्री में हो रही गंदी राजनीति पर खुलकर बात कर चुकी हैं। अभिनेत्री के लिए हॉलीवुड का रुख करने का कारण नेपोटिज्म भी था। दरअसल, बॉलीवुड में उन्हें नेपोटिज्म का शिकार होना पड़ा था। उन्होंने बताया कि किस तरह से बॉलीवुड में उन्हें अलग थलग कर दिया था। उन्हें निर्देशक और निर्माताओं ने फिल्मों में काम देना बंद कर दिया था, जिसके चलते वह काफी परेशान हो गई थीं।

तापसी पन्नू

इस लिस्ट में अगला नाम आता है अभिनेत्री तापसी पन्नू का। साउथ इंडस्ट्री में अभिनय का दम दिखाने के बाद तापसी आज बॉलीवुड में भी राज कर रही हैं। हालांकि, उन्हें भी अपने करियर के दौरान नेपोटिज्म का शिकार होना पड़ा है। एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने बताया था कि उन्हें रातों-रात एक फिल्म से बाहर कर दिया गया था। इस फिल्म में बाद में एक स्टार किड को कास्ट किया गया था।

कृति सेनन

बॉलीवुड की हॉट अभिनेत्री कृति सेनन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। कृति अब बॉलीवुड में अपने कदम जमा चुकी हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने हाल ही में अपना प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स भी लॉन्च किया है। कृति ने बॉलीवुड में फिल्म हीरोपंती से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने इंडस्ट्री में तमाम फिल्मों में काम किया है।

सुशांत सिंह राजपूत

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत एक बेहतरीन अभिनेता थे। उन्होंने अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाई थी। हालांकि, इस दौरान उन्होंने नेपोटिज्म का कई बार सामना किया था। कई बार सीधे तौर पर अभिनेता ने इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें नेपोटिज्म का सामना करना पड़ा है। कई बार उनके हाथ से अच्छी फिल्में निकल गई हैं। उनकी मौत के बाद इंडस्ट्री में नेपोटिज्म के मुद्दे ने तूल पकड़ लिया था, जिसके बाद तमाम सेलेब्स ने इंडस्ट्री में हो रहे भेदभाव का खुलासा किया था।

राजकुमार राव

राजकुमार राव आज बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता माने जाते हैं। उन्होंने अपनी नेचुरल एक्टिंग से करोड़ों दर्शकों का दिल जीता। हालांकि, करियर के शुरुआत में उन्हें अपनी पहचान और नाम बनाने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान वह कई बार नेपोटिज्म का भी शिकार हुए और कई फिल्मों से बाहर निकाले गए।

आईफा उत्सवम में अवार्ड पाने वाली मृणाल ठाकुर ने कहा, यह मेरी पूरी टीम की जीत है

हाय नन्ना, लस्ट स्टोरीज 2, सीता रामम और कई अन्य फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर आईफा उत्सवम में पुरस्कार जीतने पर बेहद खुश हैं। अभिनेत्री ने हिट फिल्म 'हाय नन्ना' में यशना की भूमिका के लिए आईफा में ट्रॉफी जीती है। मृणाल ने कहा, मैं इस अवॉर्ड के लिए बहुत आभारी हूं। मेरे लिए यशना की भूमिका निभाना वास्तव में एक खास अनुभव था, जिसने मुझे प्यार और भावना की गहराई के बारे में जानने का मौका दिया। मैं अपनी इस सफलता का सारा श्रेय अपने निर्देशक, प्रतिभाशाली सह-कलाकारों और पूरी टीम को देती हूं। यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है। यह हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल है।

उन्होंने आगे कहा, मैं इस सफर को जारी रखते हुए दर्शकों के साथ और भी बेहतर कहानियां शेयर करने के लिए तैयार हूं। यह मेरा पहला आईफा अवार्ड है। इस अवॉर्ड को रानी मैम और ऐश्वर्या मैम जैसे कलाकारों के साथ शेयर करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मृणाल के दिल को छू लेने वाले अभिनय ने उनके प्रशंसकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है। जटिल किरदारों में अच्छे से फिट होने की उनकी क्षमता ने उन्हें इंडस्ट्री की खास अभिनेत्रियों में से एक बना दिया है। मृणाल की आने वाली फिल्मों पर एक नजर डाले तो वह बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के साथ अपकमिंग फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। उनके पास 'पूजा मेरी जान' और वरुण धवन के साथ डेविड धवन की एक कॉमेडी फिल्म भी पाइपलाइन में है।

आयरनमैन ट्रायथलॉन से लौट कर सैयामी ने हैदराबाद में शुरू की फिल्म की शूटिंग

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर ने सनी देओल के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। वह हाल ही में आयरनमैन ट्रायथलॉन में भाग लेकर जर्मनी से लौटी हैं। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हो पाया है। फिल्म में वह सनी देओल के साथ नजर आएंगी। सैयामी खेल के प्रति अपने जुनून और अपने काम के बीच संतुलन बना रही हैं। काम पर वापसी के बारे में बात करते हुए सैयामी ने कहा, आयरन मैन 70.3 को पूरा करना मेरा लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में बताया, इस रेस में भाग लेकर अब मैं तरोताजा महसूस कर रही हूं और अब मैं उसी ऊर्जा को सेट पर वापस ला रही हूं। सनी सर के साथ काम करना विशेष अनुभव प्राप्त करने जैसा है। मैं हैदराबाद में टीम के साथ इस यात्रा को जारी रखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। सैयामी को हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्म पर स्ट्रीमिंग हुई मूवी 'शर्माजी की बेटी' में देखा गया था। इस फिल्म में वह साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता, परवीन डबास और शारिब हाशमी के साथ नजर आई थीं। यह फिल्म 28 जून, 2024 को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।

मैंने उनके लेवल को भी नहीं छुआ है, आलिया से तुलना किए जाने पर बोलीं अनन्या

अनन्या पांडे अपनी नई फिल्म कंट्रोल को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री जोरो-शोरों से इस फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। अनन्या की यह फिल्म एआई पर बनी है, अब हाल ही में अनन्या से आलिया को लेकर एक सवाल पूछा गया, जिसके जवाब को लेकर उनकी खूब सहाना हो रही है। फिल्मीज्ञान के साथ एक साक्षात्कार में अनन्या ने पूछा गया कि लोग उनकी आलिया के साथ तुलना करते हैं, इस पर वह क्या सोचती हैं। इसके जवाब में अनन्या ने कहा कि यह एक बड़ा कॉम्प्लीमेंट हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता है कि मैंने आज तक वह लेवल भी छुआ है, जो आलिया ने आज तक किया है। अनन्या के इस जवाब की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

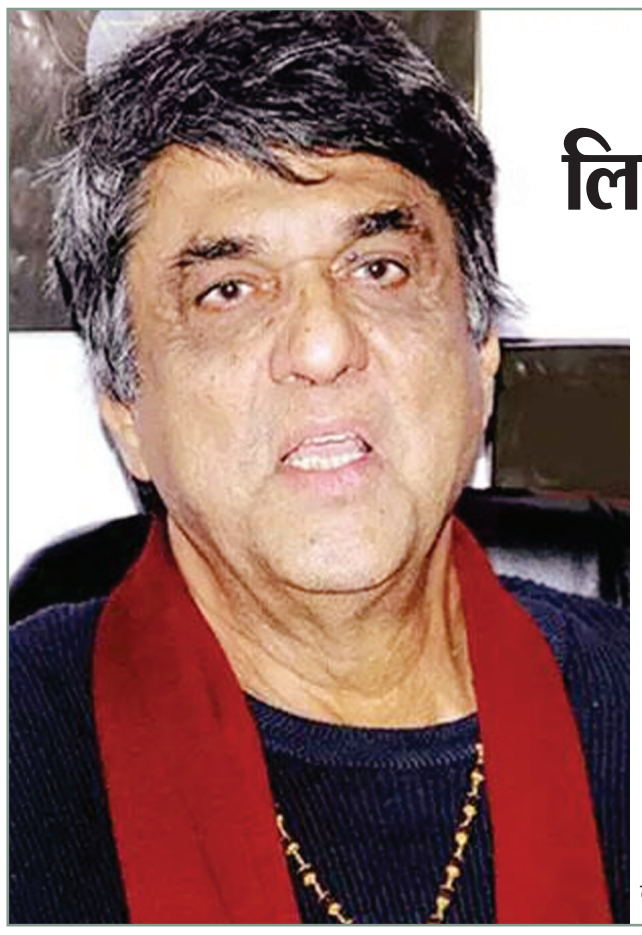

शक्तिमान की कास्टिंग के लिए तीन घंटे तक मुकेश खन्ना को मनाते रहे रणवीर सिंह

अभिनेता मुकेश खन्ना अपने बेबाक बयानों को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अभिनेता शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश नहीं करते हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि फिल्म में शक्तिमान का किरदार रणवीर सिंह निभाएंगे, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर को इस किरदार में कास्ट करने को लेकर भड़क गए थे और इस खबर का पूरी तरह से खंडन भी कर दिया था। अब अभिनेता ने बताया है कि रणवीर सिंह ने उन्हें शक्तिमान की कास्टिंग स्वीकार करने के लिए तीन घंटे तक मनाया था। हालांकि, इसके बाद भी वह नहीं माने थे।

शक्तिमान का रोल करना चाहते थे रणवीर सिंह

रणवीर सिंह को शक्तिमान के रूप में कास्ट किए जाने पर सोशल मीडिया पर अपनी असहमति जताने के बाद मुकेश खन्ना ने अब बताया है कि रणवीर ने उन्हें कास्टिंग स्वीकार करने के लिए मनाने के लिए पर्सनली उनसे मुलाकात की थी। हालांकि, मुकेश ने रणवीर को साफ बता दिया था कि शक्तिमान के किरदार के लिए अभिनेता में जो क्वालिटी होनी चाहिए, वह रणवीर सिंह में नहीं थी। अब हाल ही में बॉलीवुड ठिकाना से बात करते हुए मुकेश ने कहा, अब लोगों को पता चल गया है कि रणवीर सिंह मुझे शक्तिमान की भूमिका निभाने के लिए मनाने आए थे। मैं इसे छिपा भी नहीं सकता क्योंकि बाद में लोगों ने कहा कि मैंने रणवीर की तारीफ की और उन्हें एक बेहतरीन अभिनेता कहा। रणवीर के शक्तिमान की भूमिका निभाने की पुष्टि होने की खबरें आने लगीं, लेकिन मैंने इसके लिए हामी नहीं भरी थी।

मुकेश खन्ना ने नहीं दी मंजूरी

अभिनेता ने आगे कहा, मेरा सोनी के साथ भी टकराव है और मैंने एक वीडियो डालकर बताया था कि मैंने रणवीर को भूमिका निभाने की मंजूरी नहीं दी है और इसका कारण यह है कि...रणवीर उस दिन मेरे सामने तीन घंटे तक बैठा रहा, लेकिन आखिरकार मुझे उन्हें बताना पड़ा कि उसके चेहरे पर जो दिखना चाहिए था, वह नहीं था। वह चंचल लग रहा है, जैसे कोई दूसरों को धोखा दे सकता है। लेकिन वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं। जब मैंने उनकी तारीफ की तो मैंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में उसके जैसी एनर्जी किसी और में नहीं है, लेकिन मैंने उन्हें इस भूमिका के लिए मंजूरी नहीं दी। उन्हें बुरा लगा होगा। हालांकि, इंडस्ट्री में यह निर्माता ही होता है जो अभिनेता को कास्ट करता है, न कि कोई और। वह फोटोशूट एक बहुत बड़ी वजह थी, जिसकी वजह से मैं खफा था। जब मैंने वह फोटोशूट देखा, तो मैंने कहा, क्या कर रहा है यार।

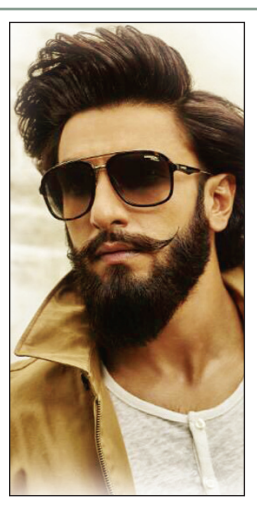

जब तक निकाह नहीं होगा, अपना रिलेशनशिप पब्लिक नहीं करेंगी सना

सना सुल्तान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 के बाद से सना काफी लाइमलाइट में रहती हैं। अब हाल ही में एक साक्षात्कार में सना से उनकी लव लाइफ के बारे में पूछा गया। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि शादी से पहले वह अपने रिलेशनशिप का खुलासा नहीं करेंगी। अभिनेत्री ने आगे हिंट देते हुए कहा कि वह किसी के साथ रिश्ते में तो हैं, लेकिन वह इस इंडस्ट्री से नहीं है। इसके साथ ही सना ने बताया कि आज कल रिश्ते ज्यादा इसलिए टूटते हैं क्योंकि जो चीज लोगों को बाद में करनी वह पहले ही कर लेते हैं।

आश्चर्यजनक खूबसूरती से घिरी है याना गुफाएं

आकर्षक और सुंदर पर्यटक स्थलों के मामले में भारत का कोई तोड़ नहीं है, यह बात यहां मौजूद जगह खुद सिद्ध करती है। यहां के हर राज्य के कोने में कोई ना कोई प्रसिद्ध और खूबसूरत जगह मौजूद है, जो पर्यटकों के बीच बड़ी प्रसिद्ध है। कर्नाटक भारत का एक खूबसूरत राज्य है जहां पर्यटन के लिहाज से एक नहीं बल्कि कई डेस्टिनेशन है। आज हम आपको यहां की एक बहुत ही प्रसिद्ध और खूबसूरत जगह के बारे में बताते हैं।

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ क्षेत्र में पश्चिमी घाट की खूबसूरत पर्वत श्रृंखला में मौजूद कुछ अद्भुत और अचरज से भरी रॉक संरचनाओं के बारे में बताते हैं। कुमटा के जंगलों के बीच याना गुफाओं की ये अद्भुत संरचना मौजूद है, जो किसी को भी हैरान कर सकती है।

याना गुफाओं में देखने लायक जगह

याना की ये मनोरम गुफाएं हरियाली की गोद में जंगल के बीचोंबीच मौजूद है। इन गुफाओं तक पहुंचने के रास्ते में मनमोहक सा जंगल है। यहां 700 मीटर से ज्यादा हिस्से में फॉरेस्ट ट्रेकिंग के बाद 3 किलोमीटर के दायरे में लाइमस्टोन चट्टाने मौजूद है। ये जगह ट्रैकिंग, जंगल सफारी, झरने, अद्भुत प्राकृतिक संरचना और अपने स्वयंभू शिवलिंग के लिए पहचानी जाती है। ये जगह भारत का दूसरा और कर्नाटक का पहला सबसे स्वच्छ गांव है।

यहां है स्वयंभू शिवलिंग

इस पहाड़ी गुफा में भगवान शिव का एक स्वयंभू शिवलिंग मौजूद है। इस शिवलिंग का अभिषेक नेचुरल तरीके से होता है, जो हैरान करने वाला है। स्थानीय लोगों के बीच ये शिवलिंग गंगोद्भव महादेव के नाम से प्रसिद्ध है। यहां पर देवी दुर्गा की चंडिका अवतार की कांस्य की मूर्ति भी है।

ये है टूरिस्ट अट्रैक्शन

याना गुफा से 10 किमी की दूरी पर विभूति वॉटरफॉल मौजूद है। 30 फीट की ऊंचाई से ये झरना 3 से 4 स्टेप में बहता है। यहां पर स्विमिंग का आनंद लिया जा सकता है।प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफर्स के लिए ये जगह बिल्कुल बेस्ट है।

कैसे पहुंचे याना रॉक्स

इस शानदार जगह पर पहुंचने के लिए बेंगलुरु, पणजी, मुंबई, मंगलोर, हुबली से सड़क मार्ग के जरिए जाया जा सकता है। अगर आप रेल मार्ग के जरिए यहां जाना चाहते हैं तो सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन हुबली है। यहां से याना रॉक्स की दूरी 141 किलोमीटर है। सबसे नजदीकी एयरपोर्ट भी हुबली ही है, जिसकी दूरी 174 किमी है।

बोलिविया में सालर डि उयूनी दुनिया का सबसे बड़ा नमक का मैदान है। यह समुद्र तल से 3,656 मीटर ऊंचाई पर एंडीज पठार के 10,500 वर्ग किलोमीटर में फैला है। साथ ही यह बोलिविया का सबसे लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है।

दुनिया का सबसे बड़ा नमक का मैदान सालार दे उयूनी यहां हैं अजीबोगरीब झीलें

दुनिया भर से पर्यटक यहां के विशाल सफेद मैदान को देखने आते हैं। सफेद मैदान के बीच ज्वालामुखीय चट्टानें छोटे द्वीपों की तरह दिखती हैं, मानो सफेद कैनवास पर काले बिंदु हों। इनमें सबसे मशहूर है क्वेशुआ में इंका का घर या इंकाहाउसी। इंका सभ्यता के लोग नमक के मैदान को पार करते समय अस्थायी रूप से यहां शरण लेते थे। 40 मीटर तक ऊंची इन चट्टानों के आसपास प्रवाल जैसी दुर्लभ संरचनाएं और समुद्री सीपों के जीवाश्म दिखते हैं। ये प्रागैतिहासिक झील (मिनचिन झील) के आखिरी अवशेष हैं। वह विशाल झील 20 हजार से लेकर 40 हजार साल पहले तक सूख गई थी। इंकाहाउसी पर हजारों कैक्टस (ट्राइकोसेरस पासाकाना) धीरे-धीरे आसमान की ओर बढ़ते हैं। ये खूबसूरत पौधे साल में केवल एक या दो सेंटीमीटर बढ़ते हैं। इनकी ऊंचाई 10 मीटर और जीवन 300 साल तक का हो सकता है।

नमक के मैदान लगभग पूरी तरह समतल हैं। किसी एक जगह से दूसरी जगह की ऊंचाई में एक मीटर से ज्यादा का अंतर नहीं है। बारिश होने पर या पास की झील से पानी का बहाव होने पर यह इलाका एक विशाल झील में तब्दील हो जाता है। इसी वजह से सालर डि उयूनी घूमने का सबसे सही समय बारिश के मौसम (दिसंबर से मार्च या अप्रैल तक) के ठीक बाद का है। इस दौरान नमक के मैदान के ऊपर पानी की पतली परत उसे एक विशाल आईने में बदल देती है, जिसमें बादल चलते हुए दिखते हैं।

बोलिविया की नेशनल सर्विस ऑफ प्रोटेक्टेड एरियाज के विशेषज्ञों के मुताबिक, सालर डि उयूनी को आकार देने वाली भूमिगत शक्तियों ने दक्षिण-पश्चिमी बोलिविया को बहुत प्रभावित किया है। सालर डि उयूनी से 300 किलोमीटर से भी कम दूरी पर दक्षिण में एडुआर्डो एवारोआ नेशनल एंडियन वाइल्डलाइफ रिजर्व है। यहां कई भू-तापीय विशेषताएं दिखती हैं, जैसे सोल डि मनाना गीजर बेसिन। यह देश के सबसे विविधतापूर्ण भू-क्षेत्रों में से एक है। सोल डि मनाना गीजर की तरह है। कीचड़ से भरे गड्ढों में हमेशा बुलबुले उठते हैं जिनसे सल्फर गैस बाहर निकलती रहती है। सुबह होते ही यहां के गर्म पानी के प्राकृतिक झरनों को देखने के लिए गाड़ियों के काफिले आते हैं। यहां की सुबह बहुत ठंडी होती है। हवा और धरती के अंदर से निकलने वाली गैसों के तापमान में बहुत ज्यादा अंतर होता है। यह भू-तापीय गतिविधि सबसे ज्यादा सुबह ही दिखती है। गर्म गैसों का विस्फोट 100 मीटर ऊपर तक जा सकता है।

लैगूना कोलोराडो, बोलीविया

सोल डि मनाना से केवल 45 किलोमीटर दूर वन्यजीव अभयारण्य के अंदर ही लगभग 4,300 मीटर की ऊंचाई पर लैगूना कोलोराडो (लाल झील) है। नमक की यह झील एक मीटर से भी कम गहरी है और यह अपने लाल रंग के पानी के लिए जानी जाती है। खनिजों से समृद्ध झील का यह रंग कई भूमिगत गर्म झरनों के कारण है जो झील का तापमान बढ़ाते रहते हैं। इस तापमान में डुनालिएला सैलीना शैवाल भी बढ़ते हैं। इस शैवाल का लाल पिगमेंट, जूप्लैंकटन (जीव-अवशेष) और फाइटोप्लैंकटन (पादप-अवशेष) के तलछट के साथ मिलकर खाड़ी के पानी को लाल रंग देते हैं।

लैगूना कोलोराडो फ्लैमिंगों के लिए घोंसले बनाने की सही जगह है। इसके पानी में प्लैंकटन (अवशेष) की भारी मात्रा होती है। इसके चट्टानी और कीचड़ से सने किनारे से शिकारी दूर रहते हैं। फ्लैमिंगो की छह प्रजातियों में से तीन इस झील में पाई जा सकती है- एंडीस, चिली और जेम्स। वास्तव में जेम्स फ्लैमिंगों को यहां 1957 में फिर से खोजा गया था। कई दशकों तक यह माना जाता रहा कि वे विलुप्त हो चुके हैं। लैगूना कोलोराडो को जो चीज सबसे खास और खूबसूरत बनाती है, वह है कि इसके कुदरती तत्वों और विविध रंगों का संतुलन। सफेद बोरेक्स के ढेर और हरे-पीले मॉस इसके लाल रंग के साथ मिलकर बहुरंगी दृश्य तैयार करते हैं। दुर्भाग्य से यह बहुरंगी वातावरण जल्द ही बदल सकता है। 2019 की शुरुआत में अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्रालय ने लैगुना कोलोराडो से सिर्फ 40 किलोमीटर दूर एक भू-तापीय संयंत्र बनाने की परियोजना मंजूर की है। दिवंगत जीव वैज्ञानिक एलियाना फ्लोरेस इस परियोजना का तीखा विरोध करती थीं। उनका कहना था कि भूमिगत गर्म जल की निकासी यहां के भूजल परतों का संतुलन बिगाड़ देगी। 2012 में उन्होंने बोलिविया के अखबार ला रेजोन में लिखा था, भू-तापीय परियोजना का निर्माण जारी रखना जेम्स फ्लैमिंगो के विलुप्त होने और यहां के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश का प्रतिनिधित्व करता है।

लैगूना वेर्डे (हरी लैगून), बोलीविया

लैगूना कोलोराडो यहां की एकमात्र रंगीन झील नहीं है। एडुआर्डो एवरो नेशनल एडियन वाइल्डलाइफ रिजर्व के दक्षिण-पश्चिमी कोने के पास लैगूना वेर्डे (हरी लैगून) और लैगूना ब्लांका (सफेद लैगून) हैं। ये एक-दूसरे से कुछ ही मीटर की दूरी पर हैं। आर्सेनिक और तांबे की भारी मात्रा के कारण लैगूना वेर्डे का रंग पुदीने जैसा है। लैगूना ब्लांका का दूधिया रंग उसके नीचे बोरेक्स के कारण है। टूर गाइल माउरो बेर्ना कहते हैं, कभी-कभी यहां भूगर्भीय हलचल होती है और हम लैगून के असली रंगों को नहीं देख पाते। हालांकि पानी के रंग के पर दूसरे सिद्धांत भी लागू होते हैं जो तापमान, दिन के समय और हवा पर निर्भर करते हैं। शायद यह बर्फीली सुबह के तापमान के कारण हो या पानी की सतह के नीचे बहने वाले बोरेक्स कणों के कारण, लेकिन उस जगह और उस वक्त वहां होना ऐसा लगता है जैसे किसी निर्जन ग्रह पर घूम रहे हों।

इस अनोखी जगह पर एक हो जाते हैं आकाश और पृथ्वी

दुनिया में एक नहीं बल्कि कई ऐसी जगह मौजूद है, जिन्हें अपनी हैरान कर देने वाली खासियतों के चलते पहचाना जाता है। इन जगहों पर लोगों को ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं जो उनके होश उड़ा देते हैं। कहीं पर ढेर सारे ज्वालामुखी दिखाई देते हैं तो कहीं की ऊंची ऊंची चोटियां जन्नत का एहसास देती हैं। कहीं सिर्फ एक लाइन पार कर लेने से आप दूसरे देश पहुंच जाते हैं, तो कहीं पर पृथ्वी और आसमान एक हो जाते हैं। अब बाकी सब तो ठीक है लेकिन यह पृथ्वी और आसमान के एक हो जाने वाली जगह की बात ने आपको थोड़ा हैरान जरूर किया होगा। इतना हैरान होने की जरूरत नहीं है कि पृथ्वी पर वाकई में एक जगह ऐसी मौजूद है जहां पर आपको यह नजारा देखने को मिलेगा। दुनिया भर में यह जगह बहुत फेमस है। यह जगह दुनिया में अजूबे के नाम से फेमस है। यहां पर पृथ्वी और आकाश बिल्कुल मिले हुए दिखाई देते हैं। आपको बता दें कि असलियत में यहां पृथ्वी और आकाश का मिलन नहीं हो रहा है बल्कि यह दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक मिरर है जहां पर आकाश का प्रतिबिंब धरती पर दिखाई देता है और ऐसा लगता है कि यह दोनों एक दूसरे से मिल चुके हैं। हम जिस जगह की बात कर रहे हैं वह सालार दे उयूनी है जो असल में दुनिया का सबसे बड़ा नमक का मैदान है। अपनी खूबसूरत से दृश्य के लिए यह दुनिया भर में पहचाना जाता है और बड़ी संख्या में यहां पर पर्यटक अद्भुत नजारों का दीदार करने के लिए पहुंचते हैं। यह नमक का मैदान सालों पहले वाष्पित हो चुकी झीलों की वजह से बना है। यहां बहुत दूर तक नमक की मोटी परत बिछी हुई है। जब आसपास मौजूद झील ओवरफ्लो हो जाती है तो यहां पर हर जगह पानी भर जाता है और यह किसी कांच की तरह दिखाई देती है। ऊपर फैला आसमान जब इस कांच जैसी सतह पर दिखाई देता है तो ऐसा लगता है जैसे धरती और आकाश एक हो गया है।

कहां है ये जगह

यह खूबसूरत सी जगह बोलीविया के डैनियल कैंपोस प्रांत में स्थित है। यह नमक का मैदान 10,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और इसे सलार दे उयूनी के अलावा सालार दे तुनुपा, लार्जेस्ट नेचुरल मिरर और मिरर ऑफ स्काई के नाम से भी पहचाना जाता है।

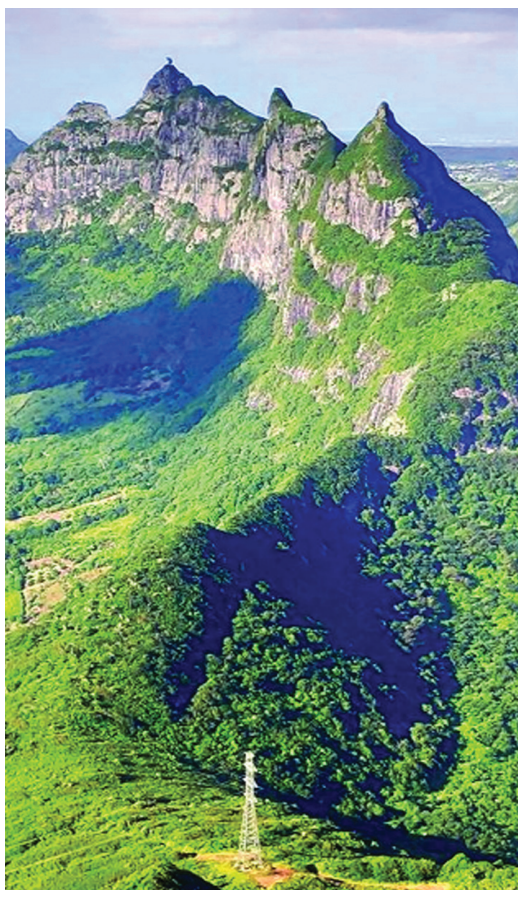

अंगूठे के आकार का अनोखा पर्वत ले पॉउस

दुनिया में कई ऐसी जगह मौजूद है जो लोगों को आकर्षित करने का काम करती है। किसी जगह के प्राकृतिक नजारे देखने लायक होते हैं तो कोई जगह अपने इतिहास के चलते लोगों के बीच पहचानी जाती है। प्राकृतिक नजारे हमेशा से ही पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करते हैं। जब घूमने फिरने की बात निकलती है तो लोग ऐतिहासिक और आध्यात्मिक जगह के साथ प्राकृतिक स्थलों पर जाना बहुत पसंद करते हैं। अक्सर ऐसी जगह की तलाश की जाती है जहां पर सुंदर प्राकृतिक नजारे देखने को मिलें ताकि इन जगहों को देखकर मन में सुकून का एहसास किया जा सके। चलिए आज हम आपको एक बहुत ही पसंद माउंटेन यानी पर्वत के बारे में बताते हैं जो अपने आकार के चलते लोगों के बीच पहचाना जाता है। हम जिस पर्वत की बात कर रहे हैं वह अपने आकार की वजह से लोगों के बीच प्रसिद्ध है। यह काफी ऊंचा है और इसकी ऊपरी चोटी अंगूठे के आकार के समान दिखाई देती है। यही कारण है कि यह लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध है। इसे ले पॉउस के नाम से पहचाना जाता है और यह इतना ऊंचा है कि इसकी चढ़ाई किसी को भी हैरान कर सकती है। चलिए आपको इस जगह के बारे में बताते हैं।

बहुत प्रसिद्ध है ले पॉउस

यह खूबसूरत सा माउंटेन 812 मीटर ऊंचा है जो मॉरीशस में मौजूद है। यह मौका पर्वत श्रृंखला में मौजूद है और अपनी अंगूठे जैसी दिखने वाली चोटी की वजह से पर्यटकों के बीच हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहा है। अंगूठे जैसा आकार होने की वजह से ही इसे ले पॉउस नाम दिया गया है। चलिए आज आपको इस पर्वत के बारे में बताते हैं।

कहां मौजूद है ले पॉउस

इस शानदार से माउंटेन की बात करें तो यह मॉरीशस के पेटिट वर्गर सेंट पियरे में मौजूद है। इसके टॉप पर चढ़ना बिल्कुल भी आसान नहीं है क्योंकि यहां तक पहुंचाने की चढ़ाई पूरी तरह से खड़ी हुई है जो अच्छे-अच्छे लोगों के पसीने निकलवा सकती है।

जब आप इसके टॉप पर पहुंचते हैं तो यहां से अद्भुत प्राकृतिक नजारे दिखाई देते हैं जो किसी का भी दिल जीत सकते हैं। आसपास फैली हसीन वादियां दूर तक नजर आता कोहरा और आसमान यह सारे नजारे बहुत ही हसीन हैं, जिनका दीदार सिर्फ इस चोटी पर पहुंच कर ही किया जा सकता है।

इस कारण है प्रसिद्ध

अपने अंगूठे जैसे आकार के साथ-साथ यह जगह प्राकृतिक सुंदरता और यहां पाए जाने वाले दुर्लभ पेड़ पौधों की वजह से प्रसिद्ध है। यहां अलग-अलग किस्म के कई सारे पेड़ पौधे मौजूद है जो औषधीय गुणों से भरपूर है। अब आप में से कुछ लोग यह सोच रहे होंगे कि अलग-अलग किस्म के पेड़ पौधे तो हर पर्वत पर मिल जाएंगे। लेकिन आपको बता दें कि यहां पर जो पेड़ पौधे पाए जाते हैं उनकी खासियत यह है कि इनमें से कुछ सिर्फ यही पर मिलते हैं। इसके अलावा इन्हें कहीं भी नहीं पाया जाता। यह पौधे अपनी खासियत के चलते पहचान जाते हैं और इनका सिर्फ इस पर्वत पर मिलना लोगों के लिए कोतुहुल का विषय है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान पर अमित शाह का करारा प्रहार, कांग्रेसियों ने बार-बार किया है मोदी जी का अपमान

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में चुनावी समर अपने चरम पर है। ऐसे में, सभी राजनीतिक पार्टियाँ एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का राजनीतिक खेल खेलने में लगी हुई है। लेकिन जम्मू-कश्मीर की एक जनसभा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर एक विवादित बयान देते हुए कहा कि, 'मैं तब तक जीवित रहूंगा, जब तक पीएम मोदी सत्ता से हट नहीं जाते।' उनके इस बयान पर सियासी गलियारों में एक तरह से हलचल सी मच गई है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता और भारतीय राजनीति के चाणक्य अमित शाह ने खड़गे के इस बयान पर आपत्ति जताते हुए अपने एक्स पर लिखा कि, '29 सितंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने अपने भाषण में अभद्र भाषा के इस्तेमाल में खुद को, अपने नेताओं को और अपनी पार्टी को भी पीछे छोड़ दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने अपने भाषण में बिल्कुल अरुचिकर और अपमान जनक बोलकर खुद को, अपने नेताओं को और अपनी पार्टी को मात दे दी। द्वेष का कड़वा प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने अनावश्यक रूप से पीएम मोदी को अपने व्यक्तिगत स्वास्थ्य मामलों में यह कहकर घसीटा कि वह पीएम मोदी को सत्ता से हटाकर ही दम लेंगे। इससे पता चलता है कि इन कांग्रेसियों के मन में पीएम मोदी से कितनी नफरत और डर है कि वे लगातार उन्हीं के बारे में सोच रहे हैं। जहाँ तक खड़गे जी के स्वास्थ्य का सवाल है, मोदी जी, मैं और हम सभी प्रार्थना करते हैं कि वह लंबा, स्वस्थ जीवन जिएँ। वह कई वर्षों तक जीवित रहें और मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण देखने के लिए जीवित रहें।'

नोएडा में गौर सिटी के फ्लैट में छत से गिरा प्लास्टर का बड़ा टुकड़ा, जख्मी हुआ कमरे में खड़ा शख्स

नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौर सिटी में छत से प्लास्टर गिरने की वजह से एक युवक जख्मी हो गया है। घटना गौर सिटी-1 के 5हृद्ध एवेन्यू की है। प्लास्टर कमरे में खड़े शख्स पर गिरा, जिससे हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। पीड़ित परिवार ने हादसे के बाद वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हादसा एच टावर के एक फ्लैट में हुआ। वीडियो में दिख रहा है कि बेड के ऊपर छत से प्लास्टर का एक बड़ा हिस्सा गिरा हुआ है। वीडियो बनाने वाला कहता है, छत गिर गई, चोट अलग से आई। सिर पर ही गिरा है। हादसा 30 सितंबर को रात करीब साढ़े 10 बजे हुआ। गौर सिटी में इससे पहले भी प्लास्टर गिरने की शिकायतें फ्लैट ऑनर्स कर चुके हैं। मई 2023 में एवेन्यू में सीढ़ी के पास छत से प्लास्टर गिरने की घटना सामने आई थी। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां कोई मौजूद नहीं था। फ्लैट ऑनर्स प्लास्टर गिरने की घटनाओं से चिंतित हैं और कई बार निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठा चुके हैं।

नोएडा में कार में घुसा ट्रॉली का नुकीला हिस्सा, कागज की तरह फटा दरवाजा

नोएडा , एजेंसी। नोएडा सेक्टर- 39 थानाक्षेत्र के सेक्टर- 44 में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा होने से बच गया। हादसे में कार तो पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन गनीमत रही कि किसी को इसमें चोट नहीं आई। जिस समय हादसा हुआ कार में पांच लोग सवार थे। स्थानीय लोगों की मदद से मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। किसी को चोट नहीं लगी है। सभी को घर भेज दिया गया है। हादसे का एक वीडियो सामने आया है। लोगों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, सेक्टर- 44 में एक बिल्डर का कंस्ट्रक्शन काम चल रहा है।

किंगमेकर या वोट कटवा? हरियाणा चुनाव में बागी बन सकते हैं पार्टियों का सिरदर्द

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होने को हैं। इससे पहले अब पार्टियां नतीजों को लेकर समीकरण बिठाने में जुट गई हैं। हरियाणा में कई मौकों पर अलग-अलग पार्टियों को सरकार बनाने में मदद कर किंगमेकर की भूमिका निभाने वाले निर्दलीय उम्मीदवार इस बार चुनाव से पहले ही सुर्खियों में हैं। ऐसे 462 उम्मीदवार राज्य भर की 90 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से कई कांग्रेस और बीजेपी नेता हैं जिन्होंने टिकट न मिलने पर अपनी पार्टियों से बगावत कर दी थी। इन्हें वोट कटवा बताते हुए दोनों पार्टियां मतदाताओं से इन्हें वोट न देने की अपील कर रही हैं। बागी उम्मीदवारों से खतरे को स्वीकार करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को करनाल में एक रैली में वोटर्स से एकजुट रहने और बीजेपी के चुनाव चिह्न कमल पर ध्यान केंद्रित करने को बात की थी। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी बार-

बार मतदाताओं से निर्दलीय उम्मीदवारों को वोट न देने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, ÷यह बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। वोट-कटवा को वोट देने का कोई फायदा नहीं है और लोगों को उनसे दूर रहना चाहिए।÷

कांग्रेस-बीजेपी दोनों के लिए सिरदर्द दोनों पार्टियों की ये चिंताएं लाजमी भी हैं। कई क्षेत्रों में निर्दलीय उम्मीदवारों का राजनीतिक आधार मजबूत है। झज्जर के बहादुरगढ़ से कांग्रेस के बागी राजेश जून पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार राजिंदर सिंह जून और बीजेपी के दिनेश कौशिक को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। वहीं हिसार में भारत की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल निर्दलीय के तौर पर मैदान में हैं। पूर्व मंत्री कांग्रेस और बीजेपी दोनों के उम्मीदवारों को परेशान कर सकती हैं। उचाना कलां में कांग्रेस के बागी वीरेंद्र घोघरियां कांग्रेस के बृजेंद्र सिंह, जेजेपी के दुष्यंत चौटाला बीजेपी के देवेंद्र अत्री के बीच महत्वपूर्ण मुकाबले में खेल बिगाड़ सकते हैं। पूर्व मंत्री रणजीत सिंह सिरसा के रानिया से निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह तोशाम, सफीदों और बाढड़ा से कई बागी उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। गुरुग्राम में बीजेपी के बागी नवीन गोयल पार्टियों के लिए सिरदर्द साबित हो रहे हैं। गोयल का दावा है कि कांग्रेस-बीजेपी के चक्र से तंग आकर मतदाता अब उन उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने सच में उनके लिए काम किया है। निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद के निधन के बाद उनकी पत्नी कुमुदनी बादशाहपुर से चुनाव लड़ रही हैं।

राहगीर से मोबाइल फोन लेकर दी धमकी, गुरुग्राम में स्पा संचालक से मांगी गई रंगदारी

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में एक स्पा संचालक को फोन पर धमकाने के बाद स्पा पर आकर गन पॉइंट पर एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। यह पूरा घटनाक्रम स्पा सेंटर में लगे कैमरे में कैद हो गया। पुलिस ने सेक्टर-56 थाने में मामला दर्ज किया है। आरोपी ने राह चलते एक युवक से फोन लेकर स्पा संचालक से फिरौती मांगी थी।

मामले की जांच करते हुए अपराध शाखा सेक्टर-40 की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पुलिस ने एक पिस्तौल, बाइक और तीन जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए। आरोपियों की पहचान 27 वर्षीय सचिन निवासी गांव बंधवाड़ी, गुरुग्राम और 18 वर्षीय दुष्यंत निवासी गांव बंधवाड़ी, गुरुग्राम के रूप में हुई।

मूलरूप से उत्तर प्रदेश के अयोध्या निवासी ललित कुमार यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सेक्टर-55 स्थित एक मकान में किराये पर रहता है। सेक्टर-56 के सुशांत टावर में उसने ड्रीम स्पा खोला हुआ है। 25 सितंबर को दो अनजान नंबर से उसे कई बार फोन आया। फोन करने वालों ने कहा कि अगर कारोबार चलाना है तो एक लाख रुपये महीना देना होगा, नहीं तो जान से मार देगा। 27 सितंबर को दो नकबापोश युवक रात 8 बजे स्पा सेंटर पर आए और फिर से गन पॉइंट पर एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी। रुपये नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी और 28 सितंबर तक रुपये देने को कहा गया। उसके बाद पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी।

यात्री कृपया ध्यान दें! ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के हर स्टेशन की होगी अलग पहचान

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के 27 स्टेशन की इमारत अलग-अलग रंग की होगी। अलग रंग होने से मेट्रो स्टेशन की पहचान हो सकेगी। इस दिशा में काम करने के आदेश गुरुग्राम मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की अध्यक्ष डी.थारा ने जारी किए हैं।

आदेश में कहा है कि हर स्टेशन में एंट्री और एग्जिट गेट उस मुख्य सड़क पर बनाए जाएंगे, जिस तरफ रिहायशी और व्यवसायिक क्षेत्र अधिक हैं। इससे मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों की संख्या अधिक रहेगी, जिससे सड़कों पर वाहनों का दबाव कम हो जाएगा। जीएमआरएल के एक अधिकारी ने बताया कि हर मेट्रो स्टेशन का एक अलग कलर कोड होगा, जो उसकी पहचान होगी।

27 में से 18 मेट्रो स्टेशन के समीप पर्यटन स्थल बनाने की योजना है। इन मेट्रो स्टेशन के साथ जोहड़, बरसाती नाला, हरित क्षेत्र हैं। इसके अलावा वाहन पार्किंग का बंदोबस्त ठीक है। जोहड़ का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके चारों तरफ जोगिंग ट्रैक बनाए जाएं। लोगों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। सेक्टर-47 के मेट्रो स्टेशन को बख्तावर चौक के पास करीब 10 एकड़ में तैयार हो रही एक व्यावसायिक कॉलोनी से जोड़ा जाएगा, जिससे इससे स्टेशन की एक अलग पहचान होगी।

बसई गांव में जोहड़ को इस मेट्रो स्टेशन से जोड़ दिया जाएगा। इस एरिया को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। सेक्टर-चार स्टेशन को कल्चरल सेंटर बाल भवन से जोड़ा जाएगा, जहां तक पहुंचने के लोगों को सहूलियत मिलेगी। इस तरह हर स्टेशन का अलग कलर कोड और अलग पहचान बनाई जाएगी। जीएमआरएल की अध्यक्ष डी.थारा और हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने सेक्टर-101 के बजाय सेक्टर-33 की मार्बल मार्केट की जमीन को मेट्रो डिपो तैयार करने के लिए उपयुक्त पाया है। मुख्य सचिव ने एचएसवीपी अधिकारियों को आदेश जारी किए हैं कि इस जमीन को जीएमआरएल के सुपुर्द किया जाए। इस जमीन पर यदि कोई अदालती मामला विचाराधीन है तो उसे वकीलों की मजबूत टीम बनाकर दूर किया जाए। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का रूट 28.5 किलोमीटर लंबा है। इसे तैयार करने में साढ़े पांच हजार करोड़ रुपये की लागत आएगी। मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से यह मेट्रो शुरू होगी, जो सेक्टर-45, साइबर पार्क, सेक्टर-47, सुभाष चौक, सेक्टर-48, सेक्टर-72, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार फेज छह, सेक्टर-10, सेक्टर-37, गांव बसई, सेक्टर-नौ, सेक्टर-सात, चार, पांच, अशोक विहार, सेक्टर-तीन, बजघेड़ा रोड, पालम विहार एक्सटेंशन समेत अन्य स्टेशन से गुजरेगी।

बिना शादी ही गुजारा भत्ता मांगने लगती थी, ठग महिला को कोर्ट से लगा बड़ा झटका

औरंगाबाद, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने तलाक और मेंटिनेंस के नाम पर पुरुषों को ठगने वाली महिला की जमानत याचिका खारिज कर दी है। महिला पर आरोप है कि महिला पहले मेंटिनेंस पाने के लिए केस करती थी और बाद में शेटलमेंट होने के बाद केस वापस ले लेती थी। लताबाई जाधव और उसके दो वकीलों के खिलाफ सिलोद सिटी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। सुनवाई में देरी की बात कहते हुए जाधव ने जमात याचिका फाइल की थी। सेशन कोर्ट और मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भी उसकी याचिका को खारिज कर दिया था।

जस्टिस एसजी मेहारे की बेंच ने कहा, सुनवाई में थोड़ी देरी हो गई है और इसलिए उम्मीद है कि ट्रायल कोर्ट अब तेजी से सुनवाई करेगा। दोनों कोर्ट में हुई अब तक की सुनवाई के मुताबिक मामला सच लगता है। याचिकाकर्ता महिला का पास्ट भी अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि जमानत के बाद वह फरार हो सकती है।

कर्नाटक हाई कोर्ट से निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत, इलेक्टोरल बॉन्ड केस में एफआईआर पर रोक

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड के जरिए कथित जबरन वसूली से संबंधित एक मामले में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सोमवार को बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने उनके और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया है और चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित कथित अनियमितताओं की जांच पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई तक यह रोक जारी रहेगी। चुनावी बॉण्ड योजना अब रद्द हो चुकी है।

जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने भाजपा नेता नलिन कुमार कटील द्वारा दायर उस याचिका पर यह अंतरिम आदेश दिया, जिसमें उन्हें आरोपी के रूप में नामजद करने वाली प्राथमिकी को चुनौती दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर को होगी। चुनावी

बॉण्ड योजना से संबंधित शिकायत के बाद यहां की एक विशेष अदालत के निर्देश पर शनिवार को सीतारमण और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।पुलिस के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। भारतीय जनता पार्टी की कर्नाटक इकाई के प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र, पार्टी नेता नलिन कुमार कटील के नाम भी प्राथमिकी में हैं।जनाधिकार संघर्ष परिषद के सह-अध्यक्ष आदर्श आर अय्यर ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने चुनावी बॉण्ड की आड़ में जबरन वसूली की और 8,000 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा उठाया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सीतारमण ने ईडी अधिकारियों की गुप्त सहायता और समर्थन के माध्यम से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर दूसरों के फायदे के लिए हजारों करोड़ रुपये की जबरन वसूली की। इसमें कहा गया है, ''चुनावी बॉण्ड की आड़ में जबरन वसूली का काम विभिन्न स्तरों पर भाजपा के पदाधिकारियों की मिलीभगत से चलाया जा रहा था।''

मणिपुर में फिर 6 महीने के लिए बढ़ाया गया अफस्पा, 19 पुलिस थाना क्षेत्रों में रहेगी छूट

इंफाल, एजेंसी। सरकार ने मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) को अगले 6 महीने के लिए सोमवार को बढ़ा दिया। हालांकि, इंफाल घाटी के अंतर्गत आने वाले 19 थाना क्षेत्रों और असम की सीमा से लगे एक क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया है। राज्य सरकार के गृह विभाग ने नोटिफिकेशन में बताया कि यह विस्तार 1 अक्टूबर से लागू होगा। इसमें कहा गया, 'राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की यह राय बनी है। फिलहाल जमीनी स्तर पर विस्तृत आकलन करना उचित नहीं है, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां कानून व व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं।

नोटिफिकेशन में बताया गया कि अशांत क्षेत्र घोषित करने का मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अगर उचित निर्णय नहीं लिया गया तो यह आलोचना और प्रतिरोध का कारण बन सकता है। गृह आयुक्त एन. अशोक कुमार की ओर से हस्ताक्षरित अधिसूचना जारी हुई है। इसके मुताबिक, मणिपुर के राज्यपाल 19 थाना क्षेत्रों में आने वाले इलाकों को छोड़कर पूरे मणिपुर को 1 अक्टूबर से अगले छह महीने की अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित करने की मंजूरी देते हैं।

फरीदाबाद में ऐप से ऑनलाइन बुक कराकर कैब लूटी, ड्राइवर को मारपीट कर पैसे भी छीन ले गए बदमाश

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के पल्ला थाना अंतर्गत दुर्गा बिल्डर में रविवार रात बदमाशों ने एक कैब ड्राइवर से कैब और नकदी लूट ली। आरोपियों ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर लगे पुलिस के स्थायी नाके से कुछ दूरी पर इस वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने गुरुग्राम जाने लिए कैब ऑनलाइन बुक की थी। पल्ला थाना पुलिस ने शिकायत मिलने पर केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित कैब ड्राइवर सचिन कश्यप मूलरूप से उत्तर प्रदेश के कन्नौज स्थित गांव जबरपुर का रहने वाला है। वह गुरुग्राम स्थित सेक्टर-12 में किराये के मकान में रहता है। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया है कि उसके पास एक कार है, जिसे वह एक ऐप बेस्ड कैब कंपनी के लिए चलाता है। रविवार शाम वह दिल्ली के कश्मीरी गेट से एक सवारी लेकर फरीदाबाद आया था। सवारी को सूर्या विहार में कैब से उतारने के बाद वह वापस जाने लगा, तभी कैब कंपनी के ऐप पर उसके लिए दूसरी ऑनलाइन बुकिंग मिली। ऑनलाइन कैब बुक करने वाली सवारी को गुरुग्राम के सेक्टर-61 जाना था। पीड़ित का कहना है कि उसने सूर्या विहार के आसपास से ही तीन युवक को रीसिव कर गुरुग्राम के सेक्टर-61 पहुंचा दिया, लेकिन गुरुग्राम पहुंचने पर उन्होंने किराये के पैसे नहीं दिए। किराया मांगने पर बताया कि वह जिससे मिलने आया है, वह उनका फोन नहीं उठा रहा। ऐसे में उन्होंने दोबारा फरीदाबाद के सूर्या विहार पहुंचाने की बात कही और कहा कि वहीं किराये के पैसे देगा। पुलिस का कहना है कि इस मामले की जांच की जा रही है।

नोएडा से ग्रेटर नोएडा के लिए बनेगी नई राह, शारदा गोल चक्कर से हिंडन पुल तक सड़क बननी शुरू

नोएडा , एजेंसी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोड़ने के लिए नॉलेज पार्क-3 स्थित शारदा गोलचक्कर से हिंडन पुल तक लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण शुरू हो गया है। इसमें से 250 मीटर का हिस्सा द्रोणाचार्य कॉलेज तक एलिवेटेड होगा। पुस्ता के किनारे बनी सड़क से गुजरने वाले वाहनों के लिए सबवे बनेगा।

ग्रेटर नोएडा के परी चौक और सूरजपुर घंटाघर टी-प्वाइंट पर ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए एलजी गोलचक्कर से नोएडा सेक्टर-146 और 147 को सीधे जोड़ने के लिए वर्ष 2015 में योजना बनाई गई थी, जो जमीन अधिग्रहण समेत कुछ अन्य वजह से रफ्तार नहीं पकड़ पाई। इसके लिए हिंडन पर पुल का निर्माण किया जा रहा है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपने-अपने क्षेत्र में सड़क बनाएंगे।

प्राधिकरण ने शारदा गोलचक्कर से हिंडन पुल तक 60 मीटर चौड़ी और एक किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण शुरू करा दिया है। हिंडन पुस्ता से नॉलेज पार्क की तरफ द्रोणाचार्य कॉलेज तक 250 मीटर सड़क एलिवेटेड होगी, ताकि हिंडन पुस्ता के किनारे बनी सड़क से होकर गुजरने वाला ट्रैफिक बाधित न हो। ऐसे में एलजी चौक से

नोएडा की तरफ जाने वाले वाहन बिना किसी रुकावट के अपने गंतव्य तक पहुंच जाएंगे। लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क और सबवे के निर्माण पर 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस परियोजना के पूरा होने का लक्ष्य दो वर्ष रखा गया है। इस संपर्क मार्ग के बनकर तैयार हो जाने पर एलजी चौक से नॉलेज पार्क होते हुए नोएडा सेक्टर-146 और 147 पहुंचना आसान हो जाएगा। इसे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन से भी जोड़ा जाएगा।

नोएडा में धड़ल्ले से जल रही पराली, जिम्मेदार अफसर बेखबर; लोगों का जीना हुआ मुश्किल

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद नोएडा में धड़ल्ले से पराली जलाई जा रही। सेक्टर-150 से सटे खेतों में सोमवार को जलती पराली और उसका जहरीला धुआं नोएडा प्राधिकरण और प्रशासन के दावों की धज्जियां उड़ाता दिखा। यह हालत तब है, जब शहर को प्रदूषण से बचाने का जिम्मा 19 विभागों के हाथ में है। किसी को पराली जलने की खबर तक नहीं हुई। आग शाम तक धधक कर खुद ही बुझ गई।

यह स्थिति सेक्टर-150 या इसके आसपास ही नहीं, बल्कि जिले के कई रिहायशी इलाकों की है। यहां के लोग जहरीले धुएं के बीच रहने को मजबूर हैं। प्राधिकरण और प्रशासन की निष्क्रियता इससे भी समझी जा सकती है कि जिम्मेदार

अधिकारियों को अब तक पराली जलाने की एक भी घटना की जानकारी नहीं मिली, जबकि शहर से गांव तक हर दिन पराली जलाई जा रही। नवंबर में दिवाली है। इस त्योहार के आसपास तेजी से शहर का वायु प्रदूषण बढ़ता है, यहां तक की नोएडा और ग्रेटर नोएडा देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार रहते हैं। प्रशासन ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करने की तैयारी कर चुका है, जिसके लिए आज यानी मंगलवार से ही प्रभावी कदम उठाए जाने हैं, लेकिन हालात ये है कि प्रदूषण की कार्ययोजना सिर्फ कागजों में सिमट कर रह गई है। शहर में वायु प्रदूषण से सांस, हृदय और आंख से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है।जिला प्रशासन के मुताबिक पराली जलाने पर छह महीने तक का कारावास संभव है। यदि कोई व्यक्ति पराली जलाता है तो उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 188 के तहत मुकदजा दर्ज किया जाता है। इसमें व्यक्ति को छह महीने तक कारावास या अधिकतम 15 हजार रुपये जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

हमारे पास विकल्प नहीं, बंगाल में डॉक्टरों ने फिर बंद किया काम

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को फिर से काम बंद करने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कैंपस में सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर दबाव बनाने के लिए यह फैसला लिया गया। इससे पहले जूनियर डॉक्टर्स काम रोककर 42 दिनों तक विरोध प्रदर्शन करते रहे और 21 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी पर लौटे थे। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ऑन-ड्यूटी ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। इसके विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन हुए और कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने सुरक्षा की मांग को लेकर काम रोक दिया।

आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों में से एक अनिकेत महतो ने कहाकि सुरक्षा से जुड़ी हमारी मांगों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। आज विरोध प्रदर्शन का 52वां दिन है। हमारे ऊपर अभी तक हमले हो रहे हैं। आंदोलन के दौरान किए गए अन्य वादों को पूरा करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठक के बाद, हमारे पास आज से पूर्ण काम बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य सरकार इन मांगों पर स्पष्ट कार्रवाई नहीं करती, तब तक काम पूरी तरह बंद रहेगा।

इंडिया- बांग्लादेश टेस्टः

टीम इंडिया ने लगाया जीत का 'छक्का', बांग्लादेश के 'बैजबॉल' अंदाज में किया क्लीन स्वीप

कानपुर, एजेंसी। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को कानपुर टेस्ट में सात विकेट से मात देकर सीरीज में क्लीन स्वीप किया। भारतीय टीम ने चेन्नई टेस्ट में 280 रन से जीत हासिल की थी। भारत की यह लगातार छठी टेस्ट जीत है। वहीं यह लगातार चौथा मौका है जब भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ क्लीन स्वीप किया है।

भारत को मिला था 95 रन का लक्ष्य

कानपुर टेस्ट में बारिश का खलल देखने को मिला जिसके कारण पूरे पांच दिन का खेल नहीं हो सका। इसके बावजूद भारत ने लगभग दो दिन के खेल में मैच अपने नाम किया। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भारत के लिए यह जीत काफी अहम थी। बांग्लादेश ने पहली पारी में 233 रन बनाए। इसके बाद टीम इंडिया ने 285/5 के स्कोर पर पारी घोषित की। बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में केवल 146 रन ही बना सकी जिसके कारण भारत को 95 का लक्ष्य मिला था।

यशस्वी जायसवाल ने जमाया अर्धशतक

भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। रोहित शर्मा केवल 8 रन बनाकर मेहदी हसन की गेंद पर हसन महमूद को कैच दे बैठे। इसके बाद शुभमन गिल भी मेहदी हसन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए। यहां से विराट कोहली और दूसरे छोर से यशस्वी जायसवाल ने पारी को संभाला। जायसवाल ने इस दौरान अपना अर्धशतक पूरा किया। वह जब आउट हुए तब टीम जीत से केवल तीन रन दूर थी।

भारत में निकला बांग्लादेश का दम

इसके बाद विराट कोहली और पंत ने टीम को जीत तक पहुंचाया। पंत के बल्ले से ही विजयी चौका निकला। भारत ने 17.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। पाकिस्तान को उसी के घर पर 2-0 से हराने वाली बांग्लादेशी टीम को भारतीय जमीन 0-2 से मात मिली। इस जीत के साथ भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के टॉप पर बनी हुई है।

जीत के बड़े रिकॉर्ड

भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ लगातार चौथी बार क्लीन स्वीप किया है। साल 2017 में भारत ने 1-0 से जीत हासिल की थी। इसके बाद 2019 में भी 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती। भारत ने 2022 में बांग्लादेश का दौरा किया और 2-0 से जीत हासिल की। अब बांग्लादेश को भारत के खिलाफ एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। भारत को टेस्ट फॉर्मेट में पिछली हार 25 जनवरी 2024 को मिली थी। इंग्लैंड ने हैदराबाद में भारत को 28 रन से हराया था। इसके बाद से भारत ने छह टेस्ट मैच खेले और सभी में जीत हासिल की। इसमें चार टेस्ट इंग्लैंड के दो टेस्ट बांग्लादेश के खिलाफ थे।

बूम-बूम बुमराह का कमाल

दिलचस्प बात ये रही कि बुमराह ने एंडरसन से 300 ओवर कम फेंकने के बावजूद ये मुकाम हासिल किया है। बुमराह ने 28 टेस्ट मैचों की 53 पारियों में 836.2 ओवर फेंककर 118 विकेट अपनी झोली में डाले हैं जबकि 116 विकेट लेने के लिए एंडरसन को 1141.5 ओवर फेंकने पड़े। बुमराह अब डब्ल्यूटीसी इतिहास में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और फिलहाल न्यूजीलैंड के टिम साउथी के साथ बराबरी पर हैं, जिन्होंने 1196.2 ओवर गेंदबाजी करके बुमराह के बराबर विकेट लिए हैं। बुमराह के पास दूसरी पारी में कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ने का शानदार मौका होगा। रबाडा के नाम डब्ल्यूटीसी में 123 विकेट दर्ज हैं।

मैं यह मैच जीतना चाहता था, बांग्लादेश के खिलाफ जीत में महत्वपूर्ण योगदान देकर बोले जायसवाल

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतने के बाद भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने कहा कि मैं यह मैच जीतना चाहता था। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में खेले गए दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-0 से अपने नाम की। यशस्वी जायसवाल ने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए और टीम की जीत में महत्वपूर्व योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 72 जबकि दूसरी इनिंग में 51 रन बनाए जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। मैच के बाद जायसवाल ने कहा, मुझे लगता है कि मैं बस यही सोच रहा था कि मैं अपनी टीम के लिए क्या कर सकता हूं। चेन्नई में परिस्थितियां अलग थीं और यहां भी अलग। हर पारी महत्वपूर्ण है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं और उसी तरीके से तैयारी करता हूं। मुझे कहा गया कि मैं जिस तरह से खेलना चाहता हूं, खेलूं। मैं यह मैच जीतना चाहता था।

सार समाचार

चाईना ओपनः

अल्कारेज ने खाचानोव को हराया, लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में पहुंचे

बीजिंग, एजेंसी। अल्कारेज की यह सत्र की 46वीं जीत है जिसकी बदौलत यह फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियन एटीपी 'लाइव रैंकिंग' में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने सोमवार को यहां कारेन खाचानोव के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ लगातार दूसरे साल चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के 21 साल के अल्कारेज ने दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी खाचानोव को 7-5, 6-2 से हराया। अल्कारेज ने 12 में से चार ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठाया और 96 मिनट में जीत दर्ज की।

शूटिंगः

पार्थ राकेश माने ने लीमा जूनियर वर्ल्ड्स में दोहरा स्वर्ण पदक जीता

लीमा, एजेंसी। पार्थ राकेश माने ने 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक और टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर जूनियर विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में हुआ। पार्थ ने 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत खिताब जीतने के बाद, अजय मलिक और अभिनव शॉ के साथ मिलकर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक जीता। भारत को तीसरा स्वर्ण भी मिला जब गौतमी भानोट, शंभवी क्षीरसागर और अनुष्का ठाकुर ने जूनियर महिला टीम इवेंट में 10 मीटर एयर राइफल में जीत हासिल की। लेकिन दिन की सबसे बड़ी उपलब्धि 16 साल के पार्थ माने की रही। उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 24-शॉट के फाइनल में 250.7 अंक हासिल किए और चीन के मौजूदा जूनियर एशियाई चैंपियन हुआंग लिवानलिन को 0.7 अंकों से पछाड़ दिया।

सचिन तेंदुलकर फिर उतरेंगे मैदान में

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में लगाएंगे चौके-छक्के, भारत के 3 शहरों में होगा मल्टीनेशन टूर्नामेंट

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर एक बार फिर मैदान पर अपनी कला दिखाते नजर आएंगे। वह इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में भारत के लिए खेलते दिखेंगे। आईएमएल का पहला सीजन इसी साल भारत के 3 शहरों मुंबई, रायपुर और लखनऊ में होगा। जिसकी तारीखें तय होना बाकी हैं।

गावस्कर बने लीग कमिश्नर मुंबई और इंडियन क्रिकेट के 2 सितारे सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के इनिशिएटिव से आईएमएल शुरू होगी। गावस्कर को लीग का कमिश्नर बनाया गया है, वहीं तेंदुलकर लीग में खेलते नजर आएंगे। लीग में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी हिस्सा लेंगी। 6 देशों का टूर्नामेंट अब से हर साल होगा। पीएमजी स्पोर्ट्स ने इस लीग को कराने की जिम्मेदारी उठाई है।

सुनील गावस्कर को आईएमएल का कमिश्नर

बनाया गया है। सचिन बोले, टी-20 ने क्रिकेट को नए फैन्स दिए सचिन तेंदुलकर ने लीग को लेकर कहा, क्रिकेट भारत ही नहीं, दुनियाभर में तेजी से विकसित हो रहा है। लेकिन पिछले दशक में टी-20 ने तेजी से अपनी पहचान बनाई और नए फैन्स को इस खेल से जोड़ने पर मजबूर कर दिया। नए और पुराने फैन्स दिग्गजों को एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर देखने के लिए उत्साहित हैं। एक खिलाड़ी अपने मन में कभी रिटायर नहीं होता, उनके अंदर हमेशा एक खिलाड़ी खेलने के लिए तैयार रहता है। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के जरिए हम क्रिकेट फैन्स और दिग्गजों को फिर एक बार साथ लाना चाह रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ी भरपूर तैयारी करेंगे और दर्शकों को मनोरंजन का नया जरिया दिखाएंगे।

सचिन तेंदुलकर ने 2013 में आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। गावस्कर ने कहा, आईएमएल पुरानी यादों को ताजा करेगा सुनील गावस्कर ने लीग को लेकर कहा, टी-20 क्रिकेट के विकास ने खेल को नया मैजिक दिया है। ढ्रूक्क की मदद से फैन्स अपने लीजेंड प्लेयर्स को फिर एक बार खेलते हुए देखेंगे। यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि पुरानी यादें ताजा करने का बेहतरीन जरिया है।

ऋतुराज गायकवाड़ की होगी टीम इंडिया में एंट्री, गौतम गंभीर और रोहित शर्मा ने लिया फैसला !

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज और टी20 सीरीज में सेलेक्शन नहीं होने के बाद अब खबरें हैं कि ऋतुराज गायकवाड़ को टीम इंडिया में मौका मिल सकता है. बड़ी खबर ये है कि इस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में सेलेक्ट किया जा सकता है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गायकवाड़ तीसरे ओपनर के तौर पर ऑस्ट्रेलिया जाएंगे. गायकवाड़ फिलहाल ईरानी ट्रॉफी खेल रहे हैं. वो रेस्ट ऑफ इंडिया के कप्तान हैं. रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में गायकवाड़ को ओपनिंग की भूमिका दी जा सकती है. प्लेइंग इलेवन के रेगुलर ओपनर यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा ही रहेंगे लेकिन जरूरत पड़ने पर गायकवाड़ को भी ये जिम्मेदारी मिल सकती है. अगर किसी खिलाड़ी को चोट लगती है या उसकी फॉर्म खराब होती है तो गायकवाड़ को मौका मिल सकता है. टीम इंडिया को दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है जहां पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी.

गंभीर-रोहित का फैसला?

अगर ऋतुराज गायकवाड़ को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने की खबरें सामने आ रही हैं तो जाहिर तौर पर इसके पीछे हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा का दिमाग होगा. रोहित शर्मा और गौतम गंभीर जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में आपको तकनीकी तौर पर सॉलिड बल्लेबाज चाहिए और गायकवाड़ इसमें बेस्ट हैं. वो शॉर्ट बॉल के खिलाफ भी अच्छा खेल दिखाते हैं. यही नहीं उनकी हालिया फॉर्म भी अच्छी है.

न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में मिलेगा मौका?

सवाल ये है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. क्या ऋतुराज गायकवाड़ को इसमें मौका दिया जाएगा? वैसे ये भी मुमकिन है कि गायकवाड़ को इंडिया-ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भेजा जाए. इंडिया ए की टीम इसी महीने ऑस्ट्रेलिया जाएगी. 31 अक्टूबर को इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया के बीच अनाधिकारिक टेस्ट खेला जाएगा. वहीं 7 नवंबर को दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला जाएगा. मुमकिन है कि ऋतुराज गायकवाड़ को ही इंडिया ए की कप्तानी दी जाए.

टेनिसः

शीर्ष वरीय विष्णु, वैदेही 29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला एकल में 2022 की राष्ट्रीय चैंपियन वैदेही ने शैली ठक्कर के खिलाफ सीधे सेट में 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की जबकि कर्नाटक की सोहा सादिक ने दिल्ली की कशिश भाटिया को आसानी से 6-0, 6-1 से हराया।

शीर्ष वरीय विष्णु वर्धन और वैदेही चौधरी ने सोमवार को डीएलटीए परिसर में 29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के पहले दिन जीत दर्ज की। एशियाई खेलों में कई पदक जीत चुके पूर्व डेविस कप खिलाड़ी विष्णु ने पुरुष एकल के पहले दौर में हरियाणा के उदित कंबोज को 7-5, 6-1 से हराया।

महिला एकल में 2022 की राष्ट्रीय चैंपियन वैदेही ने शैली ठक्कर के खिलाफ सीधे सेट में 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की जबकि कर्नाटक की सोहा सादिक ने दिल्ली की कशिश भाटिया को आसानी से 6-0, 6-1 से हराया। तमिलनाडु के अभिनव संजीव ने उलटफेर करते हुए तीसरे वरीय इशाक इकबाल को 6-1, 7-6 से हराया जबकि छठे वरीय रणजीत वीएम ने ओगेस प्रकाश को 6-0, 6-2 से शिकस्त दी।

सेना के खिलाड़ी कर रहे हैं ओलंपिक की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 2036 के ओलंपिक की मेजबानी करने की ओर अग्रसर है, ऐसे में भारतीय सेना ने सेना खेल कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस कॉन्क्लेव में भारतीय ओलंपिक संघ, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) और राष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ सहयोगपूर्ण रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस संयुक्त प्रयास ने बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। इससे ओलंपिक की तैयारी के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। इन सामूहिक चर्चाओं ने वैश्विक मंच पर भारत की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई योग्य कदमों की नींव रखी है। एशियाई खेलों और ओलंपिक में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा योगदान विशिष्ट परंपरा मौजूद है।

खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में 2001 में भारतीय सेना के मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी।

13 साल के वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 58 गेंदों पर ठोका शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। कानपुर टेस्ट में बांग्लादेश पर भारत के सीनियर खिलाड़ियों का हल्ला बोल देखने को मिला है तो उधर चेन्नई में खेले जा रहे अंडर 19 टीम के 4 दिनी मैच में भारत के 13 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का कहर ऑस्ट्रेलिया पर टूटा है. बिहार से आने वाले वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 टेस्ट की अपनी पहली पारी में शतक जड़कर अपनी काबिलियत का लोहा मनवा दिया है. वैभव ने 58 गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपनी सेंचुरी पूरी की और इसी के साथ कई रिकॉर्ड्स की बलि चढ़ा दी.

14 चौके, 4 छक्के, 64 गेंदों पर 104 रनः वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 4 दिनी मैच में भारतीय पारी का आगाज किया और कुल 64 गेंदों का सामना कर 104 रन बनाए. उनकी विस्फोटक पारी में 14 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. वैभव सूर्यवंशी रनआउट होकर पवेलियन लौटे. 64 गेंदों की पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक 58 गेंद पर पूरा किया.

बाल-बाल बचा वर्ल्ड रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 58 गेंदों पर शतक जड़ने के साथ ही वैभव अंडर 19 टेस्ट में सबसे तेज शतक जमाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए है. वहीं वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस

मामले में वो दूसरे नंबर पर हैं. अंडर 19 टेस्ट में वैभव से तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज इंग्लैंड के मोईन अली हैं. मोईन ने 2005 में 56 गेंदों पर ये कारनामा किया था.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का पलटवार

वैभव सूर्यवंशी के शतक की बदौलत भारत की अंडर 19 टीम को ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पहली पारी में धमाकेदार शुरुआत मिली, जिसका उसे मैच में फायदा मिलता दिख सकता है. मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग की थी और अपनी पहली पारी में 293 रन बनाए थे.

वैभव का क्रिकेट सफर

वैभव सूर्यवंशी रणजी ट्रॉफी, हेमंत ट्रॉफी, कूच बिहार ट्रॉफी और वीनू मांकड़ ट्रॉफी में खेल चुके हैं. उन्हें लेकर ये दावा किया जा रहा है कि उन्होंने एक साल में अलग-अलग टूर्नामेंट्स को मिलाकर कुल 49 शतक लगाए हैं. 5 साल की उम्र से क्रिकेट शुरू करने वाले वैभव ने 12 साल 284 दिन की उम्र में अपना पहला फर्स्ट क्लास मैच खेला. मुंबई के खिलाफ उन्होंने फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था, जिसमें पहली पारी में 19 रन और दूसरी पारी में 12 रन ही वो बना सके थे.

संक्षिप्त समाचार

अर्बन बैंक चुनाव से उत्साहित रेलकर्मी जीएम से मिले

जमशेदपुर, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में अर्बन बैंक चुनाव में जीत से उत्साहित कर्मचारी मंगलवार को महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा से मिले। रेल कर्मचारियों ने महाप्रबंधक को निष्पक्ष चुनाव के लिए एनएफआईआर के सहायक महासचिव एसआर मिश्रा ने बधाई दी। उन्होंने कहा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के चुनाव में परिवर्तन पैनल को जीत मिली है। रेल कर्मचारियों के सुविधा और अधिकार के मुद्दे पर अर्बन बैंक हमेशा प्रशासन के कल्याणकारी योजनाओं का समर्थन करेगा।

बांग्लादेशी घुसपैठ रोकने वाली दायर जनहित याचिका पर अब हाईकोर्ट में 13 नवंबर को सुनवाई

रांची, एजेंसी। बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों द्वारा झारखंड में घुसपैठ कर संथाल परगना इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर अब हाईकोर्ट में 13 नवंबर को सुनवाई होगी। मंगलवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल की गयी है। जो फिलहाल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है। इसके बाद झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस रंगान मुखोपाध्य की खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने तक इस मामले की सुनवाई टाल दी है। इस संबंध में जमशेदपुर के रहने वाले दानयल दानिश ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और उनके सहयोगी अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने बहस की।

26 लाख की एक्सपायरी बियर को किया गया नष्ट

गोडडा, एजेंसी। उपयोग में लाए जाने के लिए उत्पादन कंपनी द्वारा निर्धारित किए गए समय सीमा को पार कर जाने के बाद गोदाम में पड़े हुए बियर की बोतलों को नष्ट कर दिया गया। उत्पाद विभाग कार्यालय में सोमवार की सुबह उत्पाद विभाग के अधिकारियों की निगरानी में एक्सपायरी बियर को नष्ट करने का काम शुरू किया गया। विनष्ट किए गए बियर की अनुमानित कीमत करीब 26 लख रुपए बताई जाती है। विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न जगहों पर छापेमारी कर गैरकानूनी तरीके से बिक्री करने या परिवहन करने के दौरान माल की जब्ती की जाती है। जो नियम के मुताबिक जब्ती सूची तैयार कर विभाग के गोदाम में माल रखा रहता है। बाद में इन्हीं बोतलों को अनुमति प्राप्त कर समय पार हो जाने के बाद नष्ट कर दिया जाता है ताकि कोई इसका उपयोग ना कर सके।

हेमंत सरकार ने झारखंड की जनता को सिर्फ हसीन सपने दिखाए, काम कुछ नहीं किया: संजय सेठ

रांची, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने झारखंड की जनता को सिर्फ हसीन सपने दिखाए। 5 वर्षों में झारखंड सरकार ने कोई काम नहीं किया। जेएमएम कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने घोषणा पत्र में किए गए एक भी वादे पूरे नहीं किए। उन्होंने कहा कि राज्य हेमंत सरकार ने बेरोजगार युवाओं को नौकरी नहीं दी और न ही बेरोजगारी भत्ता दिया। उन्होंने हेमंत सरकार को घेरते हुए कहा कि राज्य सरकार ने 25-25 लाख रुपये लेकर परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक कराया गया। साथ ही झारखंड में आदिवासी बेटियों के साथ कत्लेआम हुआ। इस दौरान उन्होंने आदिवासी बेटी रूपा तिर्की और संध्या टोप्पो मर्डर केस का भी उदाहरण दिया। सेठ ने कहा कि राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण राज्य की डेमोग्राफी भी बदल रही है। चौक-चौराहों पर दिहाड़ी मजदूर हर दिन खड़े रहते हैं और बांग्लादेशी यहां आकर बहुत कम मजदूरी में मजदूरी कर यहां के मजदूरों की रोजी-रोटी छीन रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी है। महिलाओं को खटाखट एक लाख देने का वादा किया था, लेकिन कुछ नहीं मिला। झारखंड में पानी, बिजली, सड़क सब का बुरा हाल है। न लोगों को बिजली मिल रही है, न ट्रांसफार्मर मिल रहा है और न ही बिजली पोल लगाए जा रहे हैं। सेठ भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दौरान बुंडू में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जेएमएम सरकार की मंईया सम्मान योजना पर सरकार को घेरते हुए कहा कि अभी 1 हजार रुपए दिए जा रहे हैं, पांच साल पहले मंईया योजना क्यों नहीं शुरू की।

झामुमो-भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज!

बीजेपी के मिला क्या के जवाब में जेएमएम का कब मिलेगा कैंपेन

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के चुनावी वादों पर सवाल उठा रही है। मिला क्या टैगलाइन से यह अभियान जारी है।

झामुमो के रणनीतिकारों ने इसपर पलटवार के लिए कब मिलेगा अभियान आरंभ करने का निर्णय किया है। इसके जरिए झामुमो की केंद्रीय समिति झारखंड से जुड़े प्रमुख मुद्दे उठाकर केंद्र सरकार के तरफ सवाल उछालेगी। इससे भाजपा भी निशाने पर आ जाएगी।

केंद्र सरकार की राज्य को लेकर अनदेखी इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इससे भाजपा के अभियान पर भी पलटवार हो सकेगा। हाल ही में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार से कोयला रायल्टी का 1।36 लाख करोड़ रुपये बकाया का मामला उठाया है।

उन्होंने इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी को पत्र भी प्रेषित किया है। इसमें उन्होंने उल्लेख किया है कि बकाया राशि नहीं मिलने से राज्य का विकास बाधित हो रहा है। इससे विविध कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में भी परेशानी हो रही है।इस संदर्भ में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय खंडपीठ के निर्णय का भी हवाला दिया है, जिसमें कहा गया है कि खनन और रायल्टी शुल्क वसूलने का अधिकार राज्य को है।

यह भी कहा गया है कि रायल्टी टैक्स नहीं है और इसपर कोई सीमा नहीं लगाई जा सकती। प्रधानमंत्री अपने स्तर से इसमें हस्तक्षेप करें। जबतक पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता, तबतक कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को ब्याज राशि का भुगतान राज्य सरकार को करना चाहिए।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा के नेताओं को राज्य के हित से जुड़े मुद्दों को उठाना चाहिए।

लोकसभा में भाजपा के नौ सांसद हैं। वे कभी दिल्ली पर इसके लिए दबाव नहीं बनाते। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य हित के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं करेंगे।

भाजपा का पूरा तंत्र और अभियान झूठ, भ्रम और नफरत पर आधारित है। इनके नेताओं को झारखंड के हित की कोई चिंता नहीं है। समाज में नफरत फैलाने की इनकी राजनीति लोग समझ चुके हैं। निराशा और बौखलाहट में इनके नेता घुसपैठ-घुसपैठ चिल्ला रहे हैं।

राज्य की चिंता होती तो ये कोल कंपनियों की रायल्टी का बकाया भुगतान के लिए केंद्र सरकार के समक्ष दबाव बनाते। झारखंड के विकास से इनका कोई लेना-देना नहीं है। इन्हें सपने में भी सिर्फ हेमंत सोरेन ही दिखते हैं।

विधानसभा चुनाव में आजसू, जदयू और भाजपा का गठबंधन होगा, 99 फीसदी सीटों पर फैसला हो चुका : हिमंता बिस्व सरमा

रांची, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी, जदयू और भाजपा के साथ गठबंधन होगा। 99प्रतिशत सीटों पर फैसला हो चुका है। कुछ सीटों की ही चर्चा बाकी है। पितृ पक्ष समाप्त होते ही गठबंधन की घोषणा कर दी जायेगी। कल्पना सोरेन झारखंड के किसी आदिवासी आरक्षित सीट से चुनाव क्यों नहीं लड़ीं।

हिमंता बिस्व सरमा ने हेमंत सोरेन के पत्र के संदर्भ में पूछे जाने पर कहा कि मैं जवाब मैं दूंगा। हालांकि जवाब वे खुद जानते हैं। लेकिन सोरेन को यह बताना चाहिए कि उनकी पत्नी कल्पना सोरेन झारखंड के किसी आदिवासी के लिए आरक्षित सीट से चुनाव क्यों नहीं लड़ीं। उत्तर उनके घर में ही है। यह उत्तर हमें देने की जरूरत नहीं है। घर में ही प्रतिदिन उन्हें उत्तर मिल रहा है। इसके बाद भी उन्होंने लिखित जवाब मांगा है, तो समय मिलते ही उन्हें मैं जवाब दूंगा।

हिमंता ने कहा कि झारखंड हाई कोर्ट की टिप्पणी है कि राज्य को घुसपैठियों ने हाईजैक कर रखा है। मंत्री इरफान अंसारी को इस बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पाद सिपाही नियुक्ति मामले में जांच का दायित्व राज्य सरकार का है। अगर उन्हें लगता है कि उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए, तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले में झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख सकते हैं। अगर वे ऐसा करते हैं तो भारतीय जनता पार्टी उसका स्वागत करेगी।

पलामू में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड में सरकार बदलनी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि लोग संकल्प लेकर जाएं और परिवर्तन के लिए लग जायें। राज्य की जेएमएम-कांग्रेस की सरकार से पांच वर्ष का हिसाब किताब मांगे। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार को अपने कार्यकाल का जवाब देना होगा। अगर चुनौती नहीं होगी तो जीत का मजा नहीं आएगा। चुनाव से पहले झारखंड की महागठबंधन सरकार वोटरों को मंईयां सम्मान योजना के रूप में चारा दे रही है।

कोल इंडिया के एक लाख से अधिक कर्मियों का लटक सकता है प्रमोशन, बीसीसीएल को भेजा गया पत्र

धनबाद, एजेंसी। कोल इंडिया के एक लाख से अधिक कर्मियों की अब तक वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी है। यदि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में रिपोर्ट तैयार नहीं हुई तो पदोन्नति में परेशानी हो सकती है। कोल इंडिया की ओर से बीसीसीएल व अन्य कोयला कंपनियों को भेजे पत्र में कहा गया है कि 2,17,766 कर्मियों में से मात्र 1,11,307 कर्मियों की रिपोर्ट मिली है। 1,06, 459 कर्मी अभी बचे हैं। कोल इंडिया के महाप्रबंधक (कार्मिक व औद्योगिक संबंध) गौतम बनर्जी ने कहा है कि नौ सितंबर को मिली रिपोर्ट संतोषजनक नहीं है। दिशा निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया।

दरअसल, कोल इंडिया का स्थापना दिवस एक नवंबर को मनाया जाता है। इसी दिन कोयला कर्मचारियों की पदोन्नति की घोषणा होती है। वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट के आधार पर ही इसे किया जाता है। कोल इंडिया ने अक्टूबर के अंत तक हर हाल में रिपोर्ट मांगी है। साथ ही उन अधिकारियों की जानकारी भी मांगी है, जिन पर रिपोर्ट बनवाने की जिम्मेदारी थी।

धनसार में पीबी एरिया क्षेत्र के बोर्रागढ़ कोलियरी में जनरल मजदूर पद पर कार्यरत 52 वर्षीय विजय उरांव की इलाज के दौरान दुर्गापुर स्थित एक अस्पताल में शुक्रवार की शाम मौत हो गई। मजदूरों ने जनता श्रमिक संघ के बैनर तले कोलियरी कार्यालय में शनिवार को नियोजन की मांग पर प्रदर्शन किया। जनता श्रमिक संघ नेता अमर सिंह के नेतृत्व में लोगों ने कोलियरी कार्यालय के समीप मृतक का शव रख नियोजन की मांग करने लगे। मृतक विजय उरांव की 18 सितंबर को कार्य के दौरान तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद कर्मियों ने उसे आनन-फानन में बायोमेट्रिक हाजिरी से हाजिरी आउट कर घर भेज दिया। घर पहुंचने के क्रम में उसकी स्थिति और बिगड़ गई। स्वजन ने पहले तो स्थानीय चिकित्सकों से इलाज कराया, परंतु स्थिति नहीं संभालने पर उसे सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए दुर्गापुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान शुक्रवार शाम को उसकी मौत हो गई।

बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा नियोजन देने में आनाकानी करने के विरोध में लोगों ने जमकर नारेबाजी की। घटना की सूचना पाकर भाजपा नेत्री रागिनी सिंह भी कोलियरी कार्यालय पहुंचीं और बीसीसीएल अधिकारियों को तत्काल नियमानुसार मृतक के आश्रित को नियोजन देने की मांग की। इसे लेकर काफी देर तक वार्ता हुई।इसके बाद मृतक के पुत्र बीरबल उरांव को प्रोविजनल नौकरी दी गई। घटना के बाद से मृतक की पत्नी सनोती देवी, पुत्री संतोषी देवी, पुत्र शंकर उरांव, निर्मल उरांव, विष्णु उरांव का रो-रोकर बुरा हाल है।

झारखंड में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, शीशा टूटने के बाद यात्रियों में फैली दहशत

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर में राउरकेला-पुरी वंदे भारत ट्रेन पर बदमाशों ने सोमवार दोपहर पथराव कर दिया। घटना चक्रधरपुर रेल मंडल स्थित ओडिशा झारसुगुड़ा स्टेशन के पास की है। इससे वंदे भारत ट्रेन के सी-1 कोच का शीशा टूट गया। कोच पर पथराव से यात्रियों में दहशत फैल गई। ट्रेन एस्कार्ट के आरपीएफ जवानों और कोच कंडक्टर ने यात्रियों को शांत कराया।

वहीं, राउरकेला-पुरी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव की सूचना से चक्रधरपुर मंडल आरपीएफ समेत अन्य विभागों के अधिकारी परेशान रहें। इससे पूर्व पुरी-आनंद विहार एक्सप्रेस पर बदमाशों ने चक्रधरपुर मंडल में बांसपानी स्टेशन के पास पत्थरबाजी की थी। इससे थर्ड एसी कोच का शीशा टूटा था। ट्रेन पर पत्थर फेंकने वालों की गिरफ्तारी या शिनाख्त नहीं हो सकी है। मालूम हो कि टाटानगर-बरहमपुर वंदे भारत ट्रेन में पहले खुर्दा मंडल में पथराव हुआ था। चक्रधरपुर मंडल की लाइन पर वंदे भारत, राजधानी, जनशताब्दी, गीतांजलि व साउथ बिहार एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों पर पत्थरबाजी हो चुकी है।

चांडिल में मालगाड़ी हुई बेपटरी

सरायकेला-खरसावां के चांडिल रेलवे क्रॉसिंग के पास सोमवार दोपहर 12 बजे मालगाड़ी पटरी हो गई। केएस संख्या 7 पर टाटा-पुरुलिया रेलखंड पर मालगाड़ी के इंजन

का पहिया पटरी से उतर गया। घटना में रेल पटरी कई जगहों पर टूट कर उखड़ गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद चक्रधरपुर रेलमंडल के एडीआरएम समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा मरम्मत का काम शुरू कराया। इंजन बेपटरी की सूचना पर टाटानगर समेत अन्य स्टेशनों पर करीब तीन घंटे तक अफरातफरी मची रही।

टाटानगर से एआरटी (एक्सीडेंट रिलिफ ट्रेन) वैन दोपहर 1 बजे के बाद घटनास्थल भेजा गया। चांडिल के रेलकर्मी इंजन को खींचकर लाइन मरम्मत में जुटे थे। चक्रधरपुर मंडल ने टाटानगर से हटिया एक्सप्रेस व बरकाकाना पैसेंजर को रद्द कर दिया। इससे बरकाकाना से भी मंगलवार को टाटानगर के लिए ट्रेन नहीं खुलेगी। तीन अन्य ट्रेनें भी प्रभावित हुई।

खड़गपुर-टाटा पैसेंजर को गालूडीह स्टेशन से रद्द कर दिया गया। तीन लोकल ट्रेनों के रद्द होने से कोल्हान के सैकड़ों यात्रियों को परेशानी हुई। चांडिल में सिकली, कॉलेज मोड़ के ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हुआ। शाम करीब 6 बजे मालगाड़ी को गंतव्य स्थान के लिए रवाना किया गया। मालगाड़ी के रवाना होने के बाद भी पटरी की मरम्मत जारी रही।

श्रमिकों की समस्याओं को लेकर बीसीसीएल मुख्यालय पर धकोकस का धरना-प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के बैनर तले सोमवार को बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया। अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष मुरारी तांती व संचालन महामंत्री उमेश कुमार सिंह ने किया। धरना में मुख्य अतिथि धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि प्रबंधन सरकार व मजदूरों के बीच की कड़ी है, जो मजदूर हित में केंद्र की वेलफेयर नीतियों को लागू करे। लेकिन कोल इंडिया व बीसीसीएल प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहा है।

कोल इंडिया प्रबंधन ठेकेदारों के हाथों कठपुतली बन चुका है। यही कारण है कि आज प्रबंधन मजदूर हित में कम व ठेकेदार हित में ज्यादा काम कर रहा है। कोल इंडिया व बीसीसीएल प्रबंधन कोल कर्मियों की

ज्वलंत समस्याओं का त्वरित निष्पादन करें, अन्यथा आंदोलन को बाध्य होंगे।

इससे पूर्व संघ के प्रतिनिधिमंडल ने बीसीसीएल के विभागाध्यक्ष (प्रशासन) सुरेंद्र भूषण को सीएमडी, कोयला सचिव, महानिदेशक डीजीएमएस व आयुक्त सीएमपीएफ के नाम 24 सूत्री ज्ञापन सौंपा। मौके पर अयोध्या मिश्रा, प्रेमशंकर मंडल, माधव सिंह, रामधारी उपाध्यक्ष, सुशील कुमार सिह, ओम कुमार सिंह, रमेश कुमार चौबे, सुनील उरांव, धर्मजीत चौधरी, सीवी प्रसाद, मुबारक हुसैन, प्रभात रंजन, शोभा पांडे, मोहन लाल महतो, मंतोष तिवारी, भौमिक महतो, अरिंजय श्रीवास्तव, एसके मिश्रा, नवनीत कुमार सिंह, रामनाथ गोप, लोकेश सिंह, राजलाल यादव, लालमोहन दास, दिलीप कुमार चंद्रबंसी, प्रशांत नियोगी, राघवेंद्र नारायण पांडे, सीएस राय, केके सिंह, शिवशंकर पांडे, जयश्री बारा, उषा झा, सलखा पाल, ज्ञान राठौड़ व गंगा सागर आदि थे।

संघ के महामंत्री उमेश कुमार सिंह ने कहा कि आंदोलन उद्योग एवं श्रमिक समस्याओं को लेकर है। वर्तमान सरकार देश के कोयला मजदूरों के अस्तित्व को समाप्त कर देना चाह रही है। अध्यक्ष मुरारी तांती ने कहा कि सन 1973 के पहले बीसीसीएल के श्रमिकों की जो स्थिति थी, वही स्थिति केंद्र सरकार व कोल इंडिया प्रबंधन लाने का प्रयास कर रहा है। यदि केंद्र सरकार व कोल इंडिया श्रमिक विरोधी नीतियों को वापस नहीं लेती है तो भारतीय मजदूर संघ सीधी कार्रवाई के लिए बाध्य होगा।

पीएम मोदी के हजारीबाग आगमन से पहले उग्रवादियों ने दिया बड़ी घटना को अंजाम, 5 हाइवा को फूंका

हजारीबाग, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले हजारीबाग में उग्रवादियों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया है। केरेडारी टंडवा मुख्य पथ पर 5 हाइवा को आग के हवाले कर दिया है। मामला देर रात दो बजे की बतायी जा रही है। सूचना मिलने के बाद बड़कागांव एसडीपीओ कुलदीप कुमार, इंस्पेक्टर अनिल कुमार, थाना प्रभारी अजित कुमार, एनटीपीसी के अधिकारी रोहित पाल घटनास्थल पर पहुंच गये हैं।

जानकारी के मुताबिक हजारीबाग के स्टाफ होटल से थोड़ा आगे केरेडारी टंडवा मुख्य मार्ग पर देर रात अचनक कुछ उग्रवादी आ धमके और वहां पर मौजूद चालकों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने कई राउंड फायरिंग कर 5 हाइवा को आग के हवाले कर दिया। बताया जाता है उग्रवादी करीब 8 से 9 की संख्या में थे। हालांकि सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। घटना के बाद से इलाके में दशहत का माहौल है।बता दें कि पीएम मोदी बुधवार को हजारीबाग में आएंगे। जहां वे विनोबा भावे विवि परिसर में 'पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम योजना' का शुभारंभ करेंगे। झारखंड में इसके लिए 4000 गांवों को चुना गया है। पीएम कई एकलव्य विद्यालयों का उदघाटन करेंगे। साथ ही 'पीएम जनमन कार्यक्रम' का शुभारंभ करेंगे। वहीं, हजारीबाग के मटवारी में आदिवासी समूह के प्रतिनिधियों से मिलेंगे। इसके अलावा भाजपा के 'परिवर्तन यात्रा महासभा' को भी संबोधित करेंगे।

रांची वालों की बल्ले-बल्ले, कांटाटोली फ्लाईओवर के उद्घाटन की डेट हुई फिक्स, दौड़ने लगेंगी गाड़ियां

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार की ओर से तैयार राज्य का पहला कांटाटोली फ्लाईओवर 4 अक्टूबर को आरंभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसका उदघाटन करेंगे। इसके एक दिन पहले तीन अक्टूबर को राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर का उद्घाटन होगा।दोनों ही योजनाओं का क्रियान्वयन करा रहे नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव सुनील कुमार ने इसकी पुष्टि की है। सुनील कुमार ने बताया कि तीन अक्टूबर को ट्रांसपोर्ट नगर के उद्घाटन के साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर फेज-दो का शिलान्यास किया जाएगा।

दो दशकों से अधिक की कोशिशों के कांटाटोली फ्लाइओवर का उद्घाटन होगा। इससे कई बार पुल निर्माण से जुड़े परामर्शी बदले गए और इसके नक्शे में भी संशोधन किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिछले दिनों निर्माणाधीन इस पुल का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों को तेजी से काम पूरा करने का निर्देश दिया था।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर मंगलवार को सदर अस्पताल में जेरियाट्रिक ओपीडी की शुरुआत होगी। अस्पताल के दूसरे तल्ले में यहां वरिष्ठ नागरिकों का इलाज होगा। इस ओपीडी के खुलने के बाद वृद्धजनों को काफी राहत मिलेगी, इन्हें लाइन में खड़े होकर इंतजार नहीं करना होगा।

जांच पूरी होने तक नहीं निकाला जाएगा जेएसएससी सीजीएल का रिजल्ट, परीक्षा रद्द करने को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

रांची, एजेंसी। नामकुम स्थित जेएसएससी मुख्यालय के बाहर दिनभर हंगामा होता रहा। हजारों की संख्या में अभ्यर्थी देर रात तक जमे रहे। इस मौके पर अभ्यर्थी लगातार शोर मचाते रहे और नारेबाजी चलती रही। वह सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सीजीएल) में गड़बड़ी का विरोध कर रहे थे। इधर शाम पांच बजे से प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल की वार्ता जेएसएससी के अधिकारियों से शुरू हुई, जो विफल रही। इस मौके पर आयोग के सचिव सुधीर कुमार गुप्ता की ओर से कहा गया कि जब तक जांच चल रही है, तब तक सीजीएल परीक्षा का रिजल्ट नहीं निकाला जायेगा। सचिव ने यह भी बताया कि अभ्यर्थियों ने पेन ड्राइव व सीडी में दिये गये सबूत के मूल स्रोत की जानकारी नहीं दी और न ही उनकी ओर से सीडी की दूसरी कॉपी दी गयी। पहलीवाली सीडी ब्लैंक है, उसमें कोई सबूत नहीं है। इसलिए अभ्यर्थियों को पेन ड्राइव व सीडी के मूल स्रोत की जानकारी देने के लिए बुलाया गया था, लेकिन उनकी ओर

से कोई जानकारी नहीं मिल पायी।

सोमवार को अभ्यर्थी छात्र संघ के तत्वावधान में सैकड़ों की संख्या में जेएसएससी कार्यालय पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी सीजीएल की परीक्षा रद्द करने व उसकी सीबीआइ से जांच कराने की मांग को लेकर सुबह नौ बजे से देर रात तक जमे थे। कार्यालय के अंदर उपस्थित अधिकारी व कर्मचारी दिनभर बंधक बने रहे। 2।30 बजे नामकुम सीओ बाहर निकलना चाह रहे थे, लेकिन अभ्यर्थियों ने उन्हें अंदर ही रोक दिया। इधर आक्रोशित अभ्यर्थियों ने देर शाम सात बजे के करीब हल्की पत्थरबाजी की और बैरिकेडिंग को गिरा दिया, जिसके बाद पुलिस ने समझा कर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी पहुंचे थे। सैकड़ों अभ्यर्थियों ने हाथों में बैनर-तख्तियां लेकर हजारीबाग से पैदल मार्च शुरू किया था। पैदल मार्च करते हुए अभ्यर्थी जेएसएससी मैदान में सुबह नौ बजे से एकत्रित होने लगे थे।प्रदर्शन के दौरान डीएसपी मुख्यालय प्रथम अमर कुमार पांडेय एवं अन्य अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के प्रतिनिधि मंडल को वार्ता के लिए बुलाया। फिर शाम पांच बजे अभ्यर्थियों का प्रतिनिधिमंडल आयोग के सचिव से वार्ता के लिए गया, लेकिन वार्ता विफल रही।